राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHI/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 290 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, शनिवार ,24 अप्रैल 2021, मूल्य रु. 1.50

एक नज़र...

पहाड़ी का हिस्सा ढहने से छह दुकानें खाई में गिरीं

श्रीनगर, (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले में पिछले 36 घंटों से जारी मूसलाधार बारिश के कारण शुक्रवार को पहाड़ी का एक हिस्सा ढहने से छह से अधिक दुकानें क्षतिग्रस्त हो गयीं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि बडगाम जिले के चरार-ए-शरीफ के गुलशनबाद में पहाड़ की चोटी पर निर्मित छह से अधिक दुकानें उस समय खाई में जा गिरीं, जब पहाड़ी का वह हिस्सा ढह गया, जिस पर उनका निर्माण किया गया था। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। इस हादसे में लाखों रुपए की संपत्ति का नुकसान हुआ है।

एमिकस क्यूरी साल्वे ने हटने का किया अनुरोध

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कोविड प्रबंधन मामले के लिए गुरुवार को वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे को एमिकस क्यूरी नियुक्त किया था। शुक्रवार को हरीश साल्वे ने इस मामले से हटने का अनुरोध किया है। साल्वे का कहना है कि यह बेहद संवेदनशील मामला है और वह नहीं चाहते कि मामले के फैसले को लेकर यह कहा जाए कि वह सीजेआई को स्कूल और कॉलेज के दिनों से जानते हैं। हरीश साल्वे ने सुप्रीम कोर्ट में कोविड संबंधित मामले में न्याय मित्र बनाए जाने पर कुछ वकीलों द्वारा आलोचना किए जाने का जिक्र किया है।

बॉलीवुड एक्टर अमित मिस्त्री का निधन

मुंबई, (एजेंसी)। मनोरंजन जगत से हाल ही में एक बुरी खबर सामने आई है। खबर आई है कि, टीवी और फिल्मों के मशहूर अभिनेता अमित मिस्त्री का निधन हो गया है। तेनाली रामा, मैडम सर और हाल ही वेब शो बंदिश बैंडिट्स में नजर आने वाले अमित मिस्त्री को शुक्रवार सुबह हार्ट अटैक आया, जिस कारण उनकी मौत हो गई। अमित के निधन के खबर की पुष्टि फिल्ममेकर अशोक पंडित ने दी है। इस दुखद घटना ने पूरी इंडस्ट्री को सदमे में डाल दिया है। बॉलीवुड के नामी फिल्ममेकर अशोक पंडित ने अमित ने एक्टर की मौत पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने ऑफिशियल ट्विटर हैंडल से अमित को ट्रिब्यूट दिया है।

बंगाल में सातवें चरण का चुनाव प्रचार थमा

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के पांच जिलों के 36 विधानसभा क्षेत्रों में सातवें चरण का हाई वोल्टेज एवं कोरोना महामारी से प्रभावित चुनाव प्रचार शुक्रवार की शाम थम गया। सातवें चरण में राज्य के पांच जिलों की 36 विधानसभा सीटों पर चुनाव हो रहे हैं, जिसके लिए 26 अप्रैल को मतदान होगा। इस चरण में मालदा, कोलकाता दक्षिण, मुर्शिदाबाद, पश्चिम वर्द्धमान और दक्षिण दिनाजपुर जिलों में चुनाव होने हैं। चुनाव आयोग ने कोरोना महामारी के कारण राज्य में बाकी बचे दो चरणों (सातवें एवं आठवें चरण) के दौरान रोड शो, पदयात्राओं, साइकिल/बाइक/वाहन रैलियों पर गुरुवार की शाम को रोक लगा दी।

जर्मनी से लाए जाएंगे 23 ऑक्सीजन संयंत्र

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रक्षा मंत्रालय ने जर्मनी से 23 ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र हवाई मार्ग से लाने का फैसला किया है। मंत्रालय ने यह निर्णय ऐसे समय में किया जब कोरोना वायरस संक्रमण के तेजी से बढ़ते मामलों के बीच कई राज्यों को चिकित्सीय ऑक्सीजन की कमी का सामना करना पड़ रहा है। अधिकारियों ने बताया कि हर संयंत्र की क्षमता 40 लीटर ऑक्सीजन प्रति मिनट और 2400 लीटर ऑक्सीजन प्रति घंटा उत्पादन करने की है। रक्षा मंत्रालय के प्रधान प्रवक्ता ए भारत भूषण बाबू ने कहा कि इनकी स्थापना कोविड-19 के मरीजों का उपचार करने वाले सशस्त्र सेना चिकित्सा सेवा के अस्पतालों में की जाएगी।

मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक में प्रधानमंत्री ने किया आग्रह, जरूरी दवाइयों की ब्लैक मार्केटिंग पर सख्त हों राज्य

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए कोरोना वायरस संक्रमण के कारण देश में फैली महामारी के हालात को देखते हुए उन सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक की जहां हाहाकार मचा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, अस्पतालों की सुरक्षा को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। ऑक्सीजन टैंकरों की आवाजाही के लिए रेलवे और एयरफोर्स को तैनात किया गया है। उन्होंने रायों से सख्ती का आग्रह करते हुए कहा कि आवश्यक दवाइयों की ब्लैक मार्केटिंग को लेकर कड़ाई होनी चाहिए।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने बैठक में कहा, राज्यों को उसी मूल्य पर वैक्सीन उपलब्ध कराएं जिसपर केंद्र सरकार को मिलता है। 1 मई से 18 साल से अधिक उम्र वालों के लिए वैक्सीनेशन की प्रक्रिया पर कृपया दिशानिर्देश दें। बैठक में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ऑक्सीजन की किल्लत का जिक्र किया और कहा,इस वक्त दिल्ली में ऑक्सीजन का बहुत बड़ा संकट चल रहा है। केंद्र सरकार का दिल्ली का ऑक्सीजन का कोटा बढ़ाने के लिए मैं प्रधानमंत्री जी आपका धन्यवाद करता हूं, इस बढ़े हुए कोटे को दिल्ली तक पहुंचाने में हमारी मदद करें। उन्होंने कहा, यदि ऑक्सीजन निर्माता कंपनियां राजी नहीं हुई तो क्या दिल्ली की जनता को ऑक्सीजन नहीं मिलेगा? कृपया सुझाव दें कि दिल्ली के लिए भेजे गए ऑक्सीजन टैंकर को दूसरे राज्य में रोके जाने पर मुझे किससे बात करनी चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने देश के सबसे यादा प्रभावित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी के साथ बैठक में दस राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल हुए। ये राय हैं- महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, गुजरात, कर्नाटक, छत्तीसगढ़, तमिलनाडु, केरल।

लगातार मंथन कर रहे प्रधानमंत्री- देश में घातक कोरोना वायरस संक्रमण के कारण जानलेवा खतरे के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार बैठक कर रहे हैं। देश के अधिकांश राज्यों में महामारी का जानलेवा प्रकोप जारी है। यहां तक कि ऑक्सीजन, दवाओं व अस्पतालों में बेड की किल्लत हो गई है। लोगों की जान पर्याप्त और उचित चिकित्सा व्यवस्था न होने के कारण भी जा रही है। इस किल्लत को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने भी संज्ञान लिया है और केंद्र को नोटिस जारी कर जवाब की मांग की है।

मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक के बाद प्रधानमंत्री नेऑक्सीजन बनाने वाली कंपनियों के साथ बैठक की। बताया जा रहा है कि पीएम मोदी बैठक के बाद देश में तेजी से फैल रही कोरोना वायरस संक्रमण की दूसरी लहर को लेकर अहम फैसला ले सकते हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, सुबह 8 बजे तक दर्ज किए गए आंकड़ों में पिछले 24 घंटे में ष्ह्वङ्क्षद्बस्न-19 के 3,32,730 नए मामले आए और 2,263 नई मौतें हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार, देश में कोरोना वायरस के 59.12 फीसद सक्रिय मामले पांच रायों महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक और केरल से हैं।

सर गंगाराम हॉस्पिटल में 25 मरीजों की मौत, 60 की जिंदगी खतरे में

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में कोरोना वायरस के चलते फैले संक्रमण से हालात लगातार भयावह होते जा रहे हैं. ताजा खबर सर गंगाराम अस्पताल से जुड़ा है. यहां पिछले 24 घंटों में 25 मरीजों की मौत हो चुकी है और 60 गंभीर रूप से बीमार लोगों की जान खतरे में है. अस्पताल की ओर से भेजे गए संदेश में ऑक्सीजन की तत्काल जरूरत बताई गई है. हॉस्पिटल में महज कुछ घंटों तक के लिए ही ऑक्सीजन बची है. अस्पताल का कहना है कि वेंटिलेटर और बाइलेवल पॉजिटिव एयरवे प्रेशर प्रभावी तरीके से काम नहीं कर रहा है. आईसीयू और ईडी में मैन्युअल तरीके से वेंटिलेशन किया जा रहा है.

बता दें कि कुछ दिनों पहले ही गंगाराम अस्पताल में 37 डॉक्टर कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे, जिनमें से पांच अस्पताल में ही भर्ती थे. अन्य डॉक्टरों को होम आइसोलेशन में रखा गया था. जानकारी के अनुसार, इनमें से यादातर डॉक्टर वे हैं जो कोरोना मरीजों का इलाज कर रहे थे. अस्पताल प्रशासन के अनुसार सभी डॉक्टरों में माइल्ड सिम्टम्स थे और कोई भी गंभीर हालत में नहीं थे.

दिल्ली में कोरोना संक्रमितों की तादाद हर दिन हजारों की संख्या में सामने आ रहे हैं. ऐसे में कई अस्पतालों में मरीजों की संख्या भी काफी बढ़ गई है. साथ ही गंभीर मरीजों की तादाद को देखते हुए ऑक्सजीन की मांग भी बढ़ी है. कई अस्पताला इसको लेकर लगातार बयान जारी कर रहे हैं. बता दें कि बृहस्पतिवार को भी कोरोना वायरस संक्रमण के 26,69 नए मामले सामने आए थे. इसके अलावा 306 संक्रमित मरीजों की मौत भी हो गई. दिल्ली में संक्रमण की दर 36.24 फीसदी रही, जो पिछले साल महामारी की शुरुआत के बाद से सर्वाधिक है. स्वास्थ्य विभाग के बुलेटिन में यह जानकारी दी गई है. दिल्ली में पिछले 0 दिनों में इस घातक कोरोना वायरस के चलते ,750 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है. शहर में बुधवार को 24,638, मंगलवार को 28,395 जबकि सोमवार को 23,686 नए मामले सामने आए थे.

हालात बेकाबू- दिल्ली में बृहस्पतिवार को सामने आए संक्रमण के नए मामलों के साथ ही शहर में अब तक कुल 9,56,348 लोग महामारी की चपेट में आ चुके हैं. मृतकों की संख्या बढ़कर 3,93 तक पहुंच गई है. बुलेटिन के मुताबिक, दिल्ली में बुधवार को 72,208 नमूनों की जांच की गई. दिल्ली में अब तक 8.5 लाख से अधिक मरीज ठीक हो चुके हैं, जबकि 9,68 मरीज उपचाराधीन हैं.

जायडस कैडिला की विराफिन दवा को कोरोना संक्रमण के इलाज के लिए मिली डीसीजीआई की आपात मंजूरी

नई दिल्ली। देश में कोरोना महामारी ने कोहराम मचा रखा है. देश में दवा से लेकर ऑक्सीजन तक की किल्लत हो रही है. इस बीच ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने कोरोना के इलाज के लिए एक और दवाई के आपात इस्तेमाल की मंजूरी दे दी है. जायडस कैडिला की विराफिन दवा को कोविड-19 के इलाज के लिए आपात इजाजत दे दी गई है. रिपोर्ट्स के मुताबिक दवा कंपनी जायडस का दावा है कि विराफिन के इस्तेमाल के बाद सात दिन में 91.15 फीसदी कोरोना संक्रमितों का आरटी-पीसीआर टेस्ट निगेटिव आया है. इस एंटी वायरस दवा के इस्तेमाल से कोरोना मरीजों को राहत मिलती है और लड़ने की ताकत भी आती है.

कंपनी के मुताबिक अगर कोरोना वायरस संक्रमित होने की शुरुआत में ही विराफिन दवा दी जाती है तो मरीजों को बीमारी से उबरने में काफी मदद मिलेगी और तकलीफ भी कम होगी. हालांकि इस दवा को अभी डॉक्टर की सलाह के बाद ही दिया जाएगा और दवा अस्पतालों में ही मिलेगी. कंपनी ने इस दवा का ट्रायल 25 केंद्रों पर किया था, जिसके नतीजे अछे रहे हैं.

तीन वैक्सीन को आपात मंजूरी

बता दें कि कोरोना वायरस संक्रमण के खिलाफ देश में टीकाकरण अभियान चल रहा है. इस अभियान में सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया की बनाई कोविशील्ड, भारत बायोटेक की वैक्सीन कोवॉक्सिन का सक्रिय इस्तेमाल हो रहा है. हालांकि भारत सरकार ने रूस की वैक्सीन स्पुतनिक-वी को भी आपात इस्तेमाल की मंजूरी दी है और माना जा रहा है कि जल्द ही रूसी वैक्सीन से भी टीकाकरण शुरू हो जाएगा. देश में 16 जनवरी 2021 से टीकाकरण कार्यक्रम शुरू हुआ था. 1 मई से 18 साल से ऊपर के लोगों के लिए भी टीकाकरण कार्यक्रम को खोल दिया जाएगा.

देश में रिकॉर्ड 3,32,730 नये मामले- देश में शुक्रवार को एक दिन में रिकॉर्ड 3,32,730 नये मामले सामने आए. इसके साथ ही देश में संक्रमण के कुल मामले बढ़कर 1,62,63,695 हो गए. केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के शुक्रवार तक के आंकड़ों के मुताबिक 24 लाख से अधिक लोग अब भी संक्रमण की चपेट में हैं जबकि 2,263 और लोगों की मौत होने के बाद मृतक संख्या 1,86,920 पर पहुंच गई है. पिछले 24 घंटे में देश में दर्ज कोविड-19 के मामलों में 75.01 प्रतिशत मामले महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, कर्नाटक, केरल, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, गुजरात और राजस्थान से हैं.

महाराष्ट्र में सबसे यादा- महाराष्ट्र में संक्रमण के सबसे अधिक रोजाना के मामले 67,013 दर्ज किये गये. इसके बाद उत्तर प्रदेश में 34,254 मामले जबकि केरल में संक्रमण के 26,995 नए मामले दर्ज किये गये. दिल्ली और 11 राय - महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, केरल, गुजरात, तमिलनाडु, राजस्थान, बिहार और पश्चिम बंगाल में संक्रमण के रोजाना के मामलों में इजाफा देखा जा रहा है.

कोरोना की दूसरी लहर के बीच मोदी सरकार का बड़ा फैसला, 80 करोड़ लोगों को मुफ्त में मिलेगा दो महीने का राशन

नई दिल्ली। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने कोरोना महामारी को देखते हुए एक बड़ा फैसला लिया है. केंद्र सरकार ने घोषणा की है कि देश के 80 करोड़ लोगों को दो महीने मुफ्त में राशन दिया जाएगा. प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मई और जून महीने में लाभार्थियों को 5 किलो अनाज फ्री में मुहैया कराया जाएगा. इस काम के लिए भारत सरकार कुल 26 हजार करोड़ रुपए खर्च करेगी.

पिछले साल कोरोना महामारी को फैलने से रोकने के लिए लगाए गए लॉकडाउन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस योजना की शुरुआत की थी. लॉकडाउन में सभी प्रकार की आर्थिक गतिविधियां बंद हो गई थीं और प्रवासी श्रमिक अपने गृह नगर को लौट रहे थे. उन्हें भोजन के लिए परेशानी न हो, इसी उदेश्य से केंद्र सरकार ने इस योजना की शुरुआत की थी. अब एक बार फिर देश कोरोना की दूसरी लहर की चपेट में है. कई रायों में आंशिक और पूर्ण लॉकडाउन की घोषणा की गई है. इसी को देखते हुए सरकार ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत दो महीने मुफ्त राशन देने का निर्णय लिया है.

केंद्र सरकार की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि गरीबों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिबद्धता को देखते हुए भारत सरकार ने 80 करोड़ लाभार्थियों को मुफ्त में राशन मुहैया कराने का निर्णय लिया है. पिछले साल भी देश की गरीब जनता को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत राशन मुहैया करवाया गया था.

भारत में प्रतिदिन कोरोना के रिकॉर्ड मामले दर्ज हो रहे हैं. स्थिति को बिगड़ता देख दिल्ली और महाराष्ट्र में लॉकडाउन जैसे प्रतिबंध लगाए गए हैं. वहीं याादतर रायों ने संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए नाइट कर्फ्यू और वीकेंड लॉकडाउन की घोषणा की है, जिसके बाद आर्थिक गतिविधियों पर असर पड़ा है. इस कारण बड़ी संख्या में श्रमिक पलायन कर रहे हैं. श्रमिकों में यह डर बैठ गया है कि पिछले साल की तरह फिर से राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन की घोषणा हो सकती है.

हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र के नाम संबोधन में रायों से अपील की थी कि वे लॉकडाउन को अंतिम विकल्प के रूप में इस्तेमाल करें. कोरोना के कारण उत्पन्न हुई स्थिति में किसी को भोजन के लिए दिक्कत न हो, इसी मकसद से मोदी सरकार ने दो महीने मुफ्त राशन मुहैयान कराने की घोषणा की है.

भारत की मदद को तैयार फ्रांस

राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रो ने दिखाई उदारता

पेरिस, (एजेंसी)। कोरोना के संकट के बीच फ्रांस ने भारत के साथ खड़े होने की बात कही है। फ्रांस ने कहा है कि वह इस संकट के दौर में भारत को किसी भी तरह की मदद करने के लिए तत्पर है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रो ने कहा कि मैं भारत के लोगों के साथ खड़े होने का संदेश देना चाहता हूं।

कोरोना की इस नई लहर के चलते बड़ा संकट खड़ा हो गया है। इस संघर्ष में फ्रांस आपके साथ है। हम आपको किसी भी तरह की मदद देने के लिए तैयार हैं। भारत को राफेल फाइटर जेट बेचने वाले फ्रांस ने आतंकवाद समेत कई मामलों में पहले भी भारत के साथ होने की बात कही है। भारत में पुलवामा आतंकी हमले और फ्रांस में शार्ली हेब्दो मैगजीन के दफ्तर पर हुए अटैक के दौरान भी दोनों देशों ने एक-दूसरे के प्रति अपना समर्थन जताया था।

फ्रांस के राष्ट्रपति कई बार कह चुके हैं कि आतंकवाद से लड़ाई के मामले में भारत और फ्रांस एक जैसी स्थिति में ही हैं। इसके अलावा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में चीन की ओर से भारत के खिलाफ प्रस्ताव लाए जाने का भी फ्रांस ने विरोध किया था। हालांकि पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान के साथ फ्रांस के रिश्ते अपने निचले स्तर पर हैं।

हैदराबाद की मक्का मस्जिद में नमाज

रमजान माह के दूसरे शुक्रवार को हैदराबाद में नमाज अदा करने के लिए मक्का मस्जिद में बड़ी संख्या में मुस्लिम धर्मावलंबी एकत्रित हुए।

हिमाचल में हिमपात और भारी बारिश, सड़कें बंद

शिमला, (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में गत 72 घंटे से अधिक समय से हो रही बारिश व हिमपात से जनजीवन प्रभावित हुआ है। परिवहन, विद्युत और सड़कें बंद होने से हिमपात वाले क्षेत्रों में लोगों को परेशानियों हो रहा है। लाहौल-स्पीति, किन्नौर और चम्बा के जनजातीय क्षेत्रों में दो राष्ट्रीय राजमार्गों समेत 178 सड़कें अवरुद्ध होने से आवागमन प्रभावित हुआ है। अनेक क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित है। मनाली में 25 साल के अंतराल बाद अप्रैल के अंतिम हफ्ते में हिमपात हुआ है। जबकि कुफरी, नारकंडा समेत खड़ापत्थर में हिमपात से शिमला-रोहडू सड़क बंद हो गई है।

कोरोना कहर से दुनिया में भारतीयों की एंट्री पर लग रही है रोक

अब कनाडा ने लगाया 30 दिन का बैन

टोरंटो, (एजेंसी)। भारत में कोरोना संक्रमण के तेजी से बढ़ते केसों के चलते अब कनाडा ने भी भारतीयों की एंट्री पर रोक लगा दी है। कनाडा ने गुरुवार रात से भारत से आने वाली सभी फ्लाइट्स पर 30 दिनों का बैन लगाने का ऐलान किया है। भारत में पाए जा रहे कोरोना के डबल म्युटेंट वायरस के कई मामले कनाडा में मिलने के बाद जस्टिन ट्रूडो सरकार पर इस संबंध में कोई फैसला लेने का दबाव था।

कनाडा के कई राज्यों की सरकारों की ओर से भी इस तरह के बैन की मांग की गई थी। भारत के साथ ही कनाडा ने पाक से आने वाली उड़ानों पर भी रोक लगाई है। इस संबंध में फैसला लेने से पहले कनाडा सरकार की ओर से भारत को जानकारी दी गई थी।

मनसुख हत्या मामले में एनआईए की कार्रवाई

मुंबई पुलिस के अधिकारी सुनील माने अरेस्ट

मुंबई ■ एजेंसी

एंटीलिया कांड और मनसुख हिरेन हत्या की जांच कर रही एनआईए ने शुक्रवार को मुंबई पुलिस के इंस्पेक्टर सुनील माने को गिरफ्तार किया। आरोप है कि सुनील माने ने सबूतों को मिटाने की कोशिश की थी। इसके साथ ही मनसुख पर दबाव डालने का भी आरोप उन पर था।

सुनील माने मुम्बई क्राइम ब्रांच की कांदिवली यूनिट यानी कि यूनिट नंबर 11 के इंचार्ज थे, इस मामले के सामने आने के बाद ही उनका ट्रांसफर लोकल आर्म्स विभाग में कर दिया गया था। सूत्रों ने बताया कि इंस्पेक्टर सुनील माने 2, 3 और 4 मार्च को मुंबई कमिश्नर ऑफिस के कंपाउंड में स्थित सीआईयू कार्यालय गया था। 3 मार्च के दिन सुनील माने भी सीआईयू में उस मीटिंग में था, जब मनसुख हिरण वहां बुलाया गया था। एनआईए को अपने जवाब में सुनील माने ने अपनी सफाई में बताया था कि वो उस समय कमिश्नर ऑफिस अपने पर्सनल बंदूक का लाइसेंस बनवाने गया था, उसे दो बंदूक के लिए लाइसेंस चाहिए था। माने ने अपनी सफाई में बताया था कि 3 मार्च के दिन वो सीआईयू सिर्फ इसलिए गया था ताकि वो अपनी गन (बंदूक) का लाइसेंस रिन्यू करवा सके।

माने ने खुद पर लगे आरोपों को बताया था गलत

सुनील माने ने गिरफ्तारी से पहले उन पर लगे आरोपों को गलत बताया था और कहा था कि वो एनआईए की जांच में सहयोग कर रहे हैं। जब महाराष्ट्र एटीएस ने सुनील माने को बुलाया था, तब सुनील माने ने बताया था कि उनकी यूनिट का नाम लिया गया था। इस वजह से एटीएस ने उन्हें यह जानने के लिए बुलाया था कि उनके यहां कौन कौन काम करता है। उस समय सुनील माने ने वो लिस्ट एटीएस को दी थी।

पालघर में कोविड अस्पताल में भीषण आग, 13 मरीजों की मौत

मुंबई। दुर्भाग्य महाराष्ट्र का पीछा नहीं छोड़ रहा है। शुक्रवार को महाराष्ट्र के एक कोरोना अस्पताल में आइसीयू का एसी फटने से 13 मरीजों को जान से हाथ धोना पड़ा। इसी सप्ताह बुधवार को नासिक के एक कोरोना अस्पताल में आक्सीजन की आपूर्ति बाधित होने से 24 मरीजों की जान जा चुकी है। शुक्रवार तड़के करीब तीन बजे मुंबई से सटे विरार के विजय वल्लभ अस्पताल में यह हादसा हुआ। आइसीयू की एसी यूनिट में धमाके के बाद आग लग गई। आग ने पलक झपकते ही पूरे आइसीयू को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के समय आइसीयू में 17 मरीज भर्ती थे। दरवाजे के पास के बिस्तरों पर लेटे सिर्फ चार मरीजों को किसी तरह बाहर निकाला जा सका।

बाकी 13 मरीजों की जलने से मौत हो गई। पुलिस उपायुक्त किशोर गवास का कहना है कि आग लगने के पांच मिनट के अंदर ही वसई-विरार महानगरपालिका के दमकल विभाग की गाड़ियों ने अस्पताल पहुंचकर आग बुझाना शुरू कर दिया था। दूसरी मंजिल पर स्थित आइसीयू की आग पर 45 मिनट में ही काबू भी पा लिया गया। इसके बावजूद 13 लोगों की जान नहीं बचाई जा सकी। एसी में धमाका होते ही अस्पताल में भगदड़ मच गई। अन्य वार्डो में भर्ती चलने-फिरने में सक्षम मरीज अस्पताल छोड़कर भागने लगे। हादसे में मारे गए मरीजों के परिजन अस्पताल के बाहर हंगामा करते देखे गए। घटनास्थल का दौरा करने गए राज्य सरकार के वरिष्ठ मंत्री एकनाथ शिंदे के सामने भी लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया।

दूसरी तरफ, महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने कहा कि अस्पताल में आग लगने की घटना कोई राष्ट्रीय खबर नहीं है। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने एक बयान में कहा कि आग के कारणों की ठीक से जांच की जानी चाहिए। प्रशासन को इस बात की जांच के निर्देश दे दिए गए हैं कि अस्पताल में आगजनी से निपटने के उचित इंतजाम थे या नहीं। मीरा-भायंदर-वसई-विरार के पुलिस आयुक्त सदानंद दाते ने भी कहा है कि उन्होंने क्राइम ब्रांच को हादसे की जांच के आदेश दे दिए हैं।

जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी। राज्य सरकार की नाकामियों पर उसे लगातार घेरते आ रहे नेता प्रतिपक्ष देवेंद्र फड़नवीस ने कहा कि यह एक और स्तब्ध करनेवाली घटना है। अस्पताल में आगजनी की घटना से दुखी हूं। अस्पताल के एक कर्मचारी ने कहा है कि गुरुवार दोपहर बाद से एसी काम नहीं कर रहा था और इसकी मरम्मत की जा रही थी।

पटना में पीपा पुल की रेलिंग तोड़ गंगा में गिरी गाड़ी, 11 लोग डूबे

पटना ■ एजेंसी

अब तक 9 शव बरामद

बिहार की राजधानी पटना से बड़ी खबर है। पुरानी पानापुर घाट पर शुक्रवार सुबह पीपापुल का रेलिंग तोड़ते हुए एक पिक वैन गंगा नदी में गिर गई। हादसे में 11 लोगों की मौत होने की बात सामने आ रही है। अब तक 9 शवों को बरामद किया जा चुका है। पिक वैन पर सवार एक ही परिवार के सभी लोग अकिलपुर से दानापुर चित्रकूटनगर आ रहे थे। बताया जाता है कि अकिलपुर निवासी राकेश कुमार का 21 अप्रैल को तिलक समारोह था। तिलक खत्म होने के बाद सभी अपने दानापुर स्थित घर आ रहे थे। इसी बीच यह दर्दनाक हादसा हो गया। इधर वैन के नदी में गिरने की खबर मिलते ही मौके पर पुलिस व गोताखोरों को बुला लिया गया।

तस्करों से छुड़ाई गई अनमोल कलाकृतियों की अफगानिस्तान वापसी

वाशिंगटन। अफगानिस्तान के अतीत के अनमोल अवशेष घर लौट रहे हैं। हालांकि यह देश अपने भविष्य के बारे में अनिश्चितताओं का सामना कर रहा है। न्यूयार्क स्थित एक आर्ट डीलर से 33 कलाकृतियों का संग्रह बरामद किया गया था। अधिकारियों का कहना है कि वह आर्ट डीलर प्राचीन वस्तुओं के दुनिया के सबसे बड़े तस्करों में से एक है।विभिन्न देशों से ऐतिहासिक वस्तुओं की तस्करी की जांच के तहत ये पुरावशेष अधिकारियों के हाथ लगे। सोमवार को मैनहट्टन डिस्ट्रिक्ट अटार्नी के कार्यालय और होमलैंड सिक्योरिटी इन्वेस्टिगेशंस ने न्यूयार्क में इन ऐतिहासिक धरोहरों को रहमानी को सौंप दिया। इनमें से कुछ अवशेष दूसरी और तीसरी शताब्दी के हैं। वाशिंगटन में संक्षिप्त प्रदर्शनी के बाद अब इन्हें काबुल भेजा जा रहा है।अमेरिका द्वारा इस सप्ताह अफगानिस्तान सरकार को सभी कलाकृतियां सौंप दी गई। अमेरिका में अफगानिस्तान की राजदूत रोया रहमानी ने कहा कि इन ऐतिहासिक अवशेषों का महत्व बहुत ज्यादा है। इनमें से हर एक टुकड़े हमारे इतिहास के अनमोल चित्रण हैं।

सिखों के खिलाफ अपराध रोकने को कांग्रेस नेता का बाइडन को पत्र

वाशिंगटन। अमेरिका में सिखों के खिलाफ घृणा अपराध बढ़ने पर कांग्रेस के नेता मनीष तिवारी ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन को पत्र लिखकर चिंता जताई है। उन्होंने कहा है कि हाल ही में इंडियानापोलिस की घटना की भारत में रहने वाले सिखों और प्रवासियों दोनों में गूंज सुनाई दे रही है। इस घटना में चार सिखों सहित आठ लोगों की हत्या कर दी गई थी। कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने कहा है, वह भारतीय संसद में श्री आनंदपुर साहिब क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह क्षेत्र पंजाब में है और यह सिखों का प्राकृतिक और आध्यात्मिक दोनों ही तरह से घर है। यहां के लाखों सिख विश्व के तमाम देशों में रहते हैं। भारत के सिखों और अमेरिका के प्रवासियों पर गहरा प्रभाव पड़ने के साथ ही इस घटना से व्यक्तिगत रूप से मुझे भी आघात पहुंचा है। कांग्रेस नेता ने पत्र में अगस्त 2012 की घटना का भी जिक्र किया है, जिसमें विस्कांसिन राज्य में ओक क्रीक गुरुद्वारे में सात लोगों की हत्या कर दी गई थी। सांसद मनीष तिवारी ने राष्ट्रपति जो बाइडन से आग्रह किया है कि वे अपने सभी गवर्नर और मेयर को सिखों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने की सलाह दें।

पाक-ईरान सीमा बंद होने से फंसे चार लोगों की मौत

माकरान। ईरान-पाकिस्तान सीमा बंद होने के कारण बलूचिस्तान के माकरान में चार लोगों की मौत हो गई। सीमा पर इन लोगों की मौत भूख के कारण हो गई। पाकिस्तान के प्राधिकरणों ने एक माह पहले ग्वादर, तुर्बत और पांजगुर पर ईरान के साथ की सीमा को बंद कर दिया। ईरान से पाकिस्तान आने वाले ईरानी पेट्रोल और डीजल के साथ सैंकड़ों पिकअप और अन्य वाहनों को सीमा पर ही रोक दिया गया। इन वाहनों के ड्राइवरों के पास खाने और पानी के लिए कोई स्रोत नहीं है। इनमें से चार ड्राइवरों की मौत हो गई क्योंकि न इनके पास खाना था और न पानी। इसमें से एक मृतक के परिजन फजल अहमद ने बताया कि वाहनों के साथ सीमा पर रोके गए ड्राइवरों के पास भोजन पानी का उचित प्रबंध नहीं है। उन्होंने सरकार से इसपर तुरंत कार्रवाई का आग्रह किया है ताकि सैंकड़ों लोगों की जान बच सके। डॉन के अनुसार, सीमा पर वाहनों की आवाजाही को भी रोक दिया गया। पाक-ईरान सीमा पर व्यापार पर रोक लगाए जाने के खिलाफ सैंकड़ों लोगों ने ग्वादर में विरोध प्रदर्शन किया और रैली निकाली। नारे लगाते हुए लोगों की भीड़ ग्वादर की विभिन्न सड़कों पर दिखी। रैली में शामिल प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए स्पीकरों ने सीमा को बंद किए जाने का विरोध किया और कहा कि यदि उनकी मांगों को 23 अप्रैल तक पूरा नहीं किया गया तो वे माकरान में नेशनल हाइवे को बंद कर देंगे । बॉर्डर ट्रेड यूनियन के अध्यक्ष मोहम्मद असलम ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि माकरान में रहने वाले अधिकांश लोगों की जीविका ईरान के साथ व्यापार पर ही निर्भर है।

यमन के हूती विद्रोहियों ने हाल ही में सऊदी एयरबेस हमले की ली जिम्मेदारी

साना। यमन के हूती विद्रोहियों ने हाल ही में सऊदी एयरबेस पर हुए ड्रोन हमले की जिम्मेदारी ली है। संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी लेते हुए कहा कि उनकी तरफ से सऊदी अरब के दक्षिण-पश्चिमी शहर खामिस मुशायरे में किंग खालिद के एयरबेस को निशाना बनाया था। हूती मिलिट्री के प्रवक्ता येया सरिया ने जारी किए बयान में कहा कि हमला सटीक था। लेकिन, इस बीच सऊदी के स्वामित्व वाली अल अरबिया टीवी ने बताया कि सेना ने एक ड्रोन हमले को बाधित किया, जो हूती विद्रोहियों द्वारा यमन से किया गया था। बता दें कि साल 2014 से यमन में गृह युद्ध के हालात चल रहे हैं। इस युद्ध में 2015 से सऊदी अरब भी शामिल हो गया है, जो वहां की सरकार को समर्थन दे रहा है। इसलिए सऊदी अरब के सीमावर्ती क्षेत्र भी हाउती विद्रोहियों के निशाने पर हैं।

6 देशों में वैक्सीन ने रोकी कोरोना की रफ्तार

● **यूके में रोज 60-70 हजार मरीज मिलते थे, अब केवल 2 हजार मिल रहे; इजराइल में मास्क की अनिवार्यता भी खत्म**

अमेरिका में 80 फीसदी केस घटे

न्यूयार्क। भारत इन दिनों कोरोना की दूसरी लहर से जूझ रहा है। पूरे देश में हाहाकार की स्थिति है। कुछ समय पहले यही हालात दुनिया के बाकी विकसित देशों में भी थे। मसलन ब्रिटेन, स्पेन, अमेरिका, इजराइल, इटली जैसे देशों में भी कोरोना की रफ्तार कुछ इतनी ही तेज थी, जितनी आज भारत में है। इन देशों में भी मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर कम पड़ गया था। बेड, ऑक्सीजन, वेंटिलेटर, पीपीई किट का संकट आ गया था, लेकिन अब इन देशों के हालात बिल्कुल बदल गए हैं। इसका एकमात्र कारण है वैक्सीनेशन। दुनियाभर के एक्सपर्ट्स का भी यही मानना है कि ज्यादा से ज्यादा वैक्सीनेशन ही कोरोना को रोक सकता है। वैक्सीनेशन का पॉजिटिव रिजल्ट हमें दुनिया के 6 देशों में देखने को मिला। हम आपको ऐसे ही देशों के हालात से रूबरू कराएंगे।

यूके की 49फीसदी आबादी को वैक्सीन लगी; 97फीसदी घट गए केस

वैक्सीनेशन के पॉजिटिव रिजल्ट का सबसे बड़ा उदाहरण च यानी ब्रिटेन है। यहां पिछले साल 8 दिसंबर से वैक्सीनेशन ड्राइव शुरू हो गया था। तब पूरे देश में हर दिन 60 से 70 हजार नए कोरोना संक्रमित मिलते थे। अस्पतालों में बेड कम पड़ गए थे। हर दिन 1000-1200 मौतें हो रही थीं, लेकिन जैसे-जैसे वैक्सीनेशन तेज हुई हालात बदलने लगे। फरवरी के बाद से लगातार यहां संक्रमितों की संख्या घट रही है। अब यहां हर दिन केवल एक से दो हजार लोग ही संक्रमित हो रहे हैं, जबकि 15 से 20 मौतें हो रही हैं। पूरे देश में लगभग सभी प्रतिबंध हटा दिए गए हैं। स्कूल-कॉलेज पहले की तरह खुल गए हैं।

इजराइल में सबसे ज्यादा 61फीसदी आबादी को वैक्सीन दी गई

इजराइल में अब मास्क पहनने की अनिवार्यता खत्म कर दी गई है। मतलब लोग बगैर

मास्क के घूमने लगे हैं। स्कूल-कॉलेज, कारोबार फिर से खुल चुका है। बाजार खुल रहे हैं, टूरिस्ट आने लगे हैं। मतलब इजराइल ने कोरोना को लगभग मात दे दी है। ये सब संभव हो पाया है, क्योंकि यहां अब तक 61फीसदी आबादी को वैक्सीन लगाई जा चुकी है। आने वाले दो से तीन महीने के अंदर इसे 90फीसदी के पार करने का लक्ष्य है। यहां पहले 10 से 11 हजार लोग संक्रमित मिलते थे अब बमुश्किल 100 लोग संक्रमित पाए जा रहे हैं, जबकि हर दिन एक या दो मौत हो रही है।

अमेरिका में भारत जैसे हालात थे, वैक्सीनेशन ने 80फीसदी केस कम किए

भारत में अभी जो हालात हैं, कुछ वैसे ही सितंबर से लेकर जनवरी तक अमेरिका में थे। हर दिन 1 से 3.07 लाख के बीच कोरोना संक्रमित मिल रहे थे। इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति का चुनाव भी हुआ। जैसे भारत में नेताओं की रैलियों में भीड़ उमड़ती थी, वैसी ही बेकाबू भीड़ वहां भी रहती थी। ज्यादातर लोग मास्क नहीं पहनते थे। हर दिन 2 से 6 हजार के बीच लोगों की मौतें हो रही थीं, लेकिन पूरे देश ने हार नहीं मानी। वैक्सीनेशन तेजी से हुआ। अब हालात ये है कि यहां की 39.56फीसदी आबादी को वैक्सीन लगाई जा चुकी है। इसके चलते संक्रमण की रफ्तार में 80त्न की गिरावट दर्ज की गई है। पहले जहां हर दिन 1-3 लाख मरीज मिलते थे, अब 50-60 हजार मरीज मिल रहे हैं।

स्पेन, फ्रांस और जर्मनी में भी सुधर रहे हालात

वैक्सीनेशन के चलते स्पेन, फ्रांस और जर्मनी में भी हालात सुधरने लगे हैं। स्पेन में जनवरी तक 25-30 हजार मामले सामने आ रहे थे, अब यहां 8-10 हजार लोग संक्रमित मिल रहे हैं। यहां अभी 20फीसदी ही वैक्सीनेशन हुआ है। इसी तरह फ्रांस में अब तक 18.73त्न लोगों को वैक्सीन लग चुकी है। यहां, अप्रैल की शुरुआत में एक दिन के अंदर 60 हजार तक मरीज मिले हैं, अब इसमें गिरावट हो रही है। अब हर दिन 25-30 हजार केस सामने आ रहे हैं। जर्मनी में अभी 20.07फीसदी आबादी को वैक्सीन लगी है। इसका असर ये है कि यहां मौतों की रफ्तार काफी घट गई है। जनवरी तक हर दिन जहां एक से डेढ़ हजार मरीजों की मौत हो रही थी, वहीं अब 200-400 लोगों की जान जा रही है।

भारत में भी वैक्सीनेशन का दिखा पॉजिटिव इफेक्ट

अपने देश में इस वक्त दो तरह की वैक्सीन का यूज हो रहा है। पहली कोवीशील्ड और दूसरी कोवैक्सिन। इन दोनों वैक्सीन का असर भी दिखने लगा है। अब तक कोवीशील्ड को 11.6 करोड़ से ज्यादा लोग लगवा चुके हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, इनमें पहला डोज लगवाने के बाद 17,145 लोग संक्रमित पाए गए हैं, जबकि दूसरा डोज लगवाने के बाद इसकी संख्या घटकर 5014 हो गई है। इसी तरह कोवैक्सिन का पहला डोज लेने के बाद 4208 लोग पॉजिटिव पाए गए, जबकि दूसरा डोज लेने के बाद केवल 695 लोग संक्रमित हुए।

एक्सहेलेशन वॉल्व या वेंट लगे मास्क से बचें: यूएससीडीसी की गाइडलाइंस

चुस्त और आरामदायक मास्क ज्यादा सुरक्षित है

वाशिंगटन। कोरोना महामारी के दौर में मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग न्यू नॉर्मल बन चुके हैं। दुनिया भर की सरकारें इन्हें अपनाने की सलाह भी दे रही और इन्हें अनिवार्य भी किया गया है। ऐसे में यह तय करना या देखना जरूरी हो जाता है कि किस तरह का मास्क हमारे लिए सबसे ज्यादा सुरक्षा देने वाला है। अमेरिका के सीडीसी ने गाइडलाइंस जारी की है। इसके मुताबिक चेहरे, ठोड़ी और नाक को पूरी तरह ढंकने वाला, चुस्त और आरामदायक मास्क मददगार है।

कौनसा मास्क बेहतर हो सकता है?

सीडीसी के मुताबिक स्नग फिट वाला मास्क बेहतर है, ऐसा मास्क जो नाक, मुंह व ठोड़ी पर एकदम फिट बैठता हो। इसे लगाने के बाद इन तीनों अंगों को अच्छे से ढंका जाना चाहिए।

मैं इसे कैसे चेक करूं की मेरा मास्क ठीक से लगा है या नहीं?

अगर आपको लगता है कि सांस लेने या छोड़ने पर मास्क आगे-पीछे हो रहा है और गरम हवा महसूस हो रही है तो मास्क ठीक से लगा हुआ है। अगर डिस्पोजेबल या क्लॉथ मास्क का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो उसमें तार (धातु की पट्टी) जरूर देखें।

मुझे किस मास्क से बचना चाहिए?

एक्सहेलेशन वॉल्व या वेंट लगे मास्क से बचें। अगर संक्रमित व्यक्ति इन्हें इस्तेमाल करें, तो इस तरह के मास्क मरीजों से वायरस दूसरे लोगों में भी फैला सकते हैं। इसके अलावा ऐसे मटेरियल के मास्क इस्तेमाल न करें, जिनसे सांस लेने में दिक्कत हो।

क्या मास्क को एक-दूसरे से ऊपर पहन सकते हैं?

अगर मास्क को एक-दूसरे के ऊपर सही तरीके से लगाया जाता है तो यह सुरक्षा दे सकते हैं। लेकिन डिस्पोजेबल मास्क एक-दूसरे के ऊपर नहीं लगाना चाहिए।

तलाक के अनोखे मामले पर सुनवाई

बेटे ने पिता की संपत्ति से जुड़ी जानकारी छुपाई, ताकि तलाक ले रही मां करोड़ों की संपत्ति लेकर न चली जाए

लंदन। इंग्लैंड की एक फैमिली कोर्ट में अनोखा मामला सामने आया। इसमें एक बेटे ने अपने पिता की संपत्ति से जुड़ी जानकारी इसलिए छुपाई ताकि तलाक लेने वाली उसकी मां करोड़ों की दौलत न ले जाए। लेकिन कोर्ट ने महिला के पक्ष में फैसला सुनाया।

दरअसल, 2016 में इंग्लैंड और वेल्स के हाई कोर्ट में रूस के एक कारोबारी फरहाद अख्मेदोव और तातियाना के तलाक का केस आया था। सुनवाई के बाद कोर्ट ने तलाक की अर्जी मंजूर करते हुए पति फरहाद को आदेश दिया कि वह अपनी करोड़ों की संपत्ति में से तातियाना को 41.5त्न हिस्सा दे। पर तातियाना ने दावा किया कि तलाक की क्षतिपूर्ति राशि के रूप में उसे लगभग 70 मिलियन यूरो (631 करोड़ रुपए) और मिलने चाहिए। क्योंकि, उसके 65 साल के पति ने बेटे तैमूर की मदद से अपनी कुछ संपत्ति छिपाई है।

बेटे ने इसे गलत बताया और अर्जी खारिज करने की अपील की। सुनवाई के दौरान तातियाना ने कहा कि फरहाद अजरबैजान में पैदा हुए। तेल-गैस के कारोबार में पैसा कमाने के बाद रूस में सीनेटर बन गए। 2018 में अमेरिकी सरकार द्वारा जारी रूसी व्यापार और राजनीतिक लोगों की अभिजात्य सूची में उनका नाम था। यही नहीं, ऐशो-आराम के शौकीन फरहाद ने चेल्सी फुटबॉल क्लब के मालिक रोमन अब्रामोविच से 115 मीटर की यॉट एमवी लूना भी खरीदी। संपत्ति छिपाने के लिए फरहाद ने ट्रस्टों और कला संग्रह को हस्तांतरित करने की बात कही। दूसरी ओर, बेटे ने कहा कि वह अपने परिवार को फिर एकजुट करने के लिए संपत्ति जानकारी छिपा रहा था। पर जज ग्वेनेथ नोल्स ने मां के पक्ष में फैसला सुनाया।

इस परिवार में हर व्यक्ति सिर्फ धन की चिंता करने वाला है

मेरी कोर्ट में पेश होने वाला अख्मेदोव परिवार आज तक पेश हुए परिवारों में सबसे नाखुश लोगों में से एक है। इस मामले में परिवार का हर व्यक्ति सिर्फ धन की चिंता करता दिख रहा है। पति पत्नी से संपत्ति छिपा रहा है। पत्नी वह हासिल करना चाहती है, जो उसकी पहुंच से दूर है। (रूसी उपन्यास 'अन्ना कारिनाना' का हवाला देते हुए) सारे सुखी परिवार एक जैसे होते है, लेकिन हर दुखी परिवार अपने ही ढंग से दुखी होता है।

– जज ग्वेनेथ नोल्स, फैसला सुनाते हुए

अर्थ-डे पर बौद्ध भिक्षुओं ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

● **थाईलैंड में 3.30 लाख मोमबत्तियां जला कर दिया पृथ्वी बचाने का संदेश**

लोग बोले- इनके धुएं से हवा प्रदूषित हुई

बैंकॉक। थाईलैंड का 51 साल पुराना धम्मकाया मंदिर गुरुवार रात बिजली के बजाय मोमबत्तियों की रोशनी से रोशन हो उठा। मौका था- अर्थ-डे यानी पृथ्वी दिवस का। इस मौके पर बौद्ध भिक्षुओं ने 78 एकड़ में फैले मंदिर परिसर में 3.30 लाख मोमबत्तियां जलाईं और पृथ्वी को सहेजने के संदेश दिया।

इस दौरान बौद्ध भिक्षुओं ने मंदिर परिसर में दुनिया की सबसे बड़ी ज्वलंत छवि भी उकेरी। इसे गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया। दूसरी ओर एक बार में 3.30 लाख मोमबत्तियां जलाने पर बौद्ध भिक्षु पर्यावरण प्रेमियों के निशाने पर आ गए। पर्यावरण प्रेमियों ने कहा- 'मोमबत्तियां जहरीले रसायनों से बनती हैं, जिनका धुआं हवा को प्रदूषित करता है। एक साथ इतनी मोमबत्तियां जलाने से पर्यावरण प्रदूषित हुआ।

ऐसा करके बौद्ध भिक्षु क्या संदेश देना चाहते थे।' वहीं सवाल उठने पर बौद्ध भिक्षुओं ने सफाई दी और कहा- 'ये मोमबत्तियां अर्थ डे के मौके पर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने के लिए निश्चित समय के लिए जलाई गई थीं। मकसद पूरा होने पर उन्हें बुझा दिया गया था।'

दुनिया में एक दिन में कोरोना ने ली 14 हजार लोगों की जान

वाशिंगटन। दुनिया में कोरोना महामारी घातक होती जा रही है। विश्वभर में बीते 24 घंटे के दौरान रिकॉर्ड 14 हजार से ज्यादा कोरोना मरीजों की मौत हो गई। इस दौरान विश्व में नौ लाख से ज्यादा नए संक्रमित बढ़ गए हैं। इस समय भारत और ब्राजील जैसे देशों में महामारी तेज गति से बढ़ रही है। जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के डाटा के अनुसार, कोरोना से मरने वालों का वैश्विक आंकड़ा 30 लाख 55 हजार 760 हो गया। एक दिन पहले तक यह संख्या 30 लाख 41 हजार 541 थी। जबकि कोरोना पीड़ितों का वैश्विक आंकड़ा बढ़कर 14 करोड़ 35 लाख तीन हजार 705 हो गया है। एक दिन पहले यह संख्या 14 करोड़ 26 लाख 21 हजार 220 थी। विश्व में कोरोना महामारी से सबसे ज्यादा प्रभावित अमेरिका में अब तक पांच लाख 83 हजार से ज्यादा पीड़ितों की मौत हुई है। जबकि तीन करोड़ 26 लाख से अधिक संक्रमित पाए गए हैं। अमेरिका के बाद भारत और ब्राजील सबसे अधिक प्रभावित हैं।

ब्रिटेन : नए मामलों में गिरावट का दौर जारी है। 2,396 नए संक्रमित पाए गए और 22 मरीजों की मौत हो गई। गर्मी में महामारी बढ़ने की आशंका है।

पाकिस्तानः कोरोना संक्रमण बढ़ने प देश के कई शहरों में लाकडाउन लगाने पर विचार किया जा रहा है। कुल सात लाख 72 हजार केस मिले हैं।

इस बीच चीन ने कोरोना महामारी से मुकाबले में भारत की मदद करने की इच्छा जताई है। उसने कहा कि वह भारत की मदद करना चाहता है।चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने गुरुवार को कहा कि उनका देश इस बात से अवगत है कि भारत में हाल के दिनों में कोरोना महामारी गंभीर हो गई है।

ब्रिटिश साम्राज्य में शहीद भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि देने में हुआ था नस्ली भेदभाव, ब्रिटेन ने मांगी माफी

लंदन। प्रथम विश्व युद्ध में ब्रिटिश साम्राज्य के लिए शहीद होने वाले हजारों भारतीय व अन्य अश्वेत सैनिकों को श्वेत सैनिकों की तरह सम्मान नहीं दिया था। कॉमनवेल्थ वार ग्रेव कमीशन की इस संबंध में रिपोर्ट आने के बाद ब्रिटेन ने नस्ली भेदभाव के लिए माफी मांगी है। कमीशन की जांच रिपोर्ट गुरुवार को जारी की गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रथम विश्व युद्ध में लगभग 45 से 50 हजार अश्वेत सैनिक ब्रिटिश साम्राज्य के लिए शहीद हुए थे। इनमें भारतीय, अफ्रीकी, मिश्र और सोमाली के सैनिक थे। इन शहीदों को उस तरह सम्मान नहीं दिया गया, जिस तरह से श्वेत सैनिकों के शहीद होने पर दिया गया। हजारों अश्वेत सैनिकों का तो स्मरण करने में नाम ही नहीं लिया गया। इस रिपोर्ट के आने के बाद ब्रिटेन के रक्षा मंत्री बेन वालेस ने सरकार की तरफ से प्रतिनिधि सभा में माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि निश्चित ही कुछ स्थानों पर भेदभाव किया गया। अब हम सरकार और कॉमनवेल्थ वार ग्रेव कमीशन की ओर से माफी मांगना चाहते हैं कि हम उस समय मूलभूत सिद्धांतों पर खरे नहीं उतर पाए।

नासा ने 5 ग्राम ऑक्सीजन बना रचा इतिहास

मंगल के वायुमंडल से बनाई सांस लेने योग्य ऑक्सीजन

एक अंतरिक्ष यात्री 10 मिनट सांस ले सकता है

वाशिंगटन। नासा के परसिवरेंस रोवर ने 63 दिन बाद अपने प्रमुख उद्देश्यों में से एक में सफलता हासिल कर ली है। रोवर ने मॉक्सी नाम के उपकरण से मंगल के वायुमंडल से कार्बन डाइऑक्साइड लेकर शुद्ध सांस लेने योग्य 5 ग्राम ऑक्सीजन का निर्माण किया है। यह ऑक्सीजन एक अंतरिक्ष यात्री के 10 मिनट के सांस लेने के बराबर है। नासा के मुताबिक, दुनिया में यह पहली बार हुआ है, जब धरती के बाद किसी और ग्रह पर सांस लेने योग्य ऑक्सीजन बनाई गई है।

इसे लेकर नासा ने बुधवार को कहा कि

प्रारंभिक उत्पादन मामूली था। लेकिन यह प्रयोग दिखाता है कि प्राकृतिक संसाधनों के इस्तेमाल से दूसरे ग्रह के वातावरण का इस्तेमाल मनुष्यों द्वारा सीधे सांस लेने के लिए किया जा सकता है। नासा के अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी मिशन निदेशालय की निदेशक ट्रूडी कोर्ट्स ने बताया कि नासा का उद्देश्य 2033 तक मंगल पर मानव पहुंचाने का है। वह इससे संबंधित आने वाली तमाम चुनौतियों से निपटने के लिए तैयारी कर रहा है। इसमें से एक चुनौती मंगल पर ऑक्सीजन का निर्माण करना होगा, क्योंकि वहां इतनी ज्यादा तादात में ऑक्सीजन ले जाना संभव नहीं होगा। ऐसे में जरूरी है कि मंगल पर ही ऑक्सीजन बनाई जाए।

कैसे बनाई ऑक्सीजन और क्यों हो रहा प्रयोग?:मॉक्सी नासा का मार्स ऑक्सीजन इन सीटू रिसोर्स यूटिलाइजेशन नाम का उपकरण है। इसका उद्देश्य मंगल ग्रह पर वहां की कार्बन डाइऑक्साइड का उपयोग कर ऑक्सीजन निर्माण करना है। यह उपकरण इलेक्ट्रोलायसिस पद्धति का उपयोग कर असीम उष्मा का उपयोग कर कार्बन डाइऑक्साइड से कार्बन और ऑक्सीजन को अलग करता है। मंगल पर इस गैस की कमी नहीं है, क्योंकि वहां 95फीसदी वायुमंडल इसी से बना है।

संकट के बीच भारत को फ्रांस का मिला समर्थन, राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन बोले,- सहयोग करने के लिए हैं तैयार

पेरिस। भारत में इस वक्त कोरोना वायरस की दूसरी लहर के चलते एक दिन में तीन लाख से भी ज्यादा मामले दर्ज किए जा रहे हैं। बढ़ रहे संक्रमण को देखते भारत सरकार के अलावा अन्य देशों की सरकारें भी चिंतित है। भारत में कोरोना की बेकाबू रफ्तार और यहां के अधिकतर अस्पतालों में फुल हो चुके कोरोना मरीजों के बेड के हालात को देखते हुए एक तरफ जहां ब्रिटेन ने भारत को 'रेड लिस्ट' में डाल दिया है तो वहीं दूसरी तरफ फ्रांस ने भी बीते दिन सख्ती दिखाते हुए भारत से उनके देश जा रहे लोगों को 10 दिनों का क्वारंटाइन करने के आदेश दिए थे। इसके बाद अब ताजा खबर यह है कि फ्रांस के राष्ट्रपति ने कोरोना से लड़ने के लिए भारत का साथ देने का एलान किया है।

इमैनुएल मैक्रॉन बोले- सहयोग करने के लिए तैयार

राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉनने कहा, मैं भारत के लोगों को संदेश देना चाहता हूं कि मुश्किल की इस घड़ी में फ्रांस आपके साथ खड़ा है। हम आपका सहयोग करने के लिए तैयार है। बता दें कि फ्रांस भी कोरोना वायरस से अछूता नहीं है। हालांकि, भारत

जैसे हालात अभी फ्रांस में उत्पन्न नहीं हुए है।

बता दें कि भारत में कोरोना महामारी अपना विकराल रूप धारण करती जा रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, भारत में बीते 24 घंटों में संक्रमण के 3,32,730 नए मामले दर्ज किए गए और 2,263 नई मौत दर्ज की गई। इसके बाद देश में अब तक कुल संक्रमितों का आंकड़ा 1,62,63,695 हो गया और मृतकों की संख्या 1,86,920 हो गई है।

संक्षिप्त खबर

अपने नाना को लेकर यूपी के अस्पताल में खड़ी रहीं स्वाति मालीवाल, नहीं किया भर्ती; कुछ देर में तोड़ दिया दम

नई दिल्ली/नोएडा । दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल के नाना की कोरोना से मौत होने का मामला सामने आया है। स्वाति मालीवाल करीब आधा घंटे तक नाना को एम्बुलेंस में लेकर ग्रेटर नोएडा स्थित शारदा अस्पताल में खड़ी रहीं, लेकिन उन्हें किसी ने भर्ती नहीं किया। उपचार के अभाव में उनकी मौत हो गई। इस संबंध में उन्होंने ट्वीट कर जानकारी दी है तथा खराब हेल्थ सिस्टम पर सवाल खड़े करते हुए स्थिति को दयनीय बताया है। वहीं, दिल्ली से सटे गौतमबुद्धनगर जिले में कैलाश ग्रुप के चार अस्पताल हैं, सभी अस्पतालों में आक्सीजन का संकट मंडरा रहा है। ऐसे में संक्रमितों की जिंदगी बचाना मुश्किल हो गया है। अस्पताल में 450 संक्रमित भर्ती हैं व आक्सीजन की सप्लाई 36 घंटे बाद होगी। घंटे भर में एक संक्रमित कई सिलेंडर खत्म कर रहा है। कई अस्पतालों में कुछ ही घंटों के लिए ऑक्सीजन बची है। ऐसे में नए संक्रमितों को भर्ती करने पर रोक लगा दी है, ताकि जो उपचाराधीन हैं उन्हीं की जिंदगी बचाई जा सके। यह कहना है कि कैलाश अस्पताल की ग्रुप मेडिकल डायरेक्टर डॉ. रितु बोहरा का। हालांकि, उनका यह बयान बृहस्पतिवार का है। उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर फेफड़ों पर अटैक कर रही है, संक्रमण के कुछ ही घंटों बाद ही संक्रमितों की सांस फूल रही है। पूरे देश में ऑक्सीजन की कमी है। ऑक्सीजन प्लांट से समय पर ऑक्सीजन नहीं मिल रही, उनके पास खाली सिलेंडर भी नहीं है। अस्पताल से डी-टाइप (सात हजार लीटर गैस) और बी-टाइप (150 लीटर गैस) सिलेंडरों को खाली होने के बाद भेजा रहा है। प्लांट में 20 सिलेंडर भरने में करीब एक घंटे का समय लगता है। ऑक्सीजन के अभाव में संक्रमितों की सांस उखड़ रही है और हालात बद से बदतर हो गए हैं। इसलिए प्रबंधन ने नए संक्रमितों को भर्ती करने पर फिलहाल रोक लगा दी है। ऑक्सीजन की आपूर्ति ठीक न होने तक संक्रमितों को भर्ती नहीं किया जाएगा। सेक्टर-39 के कोविड अस्पताल में भी ऑक्सीजन की भारी कमी है।

सिर्फ इस एक कार्ड से दिल्ली के 61 प्राइवेट अस्पतालों में फ्री इलाज करा सकते हैं मजदूर परिवार

नई दिल्ली । देश में कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच कोविड मरीजों के लिए आईसीयू बेड सहित कॉमन बेड के लिए भी मारामारी मची हुई है. जहां सरकारी अस्पताल मरीजों से भरे पड़े हैं वहीं प्राइवेट अस्पतालों का भारी-भरकम खर्च उठाने के लिए या तो लोगों के पास पैसे नहीं हैं या फिर जरूरी कागज नहीं हैं, जिससे इलाज मिल सके. ऐसे में गरीब आदमी के पास अस्पतालों के चक्कर काटने के अलावा कोई उपाय नहीं बच रहा है. हालांकि दिल्ली ही नहीं देशभर के करीब पांच करोड़ लोगों में जानकारी का अभाव ही है कि उन्हें पता ही नहीं है कि दिल्ली के प्राइवेट अस्पतालों में उन्हें इलाज के लिए पैसा नहीं देना, उनका इलाज फ्री होगा. इसके लिए न तो उन्हें इनकम सर्टिफिकेट बनवाने की जरूरत है और न ही बीपीएल राशन कार्ड का होना जरूरी है.

दिल्ली हाईकोर्ट फ्री बेड इन्स्पेक्शन कमेटी के सदस्य और एडवोकेट अशोक अग्रवाल बताते हैं कि देश के पांच करोड़ रजिस्टर्ड मजदूरों के के अलावा दिल्ली में पंजीकृत करीब एक लाख 72 हजार मजदूरों के परिवारों को सिर्फ लेबर कार्ड से फ्री इलाज मिल सकता है हालांकि लोगों के पास इसकी जानकारी नहीं है. एडवोकेट अग्रवाल कहते हैं कि साल 2011 में दिल्ली सरकार की ओर से गाइडलाइंस जारी की गई थीं. इनमें दर्ज था कि रजिस्टर्ड मजदूर इनकम सर्टिफिकेट या राशन कार्ड के अलावा अपने लेबर कार्ड से भी दिल्ली के 61 प्राइवेट अस्पतालों में फ्री इलाज ले सकते हैं. हाल ही में जिस तरह कोरोना को लेकर इलाज की मारामारी है तो मजदूर इसका फायदा ले सकते हैं. वे बताते हैं कि खुद मजदूरों का भी इस बात की जानकारी नहीं होती है. जबकि चिह्नित अस्पतालों में इनके लिए बेड आरक्षित होते हैं. इन अस्पतालों में मजदूरों के साथ ही इनके परिवार के सदस्यों को बिना किसी शुल्क के इलाज मिल सकता है.

पेंटामेड अस्पताल में ऑक्सीजन खत्म होने को, परिजनों से खुद इंतजाम करने को कहा गया

नई दिल्ली । राजधानी दिल्ली को कोरोना की दूसरी लहर ने बुरी तरह अपने चपेट में ले रखा है. यहां एक के बाद एक अस्पताल में ऑक्सीजन का संकट खड़ा हो रहा है. दिल्ली के पेंटामेड अस्पताल में भी ऑक्सीजन खत्म होने की कगार पर है. अस्पताल ने बताया है कि यहां 50 से ज्यादा मरीज ऑक्सीजन सपोर्ट पर हैं. हालत ऐसी है कि अस्पताल ने मरीजों के परिजनों को ऑक्सीजन का इंतजाम करने को कह दिया है. मरीजों के परिजन अस्पताल के बाहर रो रहे हैं. अस्पताल के बाहर एक मरीज की परिजन गरिमा जैन ने बताया कि उनके माता-पिता दोनों अस्पताल में वेंटिलेटर पर हैं और उन्हें अस्पताल की ओर से खुद ऑक्सीजन अरेंज करने को बोल दिया गया है, लेकिन वो कहीं से भी ऑक्सीजन अरेंज नहीं करवा पा रही हैं. बता दें कि इससे पहले आज यानी शुक्रवार को ही दिल्ली के मैक्स हॉस्पिटल और गंगाराम अस्पताल ने ऑक्सीजन को लेकर इमरजेंसी संदेश जारी किया था. इन दोनों अस्पतालों में कुछ घंटों की ही ऑक्सीजन बची थी. मैक्स को कुछ घंटों बाद ऑक्सीजन की सप्लाई पहुंचाई गई, जिससे शाम तक का काम चल सकता है. वहीं गंगाराम अस्पताल ने कहा है कि वो भी ऑक्सीजन की कमी से जूझ रहा है. रोज 5 टन ऑक्सीजन की जरूरत होती है, लेकिन उसे बस 1.5 टन मिल पा रहा है. अस्पताल में एक दिन में 25 सबसे ज्यादा गंभीर मरीजों की मौत हो गई है. हालांकि, अस्पताल ने सभी मौतों का संबंध ऑक्सीजन की कमी से होने से इनकार किया है क्योंकि कई की हालत गंभीर थई और कई को भी एडमिट तक नहीं किया जा सका था. आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक उच्च-स्तरीय मीटिंग हुई है, जिसमें दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार से अपील की कि दिल्ली के लिए आ रहे ऑक्सीजन टैंकरों को कई राज्यों में रोक दिया जा रहा है. उन्होंने पीएम से अपील की कि वो ऐसे मौके पर कॉल करके दिल्ली की मदद करें. केजरीवाल ने बताया कि 480 टन करने के लिए धन्यवाद लेकिन 350 टन ऑक्सीजन ही दिल्ली पहुंच पाई है. ऑक्सीजन की कमी के लिए अस्पताल से फोन बजते रहते हैं. कई मंत्रियों ने मदद की लेकिन अब वो भी थक गए हैं. क्या दिल्ली को ऑक्सीजन नही मिलेगी अन्य राज्य ऑक्सीजन रोक रहे हैं. केजरीवाल ने कहा कि अपील है कि कठोर कदम उठाएं वरना दिल्ली में त्रासदी हो जाएगी. जहां सबसे ज्यादा ट्रक रोके जा रहे हैं वहां के [illegible] एक कॉल कर दीजिए. सर आप हमारी मदद कीजिए ताकि ऑक्सीजन मिल जाए.

दिल्ली में बदला मौसम का मिजाज, कई इलाकों में तेज बारिश के साथ गिरे ओले

नई दिल्ली । देश की राजधानी दिल्ली में अचानक से मौसम का मिजाज बदला गया है. दिल्ली के साथ ही आसपास के इलाकों में तेज बारिश के साथ ओले गिरे हैं. बारिश के कारण तापमान में गिरावट आने की संभावना है. इससे लोगों को कुछ वक्त के लिए गर्मी से राहत मिल सकती है. हरियाणा, राजस्थान और हिमाचल में पिछले कुछ दिनों से मौसम बदला हुआ है. इसका असर दिल्ली-एनसीआर के इलाकों पर भी पड़ा है. बता दें कि मौसम विभाग ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में शुक्रवार को दिन भर आंशिक रूप से बादल छाए रहने के अनुमान पहले ही लगाए थे. साथ ही हल्की बारिश भी होने की संभावना भी जताई थी. इससे तापमान में कुछ कमी आने और गर्मी से राहत रहने की उम्मीद है. मौसम विभाग के अनुसार दिल्ली में 23 अप्रैल को न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस, जबकि अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस रहने का पूर्वानुमान लगाया गया था.

यहां भी बारिश होने की संभावना- बता दें कि मौसम विभाग के अनुसार पंजाब-हरियाणा और उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में शुक्रवार को हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है. मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों में रोहतक, झज्जर, सोनीपत, गुरुग्राम, शामली, खतौली, मुजफ्फरनगर, देवबंद, बागपत, सहारनपुर, बहादुरगढ़ समेत कई जगहों पर हल्की बारिश होने की संभावना जताई है. इसके अलावा बिहार के अधिकतर हिस्सों में मौसम का मिजाज बदला है. पटना समेत राज्य के अधिकतर इलाकों में आंधी-बारिश से अधिकतम तापमान में तेजी से गिरावट आई है. बता दें कि हिमाचल प्रदेश में अप्रैल के महीने में कई बार बर्फबारी हो चुकी है. प्रदेश में ताजा बर्फबारी और बारिश से तापमान में गिरावट आई है. पश्चिमी विक्षोभ यानी वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के एक्टिव होने से हिमाचल में फिर से शीत लहर लौट आई है. हिमाचल के केलांग, कल्पा, कोठी में ताजा बर्फबारी हुई है.

दिल्ली में ऑक्सीजन की बहुत ज्यादा कमी, बढ़ते मरीजों से मांग भी निरंतर बढ़ रही

(आनंद राय)

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली समेत पूरे देश में कोरोना काल में ऑक्सीजन की कमी को लेकर हाहाकार की स्थिति मची हुई है. इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अत्यधिक कोरोना वाले राज्यों के मुख्यमंत्रियों और अन्य स्टेकहोल्डर के साथ महत्वपूर्ण बैठक की है. इस मीटिंग में भी ऑक्सीजन की कमी का मुद्दा उठा. दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री के साथ बैठक में पूछा कि अगर दिल्ली के लिए आ रहे ऑक्सीजन टैंकर कोई रोक ले तो मुझे केंद्र सरकार में किनसे बात करनी चाहिए बता दें कि दिल्ली आ रहे ऑक्सीजन टैंकर को हरियाणा और उत्तर प्रदेश में रोके जाने की बात सामने आई है. इसके अलावा दिल्ली के मुख्यमंत्री ने तीन मांगें भी रखीं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बैठक में मुख्यमंत्री केजरीवाल के रवैये को लेकर भाजपा ने उनकी कड़ी आलोचना करते हुए उन्हें त्रासदी बताया है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संग बैठक में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को कहा कि दिल्ली में ऑक्सीजन की बहुत ज्यादा कमी है. साथ ही सवाल भी उठाया कि यदि ऑक्सीजन प्लांट न हो तो क्या दिल्ली के लोगों को ऑक्सीजन नहीं मिलेगी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ वर्चुअल बैठक में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के रवैये पर भाजपा ने हमला बोला है. अमित मालवीय ने ट्वीट किया, अरविंद केजरीवाल एक त्रासदी हैं. प्रधानमंत्री के साथ बैठक में वह बिना किसी तैयारी के पहुंच गए. राजधानी दिल्ली में ऑक्सीजन की कमी को दूर करने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में उन्हें कोई जानकारी ही नहीं है. कोरोना टीके की कीमतों को लेकर भी वह अनभिज्ञ हैं. वह दिल्ली को कैसे बचाएंगे दिल्ली के मुख्यमंत्री के तौर पर वह कलंक हैं.

ऑक्सीजन एक्सप्रेस चलाने की मांग- पीएम के साथ बैठक में सीएम केजरीवाल ने ऑक्सीजन एक्सप्रेस चलाने की मांग की है. समाचार एजेंसी एएनआई ने सरकारी सूत्र का हवाला देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस बाबत इंडियन रेलवे से कभी बात ही नहीं की है. बता दें कि कई राज्यों में ट्रेनों के जरिये ऑक्सीजन पहुंचाया जा रहा है.

देश में वैक्सीन के दो रेट कैसे

अरविंद केजरीवाल ने पीएम मोदी के साथ बैठक में कहा, वैक्सीन का वन नेशन, वन रेट होना चाहिए. एक ही देश में वैक्सीन के दो रेट कैसे हो सकते हैं केंद्र सरकार और राज्य सरकार को एक ही रेट पर वैक्सीन मिले. हर जान हमारे लिए कीमती है. हमें यह एहसास हर भारतीय को कराना होगा. सबको दवाई, वैक्सीन और ऑक्सीजन बिना किसी विवाद और रुकावट के मिलना चाहिए. कोरोना के खिलाफ एक नेशनल प्लान हो तो हम सब मिलकर काम करेंगे. ऑक्सीजन एक्सप्रेस चलाने की मांग पर प्रधानमंत्री ने केजरीवाल को बीच में रोकते हुए कहा कि ऑक्सीजन एक्सप्रेस ऑलरेडी चल रही है.

ऑक्सीजन प्लांट को आर्मी के हवाले करें- केजरीवाल ने कहा, एक नेशनल प्लान बनना चाहिए. इसके तहत देश के सभी ऑक्सीजन प्लांट को आर्मी के जरिए सरकार टेकओवर करे. हर ट्रक के साथ आर्मी का एस्कॉर्ट व्हीकल रहेगा तो कोई उसे नहीं रोक पाएगा. 100 टन ऑक्सीजन ओडिशा, बंगाल से आनी है. हम इसे हवाई मार्ग से लाने की कोशिश कर रहे हैं.

दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी हुए कोरोना पॉजिटिव, ट्वीट कर दी जानकारी

नई दिल्ली । दिल्ली-एनसीआर समेत देशभर में कोरोना वायरस संक्रमण तेजी से लोगों को अपनी चपेट में ले रहा है। इस बीच एक बड़ी खबर दिल्ली से आ रही है। उत्तर पूर्वी दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी भी कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए हैं। बताया जा रहा है कि पूर्व दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मनोज तिवारी को पिछले दो-तीन दिन से हल्का बुखार आ रहा था। लक्षण महसूस होने पर उन्होंने कोरोना वायरस संक्रमण की जांच कराई। उसमें वह संक्रमित पाए गए। इसके बाद उन्होंने डॉक्टर की सलाह पर खुद को घर में आइसोलेट कर लिया है। उधर, मनोज तिवारी ने रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर एक ट्वीट किया है, जिसमें उन्होंने पिछले तीन दिन में संपर्क में आने वाले लोगों से जांच कराने का आग्रह किया है। इस ट्वीट पर प्रतिक्रिया देते हुए लोगों ने उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। मनोज तिवारी ने ट्वीट किया है- मैंने पिछले 2-3 दिन से हल्का बुखार महसूस किया तो आज टेस्ट कराया। मेरी कोविड-19 की रिपोर्ट पॉजिटिव आयी है। पिछले 2-3 दिनों में जो भी हमसे सम्पर्क में आये हैं वो अपना टेस्ट करा लें..मैं डॉक्टर के सम्पर्क में रहते हुये घर में आइसोलेट हूं। उधर, कोरोना वायरस संक्रमण से पीड़ित आम आदमी पार्टी के नेता और ग्रेटर कैलाश से विधायक सौरभ भारद्वाज ने केंद्र सरकार और हरियाणा सरकार से अपील की है कि वे दिल्ली को ऑक्सीजन दे दें। एक अस्पताल में इलाज करा रहे ऑक्सीजन मास्क लगाए बेड पर लेटे धीमी आवाज में बोलने का उनका एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह कह रहे हैं कि ऑक्सीजन ना मिलने से दिल्ली में लोग मर रहे हैं। जहां वह भर्ती हैं वहां भी तीन घंटे की आक्सीजन बची है। इस वीडियो को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी रीट्वीट किया है। बता दें कि बृहस्पतिवार को दिल्ली के पूर्व दिग्गज कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री डॉक्टर अशोक कुमार वालिया की कोरोना वायरस संक्रमण की चपेट में आने से मौत हो गई। इसके अलावा, सीपीएम नेता सीताराम येचुरी के बड़े बेटे आशीष येचुरी ने गुरुग्राम के निजी अस्पताल में कोरोना संक्रमण होने के चलते दम तोड़ दिया।

दिल्ली रोजी-रोटी अधिकार अभियान की याचिका पर अरविंद केजरीवाल सरकार को मिला नोटिस

नई दिल्ली । दिल्ली रोजी-रोटी अधिकार अभियान की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने आम आदमी पार्टी सरकार (दिल्ली सरकार) को नोटिस जारी किया है। संगठन की ओर से दायर याचिका में सभी को मुफ्त पका भोजन उपलब्ध कराने के लिए भूख राहत केंद्रों की बहाली की मांग की गई है।

दिल्ली रोजी-रोटी अधिकार अभियान की ओर से याचिका दायर कर गुहार लगाई है कि दिल्ली सरकार को निर्देश दिया जाए कि सरकार मुख्यमंत्री कोरोना सहायता योजना (एमएमसीएसवाई) या गरीब और जरूरतमंद व्यक्तियों के लिए बनाई किसी अन्य योजना के तहत सूखा राशन प्रदान करने की अपनी योजना को फिर से शुरू कर दे। इससे गरीब लोग राष्ट्रीय राजधानी में जारी किए गए ताजा प्रतिबंधों और कोरोना महामारी के कारण भूखे न रहें और उनको राशन मिल पाए।

दिल्ली सरकार ने आगामी 26 अप्रैल की सुबह 6 बजे दिल्ली में पूर्ण लॉकडाउन की घोषणा की है। ऐसे में कुछ लोगों के समक्ष रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। अधिवक्ता प्रसन्ना एस की ओर से दायर याचिका में कहा गया है कि कोरोना वायरस की दूसरी लहर और दिल्ली सरकार द्वारा जारी किए गए ताजा प्रतिबंधों को देखते हुए याचिकाकर्ता ने जीएनसीटीडी को एक पत्र लिखा था। इसमें कहा गया है कि दिल्ली सरकार जरूरतमंदों को बेघर आश्रय और राहत केंद्रों के माध्यम से मुफ्त गर्म पका भोजन मुहैया कराए और पीडीएस प्रणाली को सार्वभौमिक बनाते हुए उन सभी को राशन प्रदान किया जाए,जिनको खाद्य सुरक्षा की आवश्यकता है,भले ही उनके पास राशन कोर्ड हो या ना हो।

इसी के साथ आग्रह किया गया है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत खाद्य सुरक्षा के प्रावधानों को इस संकट के समय बिना किसी व्यवधान के लागू रखा जाए, जिनमें मध्याह्न भोजन योजना (एमडीएम), एकीकृत बाल विकास सेवा (आईसीडीएस) और आंगनवाड़ी के जरिए गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए गर्म पका भोजन उपलब्ध करवाना शामिल है।

सर गंगा राम अस्पताल में पहुंची ऑक्सीजन, फरीदाबाद के 2 अस्पतालों के 200 से अधिक मरीज संकट में

नई दिल्ली । दिल्ली के नामी सर गंगा राम अस्पताल में ऑक्सीजन पहुंच गई है। इससे पहले अस्पताल प्रबंधन ने जानकारी दी थी कि उनके पास सिर्फ कुछ घंटे के लिए ही ऑक्सीजन शेष है। कहा गया था कि वेंटिलेटर भी ठीक से काम नहीं कर रहे हैं। ऐसे में जल्द ही ऑक्सीजन की आपूर्ति नहीं की गई तो बड़ा हादसा हो सकता है और मरीजों की जान पर बन आएगी। सर गंगाराम अस्पताल के के स्वास्थ्य निदेशक ने जानकारी दी थी कि फिलहाल 60 मरीज गंभीर स्थिति में अस्पताल में भर्ती हैं। वहीं पिछले 24 घंटे के दौरान इस अस्पताल में गंभीर रूप से बीमार 25 लोगों की मौत हो चुकी है। उधर, शुक्रवार सुबह ऑक्सीजन पहुंचने पर अस्पताल प्रबंधन के साथ मरीजों के परिजनों ने भी राहत की सांस ली है। वहीं, साकेत स्थित मैक्स अस्पताल और मैक्स सम्राट अस्पताल में भी ऑक्सीजन पहुंचाई गई है। यह जानकारी डीसीपी साउथ ने दी है। वहीं, दिल्ली से सटे फरीदाबाद के एस्कार्ट्स फोर्टिस अस्पताल में मात्र दो से तीन घंटे का ऑक्सीजन स्टॉक ही बचा है। जल्दी ही ऑक्सीजन नहीं मिली तो 125 मरीजों की

जान पर संकट आ सकता है।

इसके अलावा, फरीदाबाद के फोर्टिस अस्पताल के प्रवक्ता का भी कहना है कि रेवाड़ी की आईनॉक्स कंपनी है। यहां से ऑक्सीजन की आपूर्ति होनी थी, लेकिन अभी तक नहीं पहुंची है। इस समय 75 के करीब मरीज आक्सीजन सपोर्ट पर है जबकि 50 मरीज वेंटिलेटर पर हैं।

वहीं, अस्पतालों में ऑक्सीजन की कमी को देखते हुए दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) भी हरकत में आ गया है। दिल्ली के सभी प्रशासनिक अधिकारियों को आक्सीजन की मानीटरिंग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मुख्य सचिव की तरफ से जारी ऑक्सीजन प्रबंधन नियमों के तहत कहा गया है कि दिल्ली पुलिस सभी आक्सीजन टैंकरों के प्रवेश और निकास का रिकार्ड तुरंत नियंत्रण कक्ष से साझा करेगी। सभी टैंकरों के लिए ग्रीन कारिडोर बनाएगी।

इसके लिए विशेष पुलिस आयुक्त को इस प्रबंधन के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। एक समिति गठित कर आक्सीजन आडिट किया जाएगा। समिति ऑक्सीजन के उपयोग और स्टाक पर डाटा भी एकत्र करेगी। ऑक्सीजन प्रबंधन के लिए दिल्ली के आइएएस अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की गई है जो समन्वय स्थापित कर आक्सीजन की उपलब्धता कराएंगे।

आइएएस अधिकारी उदित प्रकाश दिल्ली की सीमाओं तक टैंकरों की सुचारु और निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार होंगे और आपूर्तिकर्ताओं राज्यों और केंद्र सरकार से संबंधित सभी मुद्दों को सुलझाएंगे। आइएएस विजय बिधूड़ी स्वास्थ्य प्रतिष्ठानों को आक्सीजन की आपूर्ति को नियंत्रित, समन्वय और सुविधा प्रदान करने के लिए जिम्मेदारी निभाएंगे।

डीआरडीओ ने तैयार किए 250 बेड, शनिवार शाम तक डबल हो जाएगी बेडों की संख्या

नई दिल्ली । राजधानी में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों को देखते हुए डीआरडीओ की ओर से दिल्ली कैंट इलाके में कोरोना मरीजों के लिए 250 नए बेड वाले अस्पताल तैयार कर दिए गए हैं। रविवार से कोरोना से संक्रमित मरीजों का इस अस्पताल में इलाज शुरू हो सकेगा। पहले चरण में यहां पर 250 बेड़ों को मरीजों के लिए उपलब्ध कराया जा रहा है दूसरे चरण में यहां पर इतने ही(250) बेड और उपलब्ध करा दिए जाएंगे। कोरोना से संक्रमित होने वाले मरीजों को यहां भर्ती किया जा सकेगा।

मालूम हो कि साल 2020 में जब कोरोना संक्रमण फैला था उस समय भी डीआरडीओ की ओर से यहां पर इस तरह से अस्पताल बनाया गया था। डीआरडीओ ने यहां पर रिकॉर्ड समय में 1000 अस्पताल का बेड तैयार कर दिया था, अब स्थिति खराब होने पर डीआरडीओ से फिर से इस तरह से अस्पताल बनाने के लिए कहा गया था जिसके बाद उनकी ओर से तैयारी शुरू की गई, अब 250 बेड तैयार कर दिए गए हैं। अगले कुछ दिनों में 250 और बेड़ों की संख्या बढ़ा दी जाएगी। उसके बाद भी यदि आवश्यकता होगी तो और बेड बढ़ाए जाएंगे।

साल 2020 में दिल्ली-एनसीआर में कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों के बीच में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने पहले ही दिल्ली कैंट इलाके में 1000 बेड का अस्पताल तैयार किया था। उस समय अस्थाई कोविड-19 अस्पताल के बनने से लोगों के साथ दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार ने भी राहत की सांस ली थी क्योंकि राजधानी दिल्ली में कोरोना वायरस मरीजों की संख्या बढ़कर 1 लाख के करीब पहुंच गई थी। ऐसे में इस अस्थाई अस्पताल की उपयोगिता काफी बढ़ गई थी।

सरकार विशेष टैंकर भेजकर स्टील प्लांटों से ऑक्सीजन मंगाए : डॉ. नरेश त्रेहन

नई दिल्ली । कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में इजाफे के चलते दिल्ली-एनसीआर के अस्पतालों में ऑक्सीजन की मांग लगातार बढ़ रही है। इस मुद्दे पर मेदांता मेडिसिटी अस्पताल के चेयरमैन डॉक्टर नरेश त्रेहन ने बातचीत में कहा कि कोरोना के मरीजों की गंभीर स्थिति के चलते ऑक्सीजन की मांग बढ़ रही है। इस बीच स्टील उद्योग ने ऑक्सीजन देने का प्रस्ताव दिया है। ऐसे में सरकार को विशेष टैंकर भेजकर ऑक्सीजन मंगाई जानी चाहिए। ऐसे में ऑक्सीजन की आपूर्तिन चेन 5-7 दिनों के दौरान पूरी हो सकती है। डॉ. नरेश त्रेहन ने यह भी बताया कि इस दिशा में सरकार के प्रयास चल रहे हैं। उधर, एनसीआर में शामिल हरियाणा के जिलों में कोरोना संक्रमितों की बढ़ती संख्या के चलते अब राज्य सरकार पर निजी अस्पतालों में बेड संख्या बढ़ाने का दबाव बन रहा है। केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर के प्रयासों से फरीदाबाद में तो निजी अस्पतालों में कोरोना संक्रमितों के लिए बेड संख्या 25 से 50 फीसद कर दी है मगर गुरुग्राम में अभी इस बाबत कोई निर्णय नहीं हुआ है।

गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला और फरीदाबाद एनआइटी से कांग्रेस विधायक नीरज शर्मा ने बृहस्पतिवार विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता के साथ हुए वर्चुअल संवाद के दौरान निजी अस्पतालों में बेड संख्या बढ़ाने की मांग भी उठाई है। उन्होंने आश्वस्त किया है कि जहां संक्रमितों की संख्या ज्यादा है वहां बेड संख्या बढ़ाने के लिए वे सरकार को लिखकर भेजेंगे।बुधवार सायं आई पिछले 24 घंटे की रिपोर्ट के अनुसार गुरुग्राम में 2988 और फरीदाबाद में 1139 कोरोना मरीज आए। इसी तरह सोनीपत में 960,करनाल में 548 संक्रमित मरीज मिले। इन चार जिलों में कोरोना से मरने वालों की संख्या में भी लगातार इजाफा हो रहा है

जिला स्तर पर बने निगरानी कमेटी- गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला का कहना है कि उन्हें प्रतिदिन सैंकड़ों संक्रमितों के परिजनों के फोन आते हैं मगर वे उन्हें किसी अस्पताल में बेड या इलाज की सुविधा दिलाने में सफल नहीं हो पा रहे हैं। रेमडेसिविर का इंजेक्शन भी नहीं मिल रहा है। गुरुग्राम में कोरोना संक्रमितों के इलाज की सुविधाओं पर निगरानी के लिए अतिरिक्त मुख्य सचिव टीसी गुप्ता ने अगले एक सप्ताह में 500 नए बेड तैयार करने का आश्वासन दिया है। सिंगला की व्यथा यह है कि फिलहाल इस सप्ताह में मरीजों को इलाज कैसे मिले। उन्होंने बताया कि वे मुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री के समक्ष भी गुरुग्राम की वस्तुस्थिति रखेंगे।

ताहिर, उमर समेत 16 आरोपितों की न्यायिक हिरासत 21 मई तक बढ़ी

नई दिल्ली । दिल्ली दंगे की साजिश रचने के मामले में गैर कानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत दर्ज मुकदमे में मुख्य आरोपित एवं आप के पार्षद रहे ताहिर हुसैन, जेएनयू के पूर्व छात्र उमर खालिद, जेएनयू के छात्र शरजील इमाम, पूर्व पार्षद इशरत जहां, देवांगना कलीता, नताशा नरवाल समेत 16 आरोपितों की न्यायिक हिरासत 21 मई तक बढ़ा दी गई है। दो आरोपित सफूरा जरगर और फैजान खान जमानत पर बाहर हैं।

गत वर्ष दिल्ली में हुए दंगे की साजिश के मामले में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल जांच कर रही है। इस मामले में एक मुख्य आरोपपत्र और दो पूरक आरोपपत्र दायर हो चुके हैं। स्पेशल सेल साजिश से पर्दा उठाने के लिए गहराई से जांच कर रही है। आरोपितों के मोबाइल का डाटा स्कैन किए गए हैं।

वो डाटा तक मोबाइल से निकाला गया है, जो डिलीट कर दिया गया। साथ ही स्पेशल सेल ने दंगा प्रभावित क्षेत्रों में सड़कों पर लगे सीसीटीवी कैमरों से काफी अहम साक्ष्य जुटाए हैं। जिसे कोर्ट के समक्ष रख यह बताया गया कि दंगाइयों ने किस तरह से साजिश के तहत दंगे किए, जिसमें 53 लोगों की जान चल गई और 550 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। बता दें कि दिल्ली दंगे में नाम आने के बाद ताहिर हुसैन को आप ने निलंबित कर दिया था

भाजपा बोली दिल्ली में मनमाने दाम पर हो रही है ऑक्सीजन की बिक्री, कालाबाजारी चरम पर

नई दिल्ली। अस्पतालों व होम आइसोलेशन में रहने वालों को ऑक्सीजन नहीं मिलने से परेशानी बढ़ रही है। राजधानी के बड़े अस्पतालों में ऑक्सीजनकी कमी से चिंता बढ़ रही है। वहीं, इसे लेकर सियासत भी हो रही है। दिल्ली सरकार भाजपा शासित पड़ोसी राज्यों पर ऑक्सीजन आपूर्ति बाधित करने का आरोप लगा रही है। वहीं, भाजपा दिल्ली में ऑक्सीजन की कालाबाजारी होने की बात कह रही है। पार्टी के नेताओं ने कालाबाजारी पर रोक लगाने और दाम निर्धारित करने की मांग की है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने ऑक्सीजन वितरण व्यवस्था सुधारने की मांग की है जिससे की अस्पतालों व होम आइसोलेशन में रहने वालों को दिक्कत नहीं हो। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर दिल्ली में ऑक्सीजन के दम तय करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण का प्रकोप झेल रहे दिल्लीवासियों को दवा के साथ ही ऑक्सीजन की कालाबाजारी की मार भी झेलनी पड़ रही है। अस्पतालों में ऑक्सीजन की भारी कमी है और सरकार ने ऑक्सीजन के औद्योगिक प्रयोग पर पाबंदी लगा दी है। इस वजह से आज दिल्ली के हर कोने में ऑक्सीजन की मंडी सजी गई हैं पर इसके लिए मनमाना दाम वसूला जा रहा है। ओखला, बदरपुर, पालम, मायापुरी, लारैंस रोड, मोती नगर, शाहदरा के औद्योगिक क्षेत्रों के आलावा पुरानी दिल्ली एवं अनेक कालोनियों में ऑक्सीजन मिल रहा है पर आसमान छूते दाम पर। छह लीटर का छोटा ऑक्सीजन सिलेंडर दिल्ली के अलग-अलग क्षेत्रों में 500 से 900 रुपये तक में भरा जा रहा है। यह सामान्य से दोगुना से चार गुना ज्यादा है। 25 लीटर से 50 लीटर के ऑक्सीजन सिलेंडर तो और मनमाने दामों पर बिक रहे हैं। इससे लोगों विशेषकर गरीबों की परेशानी बढ़ गई है। भाजपा नेताओं का कहना है कि सरकार को तत्काल इस मामले में हस्तक्षेप करना चाहिए। लोगों को उचित मूल्य पर ऑक्सीजन मिल सके इसके लिए जरूरी कदम उठाने की जरूरत है।

यूपी की जेल में महिला बंदियों से पैसे लेकर मोबाइल फोन पर कराती थी बात, वॉर्डन अनीता राणा निलंबित

ग्रेटर नोएडा । दिल्ली से सटे गौतमबुद्धनगर की जिला जेल में महिला बंदियों से पैसे लेकर मोबाइल फोन पर बात कराने वाली जेल वॉर्डन अनीता राणा निलंबित को निलंबित कर दिया गया है। बता दें कि गौतमबुद्धनगर की जिला जेल लुक्सर के अंदर कर्मचारियों के मोबाइल फोन से कैदियों के अपने परिजनों से बात करने का मामला सामने आया था। इसका खुलासा तब हुआ जब महिला बैरक में तैनात महिला होमगार्ड से एक मोबाइल फोन और चार्जर मिला था। महिला होमगार्ड ने मोबाइल कपड़ों में छुपाया था और इससे 6 से 7 नंबरों पर वॉट्सएैप कॉलिंग की गई थी। इसके बाद जेल प्रशासन ने महिला होमगार्ड को कारागार अधिनियम में नामजद कर केस दर्ज किया है। बताया जा रहा है कि महिला होमगार्ड अनीता राणा 5 मिनट कॉल करने के बदले कैदियों से 100 रुपये वसूलती थी। उस दौरान महिला होमगार्ड साधना की महिलाकर्मियों ने तलाशी ली। उसके अंडरगारमेंट से मोबाइल और चार्जर मिला। साधना ने अधिकारियों को बताया कि मोबाइल किसी और होमगार्ड का है। जिला कारागार की हेड वॉर्डन कैलाश्री ने मामले में ईकोटेक-1 थाने में केस दर्ज कराया है। जेल के अंदर महिला होमगार्ड से मिले मोबाइल से 6 से 7 अलग-अलग नंबरों पर वॉट्सऐप कॉलिंग की गई थी। आशंका है कि यह कॉल कैदियों और बंदियों से रुपये लेकर उनके परिजनों से कराई गई है। बताया जा रहा है कि मोबाइल फोन पर 5 मिनट कॉल करने के 100 रुपये, जबकि 10 मिनट कॉल करने के 200 रुपये लिए जाते थे। जेल अधीक्षक भीमसैन मुकुंद की मानें तो लुक्सर जेल के अंदर मोबाइल फोन का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिसकी शिकायत के आधार पर महिला बैरक में बंदियों और कैदियों की तलाशी ली थी, लेकिन कुछ नहीं मिला। यहां पर बता दें कि जेल में जैमर 2जी या 3जी का लगा है। इसमें 4जी सिम से नेटवर्क आ जाते हैं और जेल के अंदर से कॉल हो जाती है। अब जेल के अंदर लगे जैमर को 4जी कराने की तैयारी की जा रही है ताकि किसी भी तरह की कॉलिंग ना हो सके।

एम्स में स्टाफ की कमी, अब संक्रमित मरीजों के संपर्क में आए स्वास्थ्यकर्मियों की नहीं होगी जांच

नई दिल्ली । अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ने कोविड-19 की मौजूदा स्थिति के चलते अपर्याप्त संसाधनों और स्टाफ की कमी के चलते कोरोनावायरस के संक्रमितों के संपर्क में आए स्वास्थ्यकर्मियों की जांच और बिना लक्षण वाले संपर्कों के पृथक-वास को बंद करने का फैसला किया है. एम्स के निदेश रणदीप गुलेरिया की अध्यक्षता में गुरुवार को हुई कोविड-19 समीक्षा बैठक में यह फैसला लिया गया.

फैसले के तहत केवल लक्षण वाले स्वास्थ्यकर्मियों की जांच की जाएंगी और जिनकी जांच रिपोर्ट में संक्रमण की पुष्टि होगी उन्हें ही पृथक-वास में रखा जाएगा और क्लिनिकल स्थिति के हिसाब से प्रबंधन किया जाएगा. एम्स ने कहा, कोविड-19 की मौजूदा स्थिति के चलते संपर्कों का पता लगाने के लिए अपर्याप्त संसाधनों और स्टाफ की कमी की वजह से, संक्रमितों के संपर्क में आए स्वास्थ्य कर्मियों की जांच और बिना लक्षण वाले संपर्कों के पृथक-वास को रोका जा रहा है. केवल उन्हीं स्वास्थ्य कर्मियों की जांच की जाएगी जिनमें लक्षण होंगे और जांच में संक्रमित पाए जाने वाले कर्मियों को क्लिनिकल स्थिति के मुताबिक पृथक एवं प्रबंधन किया जाएगा. बता दें कि दिल्ली में कोरोना संकट का सबसे ज्यादा असर दिख रहा है. यहां कई अस्पतालों में ऑक्सीजन और बेड की कमी देखी जा रही है. अगर कोरोना के ताजा आंकड़ों की बात करें तो केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि पिछले 24 घंटे में देश में दर्ज कोविड-19 के मामलों में 75.01 प्रतिशत मामले महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, कर्नाटक, केरल, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, गुजरात और राजस्थान से हैं. शुक्रवार की सुबह तक भारत में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस के रिकॉर्ड 3,32,730 नए मामले दर्ज किये गये जिससे देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 1,62,63,695 हो गई है.

संपादकीय

दूसरी लहर से मुकाबले का माद्दा

राज्य के सामने अक्सर बहुत बड़े संकट आते रहते हैं और कई बार तो ये उसके अस्तित्व को ही चुनौती देते से लगते हैं। युद्ध और महामारी, दो ऐसे ही अवसर हैं, जब किसी राज्य को बड़े खतरे का एहसास हो सकता है और यही समय है, जब इस बात का भी निर्णय होता है कि उसके अंदर मजबूती से जमीन में पैर गड़ाकर विपरीत व कठिन परिस्थितियों से लड़ने का कितना माद्दा है। ऐसा ही एक इम्तिहान द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान नवनिर्मित राष्ट्र-राज्य सोवियत संघ के समक्ष आया था, जब स्टालिन ने अलग-अलग जातीय समूहों में बंटे समाज को एक देशभक्त युद्ध मशीनरी में तब्दील कर दिया था। यही चुनौती भारत के समक्ष भी कोरोना की पहली लहर के बाद आई, जब हम एक राष्ट्र के रूप में खुद को साबित कर सकते थे और महामारी के अगले हमले के लिए सुसज्जित हो सकते थे। देखना होगा कि भारत और उसकी संस्थाएं कोरोना की दूसरी लहर आने तक इस कसौटी पर कितनी खरी उतरीं? यह जांचना इसलिए भी आवश्यक है कि दूसरी लहर अप्रत्याशित नहीं थी और उसकी भविष्यवाणी लगातार की जा रही थी।

महामारी की दूसरी लहर पहली से ज्यादा विकट है। पहली का दम रोजाना लाख संक्रमण पहुंचते-पहुंचते टूट गया, पर दूसरे दौर में ढाई लाख पार करने के बाद भी उसकी गति धीमी नहीं पड़ रही है। दोनों लहरों के बीच आठ-नौ महीने का अंतर है और विशेषज्ञों ने पहले से इसकी चेतावनी दे रखी थी। फ्लू के पिछले अनुभव भी यही बताते हैं। फिर ऐसा क्यों हुआ कि टेस्टिंग, एंबुलेंस, अस्पतालों में बेड, जीवन रक्षक दवाओं, वैक्सीनेशन, ऑक्सीजन और यहां तक दुर्भाग्य से मरीज के न बच पाने की स्थिति में श्मशान घाट तक, हर क्षेत्र में अभाव ही अभाव था? क्या एक राष्ट्र-राज्य के रूप में इतनी बड़ी चुनौती का सामना करने में हम विफल रहे? बहुत से प्रश्न हैं, जो हमें परेशान कर सकते हैं, क्या साल भर में हम अपनी आधारभूत संरचना दोगुनी नहीं कर सकते थे कि नई लहर आने पर असहाय से देखते रहने पर मजबूर न हो जाते? क्या कुंभ मेला और चुनाव मनुष्य के जीवन से ज्यादा जरूरी हैं? बहुत से प्रश्न हैं, जिनके सरलीकृत उत्तर नहीं दिए जा सकते। यदि हम एक प्रौढ़ समाज हैं, तो हमें इन प्रश्नों से बिल्कुल बचना नहीं चाहिए और ईमानदारी से इनसे जूझने की कोशिश करनी चाहिए। मैंने इस मुश्किल समय में भारत राज्य की विभिन्न संस्थाओं के प्रदर्शन को समझने की कोशिश की है और मेरी अब तक की समझ बनी कि उनका प्रदर्शन मिला-जुला सा ही है। पिछली लहर के मुकाबले चिकित्साकर्मियों के सुरक्षा परिधान या पीपीई की स्थिति बेहतर है, इसलिए वे मरीजों के करीब जाने में कम परहेज कर रहे हैं। एंबुलेंस की उपलब्धता भी पहले से अधिक है, पर उनकी लूट भी अधिक है। महानगरों में औसतन मरीजों को एक ट्रिप का छह से 10 हजार रुपये तक भुगतान करना पड़ रहा है। अस्पतालों में बिस्तर खासतौर से आईसीयू में मुश्किल से मिल पा रहे हैं। सिफारिश और पैरवी में यकीन रखने वाला हमारा राष्ट्रीय चरित्र पूरी तरह से मुखर है। इसी तरह, जरूरी दवाओं और ऑक्सीजन में कालाबाजारी भी जारी है। कुल मिलाकर, आप कह सकते हैं कि यदि राज्य अपनी आधारभूत संरचना में अपेक्षित सुधार कर पाया होता, तो उससे जुड़ी संस्थाओं का प्रदर्शन कहीं बेहतर रहा होता।

पुलिस आपातकाल में किसी भी राज्य की सबसे दृश्यमान भुजा होती है। मेरी दिलचस्पी महामारी के दौर में उसकी बनती-बिगड़ती छवि को समझने में अधिक है, इसलिए मैं ध्यान से अखबारों और चैनलों को स्कैन करता रहता हूं। मेरी समझ है कि इस बार उसका प्रदर्शन कहीं बेहतर है। एक बड़ा कारण तो शायद यह है कि पिछले बार के खराब 'ऑप्टिक्स' से सबक लेते हुए राज्य ने प्रवासियों को उनके रोजगार वाले शहरों में जबरदस्ती रोकने की कोशिश नहीं की। उसे समझ आ गया कि खाने, पीने या रहने की व्यवस्था करने में असमर्थ लोगों के लिए यदि उसने ट्रेनें या सड़क यातायात जबरिया बंद करने की कोशिश की, तो गरीब-गुरबा पिछले साल की तरह पैदल ही अपने गंतव्य की तरफ निकल पड़ेंगे। पिछली बार वे निकले, तो उन्हें रोकने का काम स्वाभाविक ही पुलिस को करना पड़ा। वह जितना अमानवीय निर्णय था, उतना ही अमानवीय इसे लागू कराने का तरीका साबित हुआ। सारी छीछालेदर पुलिस की हुई। इस बार न तो पलायन को रोकने का प्रयास हुआ और न ही अतिरिक्त उत्साह में कर्फ्यू लगाए गए, लिहाजा बहुत सी अप्रिय स्थितियों से पुलिस बच गई। पिछली बार की ही तरह इस बार भी कई मानवीय करुणा और मदद के लिए बढ़े हाथों की गाथाएं पढ़ने-सुनने को मिलीं। पिछली लहर में मीडिया ने उन्हें प्रचारित किया था, इसलिए स्वाभाविक है, इस बार बहुत सारे पुलिसकर्मी उनसे प्रेरित हुए हों। कुल मिलाकर, अभी तक तो एक संस्था के रूप में पुलिस का प्रदर्शन ठीक-ठाक ही लग रहा है। महामारी जैसी विपदा हमें कुछ दीर्घकालीन सीखें भी दे सकती है। मसलन, यदि पुलिस प्रशिक्षण में कुछ बुनियादी परिवर्तन हो सकें, तो इस तरह की किसी अगली आपदा में वे बेहतर भूमिका निभा सकेंगे। जिस तरह हमने प्रकृति के साथ छेड़छाड़ कर रखी है, उसके नतीजे में हमें हर दशक ऐसी आपदाओं की प्रतीक्षा करनी चाहिए। नए प्रशिक्षण कार्यक्रमों के जरिए पुलिसकर्मियों को समझाना होगा कि 1860 के दशक में जब वे खड़े किए गए थे, तब चुनौतियां बिल्कुल भिन्न थीं। आज सिर्फ चोरी, डकैती या हत्या उनकी चिंता नहीं हो सकती। सामान्य समय और मुश्किल वक्तों की पोलिसिंग की अपेक्षाएं व प्रदर्शन भिन्न होंगे। वैसे तो यह स्वास्थ्य सेवाओं जैसे दूसरे क्षेत्रों के लिए भी जरूरी है, लेकिन पुलिस बल के लिए यह सोच इसलिए अधिक महत्वपूर्ण है कि उसमें सेवा काल में थोड़े-थोड़े अंतराल पर प्रशिक्षण की अवधारणा पहले से मौजूद है। महामारी के दौरान मरीजों की शिनाख्त से लेकर उन्हें अस्पताल पहुंचाने तक में उसका रोल हो सकता है। रास्ते में जीवन रक्षक उपायों के लिए उन्हें प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। एक अपराधी और बीमार मनुष्य के व्यवहार में जमीन-आसमान का फर्क होता है और स्वाभाविक ही है कि उसकी अपेक्षाएं भी भिन्न होंगी। एक औसत पुलिसकर्मी को अपने व्यवहार में बड़े परिवर्तनों के लिए तैयार होना चाहिए। इसके लिए नए तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जरूरत होगी।

प्रवीण कुमार सिंह

वैक्सीन के साथ-साथ कोरोना रोकने वाला व्यवहार भी अतिआवश्यक

कुल मिलाकर हमारे टीकाकरण अभियान का उद्देश्य सामूहिक रोगप्रतिरोधक शक्ति प्राप्त करना है। जब तक हम उस स्तर पर नहीं पहुंच जाते, तब तक हम इस लड़ाई में अपने रक्षकों को निराश नहीं होने दे सकते। कोविड-19 के विरुद्ध भारत की लड़ाई में अगले चार से छह सप्ताह बहुत ही महत्वपूर्ण होंगे। ऐसे सभी भारतीय नागरिक, जो टीकाकरण के लिए पात्र हैं, उन्हें यथाशीघ्र टीका लगवाना चाहिए और कोविड से बचाव करने वाले उपायों का पालन करना चाहिए। याद रखें हम सब साथ मिलकर ही इस वायरस के प्रसार को रोक सकते हैं।

भारत में कोरोना संक्रमण में तेजी से वृद्धि हो रही है, जिसकी दर पिछले वर्ष की तुलना में अधिक है। हालांकि इसके बावजूद हम मृत्यु दर को नियंत्रित रखने में सक्षम हैं। प्रति दस लाख पर यहां मृत्यु की दर विश्व में सबसे कम है। यहां तक कि भारत में प्रति दस लाख जनसंख्या पर मामलों की दर भी विश्व में सबसे कम है। संक्रमण की पहली लहर के प्रति हमारी सफल प्रतिक्रिया भी हमें विश्वास देती है कि यदि हम एक देश के रूप में साथ मिलकर कार्य करेंगे तो अपने लोगों के स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था पर कोरोना की इस दूसरी लहर के प्रभाव को रोक सकते हैं। अब नई प्रतिबद्धताओं की तत्काल आवश्यकता है। इसे देखते हुए केंद्र और राज्य सरकारें दैनिक रूप से की जाने वाली जांचों को बढ़ाकर कम से कम 20 लाख करने और बेड, ऑक्सीजन आपूर्ति, आइसीयू सुविधाओं तथा गहन उपचार सहित स्वास्थ्य देखभाल अवसंरचना के विस्तार के लिए सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की भागीदारी में अथक रूप से कार्य कर रही हैं।

कोरोना मामलों में हो रही तीव्र वृद्धि के साथ-साथ हम दो टीकों- कोवैक्सीन और कोविशील्ड के साथ अपने कोविड-19 टीकाकरण अभियान के तृतीय चरण का आरंभ कर चुके हैं। एक अन्य टीके स्पुतनिक के आपात इस्तेमाल को भी मंजूरी दे चुके हैं। इसके अलावा कुछ वैक्सीन (टीके) ट्रायल के विभिन्न चरणों में हैं। जैसे-जेनोवा, बॉयोलॉजिकल ई, जायडस कैडिला द्वारा तैयार किए जा रहे टीकों का अनुमोदन प्रतीक्षित है। भारत का टीकाकरण अभियान मानव इतिहास में अभूतपूर्व है। हमने अगस्त 2021 तक लगभग 35 करोड़ लोगों को टीका लगाने की योजना बनाई है। 16 जनवरी को अभियान आरंभ होने के बाद से हमने इसके दायरे में निरंतर वृद्धि की है। इसी क्रम में 10

अप्रैल को भारत सबसे शीघ्र 10 करोड़ खुराक देने वाला देश बन गया।

विविध भौगोलिक परिस्थितियों में हमारी मजबूत डिलीवरी क्षमता के साथ मिलकर हमारी वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञता ने टीकाकरण अभियान को सक्षम बनाया है। इसके तहत प्रतिदिन औसतन 40 लाख खुराक प्रदान की जा रही हैं, जो कि विश्व में सबसे अधिक हैं। हमारी वर्तमान नीति 45 वर्ष से ऊपर के लोगों का टीकाकरण करना है। यह वर्ग कोविड से सबसे ज्यादा प्रभावित है।

महामारी के नियंत्रण के संबंध में हमारी कार्यनीति गंभीर बीमारी और मृत्यु की संख्या को सीमित करने पर लक्षित है। ऐसे व्यक्ति जिनके वायरस के कारण गंभीर रूप से प्रभावित होने की आशंका अधिक है, यदि उन्हें टीका लग जाता है तो इससे उन्हें अस्पताल में दाखिल कराने की जरूरत कम हो जाएगी। इससे स्वास्थ्य अवसंरचना पर बोझ भी कम होगा।

इस टीकाकरण अभियान के लिए डब्ल्यूएचओ की सिफारिशों और ब्रिटेन, अमेरिका और फ्रांस सहित अन्य राष्ट्रों द्वारा अपनाए गए दृष्टिकोण के अनुरूप ही अधिमान्य समूह निर्धारित किए गए हैं। इसके साथ ही हम वैक्सीन विनिर्माण की अपनी क्षमता को बढ़ाने की दिशा में भी कार्य कर रहे हैं। वैक्सीन विनिर्माण एक जटिल प्रक्रिया है, जिसमें प्रत्येक बैच के लिए उच्च गुणवत्ता आश्वासन और परीक्षणों की आवश्यकता होती है। इसलिए इसके विनिर्माण में वृद्धि करने के लिए समुचित योजना और क्रियान्वयन अपेक्षित है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रत्येक खुराक सुरक्षित और प्रभावी है। यह एक ही दिन में पूरा कर लिया जाने वाला प्रयास नहीं है। तथापि देश की वैक्सीन विनिर्माण क्षमताओं को ध्यान में रखते हुए हम अपना टीकाकरण बढ़ाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।केंद्र सरकार ने वैक्सीन का समुचित स्टॉक और राज्यों को वितरण सुनिश्चित करने पर ध्यान दिया है। केंद्र ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को वैक्सीन अपव्यय दर को एक प्रतिशत तक करने का निर्देश भी दिया है। यह समझना महत्वपूर्ण है कि वैक्सीन तत्काल उपचार नहीं है। इसलिए यह मामलों के बढ़ने की स्थिति में तत्काल परिणाम प्रदान नहीं करती।

वैक्सीन के प्रभाव वृहत प्रकृति के होते हैं। इसलिए नागरिकों को यह समझना चाहिए कि प्रभावकारी परिणामों के लिए वैक्सीन के साथ-साथ कोरोना रोकने वाले उपाय भी अत्यावश्यक हैं, क्योंकि अभी हमारी जनसंख्या के अन्य वर्गों को कवर करने के लिए टीकाकरण अभियान प्रतीक्षित है। हम अन्य माध्यमों जैसे- जांच बढ़ाकर, सख्त तथा प्रभावी ट्रैंकग सुनिश्चित कर, संक्रमितों की देखरेख कर और मास्क पहनने, शारीरिक दूरी का पालन करने एवं बार-बार हाथ धोने पर ध्यान देकर संक्रमण के मामलों में हो रही मौजूदा बढ़ोतरी को थाम सकते हैं। मास्क एक सामाजिक वैक्सीन है, जो सभी के पास उपलब्ध है। मास्क लगाना कोविड के प्रसार को रोकने के लिए प्रभावी रूप से कार्यसाधक सिद्ध हुआ है।

किसी बुराई को परास्त करने के लिए उसके व्यवहार के बारे में जानना महत्वपूर्ण होता है। जब बात कोविड-19 जैसी किसी बड़ी बुराई की हो तो हमें यह जानने की आवश्यकता है कि यह वायरस कैसे व्यवहार करता है और यही इससे प्रभावी रूप से निपटने की कुंजी है। यह जीनोम सीक्वेंसिंग के माध्यम से संभव है, जिसमें समय-समय पर वायरस की संरचना में परिवर्तन का अध्ययन किया जाता है। इससे हम भिन्न-भिन्न म्युटेशन, उसके प्रभाव तथा महामारी पर नियंत्रण में सक्षम होंगे।

कुल मिलाकर हमारे टीकाकरण अभियान का उद्देश्य सामूहिक रोगप्रतिरोधक शक्ति प्राप्त करना है। जब तक हम उस स्तर पर नहीं पहुंच जाते, तब तक हम इस लड़ाई में अपने रक्षकों को निराश नहीं होने दे सकते। कोविड-19 के विरुद्ध भारत की लड़ाई में अगले चार से छह सप्ताह बहुत ही महत्वपूर्ण होंगे। ऐसे सभी भारतीय नागरिक, जो टीकाकरण के लिए पात्र हैं, उन्हें यथाशीघ्र टीका लगवाना चाहिए और कोविड से बचाव करने वाले उपायों का पालन करना चाहिए। याद रखें हम सब साथ मिलकर ही इस वायरस के प्रसार को रोक सकते हैं।

सड़क पर कब्जे से लेकर सिर तन से जुदा करने की धमकियां सभ्य समाज को असुरक्षा का बोध कराती हैं

द्यआखिरकार वसीम रिजवी की कुरान की 26 आयतों को हटाने की मांग वाली याचिका खारिज हो गई। ऐसा ही होने के आसार थे। वसीम रिजवी की याचिका को फालतू करार देकर सुप्रीम कोर्ट ने उन पर 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। इसे वह कब और कैसे चुकाएंगे, पता नहीं, लेकिन उन्हें अपनी जान भी गंवानी पड़ सकती है, क्योंकि जैसे ही उनकी याचिका दाखिल होने की खबर आई, वैसे ही शिया और सुन्नी संगठनों की ओर से उनके खिलाफ फतवे जारी करने शुरू हो गए। मुरादाबाद बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अमीरुल हसन जाफरी को इस सबसे संतोष नहीं हुआ। उन्होंने वसीम के सिर पर 11 लाख रुपये का इनाम रख दिया। उन्होंने बताया कि वह इस पैसे की व्यवस्था चंदा लेकर करेंगे और जरूरत पड़ी तो अपनी औलाद तक बेच देंगे।

बात-बात पर संविधान और लोकतंत्र की बात करने वाले असदुद्दीन ओवैसी की ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद उल मुस्लिमीन को फिर भी चैन नहीं मिला। उसकी कानपुर शाखा की ओर से सार्वजनिक तौर पर ऐसा पोस्टर लगाया गया, जिस पर लिखा था-गुस्ताखे रसूल की एक ही सजा, सिर तन से जुदा। पोस्टर में वसीम रिजवी के साथ स्वामी नरसिंहानंद सरस्वती के कटे हुए सिर चित्रित किए गए थे। ओवैसी समर्थकों को कोई संशय न रहे, इसलिए पोस्टर में पार्टी का चुनाव चिन्ह पतंग भी शोभायमान था। कानून के शासन और सभ्य समाज को आतंकित करने वाला यह पोस्टर जब इंटरनेट मीडिया पर वायरल हुआ, तब पुलिस ने उसे हटवाया और यह सूचना दी कि आपत्तिजनक एवं भड़काऊ पोस्टर लगाए जाने के संबंध में एक एफआइआर 153 ए, 295 ए के तहत दर्ज की गई है। विवेचना कर आरोपियों की पहचान की जा रही है। तदनुसार कार्रवाई की जाएगी। हो सकता है कि ऐसा ही हो। जो भी हो, इस पोस्टर में वसीम रिजवी के साथ स्वामी नरसिंहानंद का कटा सिर तलवार संग इसलिए चित्रित किया गया था, क्योंकि कुछ दिनों पहले उन्होंने मुहम्मद साहब के खिलाफ बयान दिए थे।

नरसिंहानंद गाजियाबाद के डासना स्थित उस मंदिर के पुजारी हैं, जहां पर कथित तौर पर पानी पीने गए एक मुस्लिम किशोर की पिटाई कर दी गई थी। नरसिंहानंद तभी से चर्चा में हैं। मुहम्मद साहब के खिलाफ उनके बयान के बाद उनका भी सिर तन से जुदा करने की मांग तेज हुई, लेकिन सबसे पहले यह मांग दिल्ली से आम आदमी के पार्टी के विधायक अमानतुल्ला खान ने की। उन्होंने ट्वीट करके कहा कि इस शख्स की जुबान और गर्दन काटकर सख्त सजा दी जानी चाहिए। इसी के साथ उन्होंने बड़ी चतुराई से यह भी जोड़ा था कि उनका विश्वास भारतीय संविधान में है और उन्हें उम्मीद है कि दिल्ली पुलिस नरसिंहानंद के नफरती बयान का संज्ञान लेगी। सबसे पहले ट्विटर ने इस आपत्तिजनक ट्वीट का संज्ञान लिया और उसे हटा दिया। कायदे से उनका अकाउंट रद होना चाहिए था, लेकिन ट्विटर से कोई उम्मीद करना व्यर्थ है, क्योंकि वह जितना दुराग्रही है उतना ही पक्षपाती भी।

हालांकि अमानतुल्ला के ट्वीट पर दिल्ली पुलिस ने एक एफआइआर दर्ज कर ली है, लेकिन कुछ होने की उम्मीद कम ही है। अपने देश में ऐसा ही होता है। अराजक-उन्मादी तत्व जब-तब इसे या उसे धमकाते हैं अथवा घोर आपत्तिजनक बयान देते हैं, लेकिन पुलिस मुश्किल से ही कोई कार्रवाई करती है। आखिर यह तथ्य है कि दिल्ली पर चढ़ाई करने, इंडिया गेट पर हल चलाने, संसद में मंडी खोलने, फिर से बैरिकेड तोड़ने और सरकारी गोदाम ध्वस्त करने की खुलेआम धमकियां देने वाले राकेश टिकैत स्वच्छंद घूम रहे हैं। कोई नहीं जानता कि उनके समेत अन्य किसान नेताओं के खिलाफ दर्ज एफआइआर का क्या हुआ? निस्संदेह दोष केवल पुलिस का नहीं, क्योंकि वह तो वही करती है, जैसा शासन तंत्र उसे करने को कहता है। दिल्ली के सीमांत इलाकों के मुख्य मार्ग पिछले करीब चार महीने से बाधित हैं, लेकिन कोई कुछ नहीं कर पा रहा है-न पुलिस, न सरकार और न ही सुप्रीम कोर्ट। बीते एक वर्ष में सुप्रीम कोर्ट कम से कम तीन बार यह कह चुका है कि सड़कों पर कब्जा नहीं किया जा सकता, फिर भी उन पर कब्जा बरकरार है और अब तो उन पर घर भी बनाए जा रहे हैं। आखिर ऐसे आदेशों-निर्देशों का क्या मतलब जो सुप्रीम कोर्ट की नाक के नीचे भी अमल में न लाए जा सकें?

अपने देश में कानून के शासन की ऐसी-तैसी करने वाली हरकतों के बीच नार्वे से यह खबर आई है कि वहां की प्रधानमंत्री पर पुलिस ने इसलिए जुर्माना लगा दिया, क्योंकि अपनी जन्मदिन की पार्टी में उन्होंने निर्धारित 10 के बजाय 13 लोग बुला लिए थे। भारत नार्वे जैसा नहीं है और फिलहाल वहां जैसी मुस्तैद पुलिस हमारे नसीब में नही, लेकिन उसे कानून के शासन की खुलेआम खिल्ली उड़ाने वालों के खिलाफ तो नख-शिख-दंत विहीन नहीं ही दिखना चाहिए। और कुछ न सही, उसे कम से कम एलानिया कत्ल की धमकियों पर तो सक्षम दिखना ही चाहिए।

वैक्सीन पर उलझन

सरकार ने 1 मई से 18 साल से अधिक उम्र वालों के लिए वैक्सिनेशन शुरू करने का ऐलान किया है। इससे टीकाकरण अभियान के चौथे चरण में 60 करोड़ नए लोग वैक्सीन लगवा पाएंगे। इससे पहले के तीन चरणों में केंद्र ने 30 करोड़ लोगों को वैक्सीन लगवाने के लिए योग्य करार दिया था। इसके साथ केंद्र ने राज्यों और निजी अस्पतालों को भी कंपनियों से सीधे टीका खरीदने की इजाजत दी है। देश में कंपनियां जितनी वैक्सीन बनाएंगी, उनमें से आधा केंद्र लेगा। बाकी बचे हिस्से से राज्यों और निजी अस्पतालों को सप्लाई की जाएगी। कोरोना की दूसरी लहर को देखते हुए ये अच्छे कदम हैं। लेकिन इन्हें लेकर कुछ उलझनें और सवाल भी हैं। पहला सवाल तो यही है कि क्या इतने व्यापक स्तर पर टीकाकरण अभियान के लिए हमारे पास वैक्सीन है?अभी तक देश में लोगों को वैक्सीन के 13 करोड़ से अधिक डोज दिए गए हैं, जिनमें से 11.1 करोड़ को दूसरा डोज नहीं लगा है। ऐसे में एक अनुमान के मुताबिक, 1 मई के बाद सभी योग्य लोगों के वैक्सिनेशन के लिए 1.2 अरब डोज की जरूरत पड़ सकती है। अभी तक लग रहा है कि जून से देश में हर महीने 20 करोड़ डोज आने लगेंगे। उससे पहले खुले बाजार के लिए बहुत अतिरिक्त सप्लाई नहीं हो पाएगी। ऐसे में 1 मई से वैक्सिनेशन सेंटरों पर जो भारी भीड़ उमड़ेगी, उनमें से ज्यादातर को निराश वापस लौटना पड़ सकता है।

दूसरे, जून के बाद वैक्सीन की सप्लाई में अच्छी बढ़ोतरी के बाद भी लंबे समय तक मांग की तुलना में इसकी आपूर्ति कम बनी रहेगी। दूसरा सवाल यह है कि कंपनियों के पास राज्यों से वैक्सीन की जो मांग आएगी, वे किस आधार पर पूरा करेंगी? सीमित सप्लाई के बीच हर राज्य चाहेगा कि उसे अधिक से अधिक वैक्सीन मिले। अच्छा तो यही होगा कि टीके की आपूर्ति जोखिम के स्तर को देखते हुए की जाए। जहां खतरा अधिक हो, उसे अधिक सप्लाई मिले। और इसके लिए केंद्र के स्तर पर ही पहल होनी चाहिए।

केंद्र ने निजी अस्पतालों को भी कंपनियों से सीधे वैक्सीन खरीदने का अधिकार दिया है। अभी सीरम ने केंद्र की नई नीति के मुताबिक कोविशील्ड की खातिर राज्यों के लिए 400 रुपये और निजी अस्पतालों के लिए 600 रुपये की कीमत तय की है। अगर इसे आधार मानें तो लगता है कि राज्यों की तुलना में निजी अस्पतालों के लिए टीका महंगा होगा। इसका यह भी मतलब है कि निजी अस्पतालों को अधिक टीका बेचने से उनका मुनाफा भी बढ़ेगा।

ऐसे में क्या राज्यों को टीका बेचने में कंपनियों की दिलचस्पी घट नहीं सकती है? एक और बात यह है कि कंपनियों से बड़े निजी अस्पताल तो वैक्सीन खरीद पाएंगे, लेकिन इस देश में बड़ी संख्या में छोटे अस्पताल भी हैं, उन्हें इसकी सप्लाई कैसे मिलेगी? इन उलझनों को दूर करने के लिए केंद्रीय स्तर पर पहल होनी चाहिए। यह काम नेशनल टास्क फोर्स के जिम्मे किया जा सकता है।

आइपीएल मैचों में हिस्सा ले रही प्रत्येक टीम को कोरोना मुक्त सुरक्षित माहौल देने का प्रयास

इस बारे में आइपीएल का प्रसारण करने वाले चैनल स्टार स्पोर्ट्स की टीम से अंदाजा लग सकता है। इसमें कुल मिलाकर 700 लोग हैं, जिनमें 100 कमेंटेटर ही हैं। इन सभी को अलग-अलग आठ टीमों के लिए बनाए गए आठ बायो-बबल में बांटा गया है। इनमें से अगर कोई एक बायो-बबल भी टूटता है तो खतरा शेष सात टीमों के सातों बायो-बबल को ही नहीं, बल्कि पूरे टूर्नामेंट को होगा। इसमें कोई संदेह नहीं है कि खेल प्रतियोगिताएं जहां एक ओर प्रतिस्पर्धा की भावना पैदा करती हैं और जोश एवं उमंग का संचार करती हैं। वहीं दूसरे ओर दुनिया इन आयोजनों से आशा और साहस की भावना पैदा होने की उम्मीद भी लगाती है।

एक बार फिर हमारे देश में कोरोना वायरस से पैदा महामारी कोविड-19 को लेकर चिंताजनक हालात बन गए हैं। कई राज्यों में नाइट कर्फ्यू और एकाध शहरों (जैसे कि रायपुर) में कुछ अर्से के लिए संपूर्ण लॉकडाउन का एलान हो चुका है। हालांकि स्कूल-कॉलेजों में कुछ अपवादों को छोड़कर कहीं भी पूरी तरह कक्षाओं का संचालन शुरू नहीं किया गया है और चुनावी रैलियों एवं चुनिंदा जरूरी सेवाओं के अलावा तकरीबन सभी जगहों पर शासन-प्रशासन की ओर से आंशिक पाबंदियां लागू हैं, लेकिन इस बीच सबसे बड़ा सवाल खेलों के आयोजन को लेकर पैदा हो गया है। ऐसे वक्त में जबकि भारत में रोजाना कोरोना वायरस से संक्रमित होने वाले लोगों की संख्या एक लाख के पार पहुंच गई है, तब पूछा जा रहा है कि क्या देश में आइपीएल और टी-20 विश्व कप जैसे आयोजन हो सकते हैं? वैसे तो पिछले साल टाले जाने के बाद जापान में टोक्यो ओलंपिक की तैयारियां भी चल ही रही हैं, लेकिन भारत में कोरोना के दोबारा विस्फोट के बाद खेल आयोजनों को लेकर दुविधा की स्थिति बनी हुई है। हालांकि इन्हीं आशंकाओं के बीच नौ अप्रैल से देश में इंडियन प्रीमियर लीग (आइपीएल)-2021 की शुरुआत खाली स्टेडियमों में हो गई है। अब तक हुए मैचों के रोमांच को देखकर लगता ही नहीं है कि कोरोना ने आइपीएल के रास्ते में ज्यादा अड़चनें डाली हैं। यहां तक रोहित शर्मा (मुंबई इंडियंस के कप्तान) जैसे क्रिकेटरों ने खुद को भाग्यशाली बताते हुए कहा है कि वह ऐसे समय में क्रिकेट खेल पा रहे हैं, जब बायो सिक्योर बबल (जैव-सुरक्षित माहौल) से बाहर कई लोग अपनी मनपसंद गतिविधियों में

शामिल नहीं हो पा रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि इस टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले ही चार खिलाड़ी और एक टीम के कंसल्टेंट कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जा चुके थे। मुंबई टीम के कंसल्टेंट किरण मोरे के कोरोना संक्रमण का मामला काफी गंभीर माना गया है, क्योंकि वह बायो-बबल में रहते हुए संक्रमित हुए हैं। बहरहाल टूर्नामेंट के दौरान आठ टीमें देश भर के अलग-अलग स्टेडियमों में 60 मैच खेलेंगी। ये मैच दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, अहमदाबाद और कोलकाता में खेले जाएंगे। गौरतलब है कि देश के प्राय~ सभी शहरों में कोरोना संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं।

कोरोना वायरस के अत्यधिक संक्रामक स्वरूप को देखते हुए पिछले साल से ही कई तरह के कामकाज में दायरे निश्चित किए जा चुके हैं। इनके तहत ऐसी व्यवस्थाओं को अपनाने की शुरुआत हो चुकी है, जिससे संक्रमण से बचते हुए कामकाज संपन्न हो सके। ऐसी व्यवस्थाओं को बायो-बबल और ट्रैवल या एयर बबल जैसे नाम दिए गए हैं। ट्रैवल बबल का संबंध रेल-बस यात्रओं से तो एयर बबल का संबंध हवाई उड़ानों से है। कोरोना काल में यूं तो ज्यादातर अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर रोक लगी हुई है, लेकिन जिन गिने-चुने रूटों पर उड़ानें संचालित की गई हैं, उनमें व्यवस्था है कि यात्रियों के बीच पर्याप्त दूरी रहे। इसी तरह खेल आयोजनों में बायो सिक्योर बबल के प्रबंध को आजमाया जा रहा है, ताकि खिलाड़ी और संबंधित स्टाफ खेल आयोजन की अवधि के दौरान किसी बाहरी व्यक्ति के संपर्क में न आ सकें। कोविड-19 की बंदिशों के कारण खिलाड़ी बायो-बबल से बाहर किसी से मिल नहीं सकते, जिससे उनके लिए खुद को तरोताजा और प्रेरित रखना मुश्किल हो जाता है। यही कारण है कि कई खिलाड़ी इसे मुद्दे को उठा चुके हैं।

हाल में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के प्रमुख और पूर्व क्रिकेटर सौरव गांगुली ने बायो-बबल को बेहद चुनौतीपूर्ण करार दिया और कहा कि इस मामले में भारतीय खिलाड़ियों ने काफी सहनशीलता का परिचय दिया है। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के क्रिकेटरों की तुलना में भारतीय खिलाड़ियों को ज्यादा सहनशील बताते हुए गांगुली ने कहा था कि उन्होंने इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलियाई और वेस्टइंडीज के बहुत सारे क्रिकेटरों के साथ खेला है और पाया है कि भारतीय क्रिकेटरों के मुकाबले वे मानसिक स्वास्थ्य के मामले में जल्दी हार मान जाते हैं। गांगुली की बात की पुष्टि आइपीएल के इस सीजन में विराट कोहली की टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से खेलने वाले ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल के एक बयान से हो जाती है। मैक्सवेल ने कहा था कि वह बायो-बबल को लेकर परेशान हैं। मैक्सवेल की नजरों में यह मानसिक रूप से कमजोर बनाने वाली बहुत कठिन चुनौती है, जिसका सामना पिछले साल से खिलाड़ियों को करना पड़ रहा है।

ज्यादातर खिलाड़ियों के मत में बायो-बबल एक मुश्किल व्यवस्था है। वे अक्सर यह शिकायत करते पाए गए हैं कि किसी टूर्नामेंट के दौरान सिर्फ होटल में कैद रहना और खेल के वक्त होटल के कमरे से मैदान पर जाना, खेल के दबाव को संभालना और वापस कमरे में आ जाना और फिर से मैदान पर जाना, इस बिल्कुल अलग तरह की जिंदगी ने उन पर भारी दबाव बना दिया है। अगर क्रिकेट की ही बात करें तो कोविड-19 की मार से बचने के लिए इस साल आइपीएल आयोजन के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने हरेक टीम के वास्ते 'बबल इंटिग्रिटी मैनेजर' तक नियुक्त कर रखे हैं। इन मैनेजरों को बायो-बबल की व्यवस्था कायम रखने वाले विशेषज्ञ के तौर पर देखा जा रहा है। हालांकि इस तरह खाली स्टेडियमों में हो रहे आइपीएल मैचों में हिस्सा ले रही प्रत्येक टीम को कोरोना-मुक्त सुरक्षित माहौल देने के प्रयास हो रहे हैं। कोशिश की जा रही है कि इस पूरे टूर्नामेंट के दौरान क्रिकेटर, कोच, अंपायर और होटल स्टाफ से जुड़ा हर व्यक्ति बाहरी लोगों के संपर्क में न आएं। यहां तक कि मुंबई में स्टेडियम के स्टाफ का हर दूसरे दिन कोविड-19 टेस्ट किया जा रहा है। फिर भी ऐसा मानने वालों की कमी नहीं है कि सारे प्रबंधों के बावजूद बायो-बबल को बनाने रख पाना बेहद कठिन होगा।

इस टूर्नामेंट की सबसे बड़ी कसौटी यह है कि अगर किसी भी वजह से बायो-बबल टूटता है तो न सिर्फ इस टूर्नामेंट को नुकसान होगा, बल्कि पूरे विश्व में आयोजित होने वाले खेल टूर्नामेंट खतरे में पड़ सकते हैं। चुनौती बड़ी क्यों है, इसे समझने के लिए इससे जुड़े कुछ जरूरी तथ्यों पर नजर डालनी होगी। जैसे आइपीएल की आठ टीमों के कुल मिलाकर दो सौ खिलाड़ी हैं जिन्हें खुद बायो-बबल के नियमों का पालन करना है, बल्कि वे सावधानियां भी बरतनी हैं जिनसे उनकी टीमों से जुड़े सपोर्टिंग स्टाफ, टीम प्रबंधन के लोग, कमेंटेटर, प्रसारण करने वाली टीमों के सदस्य, मैदान पर सहायता करने वाले स्टाफ, होटल, कैटरिंग और परिवहन से जुड़े स्टाफ का कोई भी सदस्य कोविड-19 की चपेट में न आए।खिलाड़ियों के अलावा सहयोगी कार्यो से जुड़ी टीमों में कितने लोग हो सकते हैं, इस बारे में आइपीएल का प्रसारण करने वाले चैनल स्टार स्पोर्ट्स की टीम से अंदाजा लग सकता है। इसमें कुल मिलाकर 700 लोग हैं, जिनमें 100 कमेंटेटर ही हैं। इन सभी को अलग-अलग आठ टीमों के लिए बनाए गए आठ बायो-बबल में बांटा गया है। इनमें से अगर कोई एक बायो-बबल भी टूटता है तो खतरा शेष सात टीमों के सातों बायो-बबल को ही नहीं, बल्कि पूरे टूर्नामेंट को होगा। इसमें कोई संदेह नहीं है कि खेल प्रतियोगिताएं जहां एक ओर प्रतिस्पर्धा की भावना पैदा करती हैं और जोश एवं उमंग का संचार करती हैं। वहीं दूसरे ओर दुनिया इन आयोजनों से आशा और साहस की भावना पैदा होने की उम्मीद भी लगाती है।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

औरैया सदर से भाजपा विधायक रमेश दिवाकर का निधन, प्रकाश द्विवेदी भी पॉजिटिव

लखनऊ । योगी आदित्यनाथ सरकार के दो कैबिनेट मंत्रियों के बाद अब एक विधायक ने कोरोना संक्रमण से दम तोड़ दिया है। औरैया सदर से भाजपा सदर विधायक रमेश दिवाकर का कोरोना वायरस संक्रमण के कारण निधन हो गया है। उत्तर प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमण के कारण पंचायत चुनाव टालने की मांग कर रहे भाजपा विधायक प्रकाश द्विवेदी भी कोरोना वायरस के संक्रमण में हैं। वह बांदा से भारतीय जनता पार्टी के विधायक हैं।

औरैया जिले से भारतीय जनता पार्टी के विधायक रमेश चंद्र दिवाकर का कोरोना वायरस के संक्रमण में आने के बाद मेरठ के निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था। छात्र जीवन मे खो-खो के अच्छे खिलाड़ी रहे दिवाकर ने शुक्रवार को मेरठ के मेडिकल कॉलेज के मेडीकल सेंटर हॉस्पिटल में दम तोड़ दिया। वह चार दिन से भर्ती थे। औरैया सदर से विधायक रमेश चंद्र दिवाकर की सोमवार को कोरोना वायरस संक्रमण की रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। उन्हें मेरठ मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। जहां पर आज इलाज के दौरान उनका निधन हो गया। औरैया में हालत ज्यादा खराब होने के कारण उन्हें मेरठ मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। वह बीते दो दिन से ज्यादा गंभीर थे और आईसीयू में आक्सीजन पर थे। शुक्रवार को उन्होंने अंतिम सांस ली। उन्हें गंभीर स्थिति में गुरुवार दोपहर तीन बजे लाला लाजपत राय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। बताया जा रहा है कि उन्हें लखनऊ में बेड न मिलने पर मेरठ लाया गया था। चिकित्सा अधीक्षक डॉ तरुनपाल ने

बताया कि विधायक गंभीर रूप से संक्रमित थे। प्राचार्य डा ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि चिकित्सकों के तमाम प्रयासों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका।

रमेश दिवाकर आरएसएस के सक्रिय पदाधिकारियों में एक थे। विधायक चुने जाने से पहले उनके हाथ जिले की कमान थी। विधानसभा चुनाव 2017 में वह जिलाध्यक्ष थे। उनकी सक्रियता व जमीनी स्तर पर जनता के प्रति कार्य देखते हुए पार्टी ने उन पर भरोसा जताकर चुनाव मैदान में उतारा था। रमेश दिवाकर की मौत से सगे-संबंधी व पार्टी कार्यकर्ताओं में शोक की लहर है। रमेश चंद्र दिबियापुर रोड पर स्थित चौधरी विशम्भर भारतीय विद्यालय में शिक्षक भी थे।

पूर्व कैबिनेट मंत्री नारायण सिंह सुमन का निधन- उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे नारायण सिंह सुमन का शुक्रवार को कोरोना वायरस संक्रमण के कारण निधन हो गया। पूर्व मंत्री नारायण सिंह सुमन भी एक सप्ताह पहले कोरोना संक्रमित हो गए थे। उनका इलाज दिल्ली के मेट्रो हॉस्पिटल में चल रहा है।

उनकी बेटी का कल रात निधन हो गया था जबकि पत्नी ने तीन दिन पहले नोएडा के अस्पताल में दम तोड़ दिया था। नारायण सिंह सुमन के परिवार पर कोरोना का कहर बरपा है। पूर्व मंत्री नारायन सिंह सुमन की धर्मपत्नी एवं पूर्व एमएलसी डॉ. स्वदेश कुमार उर्फ वीरू सुमन की मां कलावती देवी सुमन का 64 वर्ष की उम्र में सुबह तीन बजे नोएडा के एक अस्पताल में निधन हो गया। वह कोरोना संक्रमित थीं। नारायण सिंह सुमन समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री रामजीलाल सुमन के अनुज थे। रामजी लाल सुमन भी कोरोना वायरस से संक्रमित हैं। उनका एत्मादपुर के एफएच मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है।

भाजपा विधायक प्रकाश द्विवेदी भी संक्रमित- बांदा सदर से भाजपा विधायक प्रकाश द्विवेदी भी कोरोना वायरस संक्रमण की चपेट में हैं। उत्तर प्रदेश में इन दिनों कोरोना की भयावहता बताते हुए पंचायत चुनाव टालने की मांग को लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ को चिट्ठी लिखने वाले बांदा सदर से भाजपा विधायक प्रकाश द्विवेदी खुद कोरोना पॉजिटिव हो गए हैं। विधायक प्रकाश द्विवेदी फिलहाल बांदा में अपने घर में ही आइसोलेट हैं और डॉक्टर्स की सलाह अनुसार दवा ले रहे हैं।

तीन दिन पहले ही भाजपा विधायक प्रकाश द्विवेदी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को चिट्ठी भेजकर पंचायत चुनाव पर तत्काल रोकने की मांग की थी। उनका मानना था कि कोरोना संक्रमण से गांवों में लोग मर रहे हैं। प्रदेश में हालत खराब है, चुनाव रोके जाने चाहिए, लोगों की जान बचाना जरूरी है। विधायक प्रकाश द्विवेदी ने ट्वीट किया था कि बांदा में एक महिला भाजपा प्रत्याशी की कोरोना संक्रमण से मौत हो चुकी है और दूसरे प्रत्याशी अस्पताल में हैं। गांव गांव हालात भयावह है, चुनाव प्रचार से फिजिकल डिस्टेंसिंग के कोई मायने नहीं रह गए हैं।

संक्षिप्त खबर

गया की पूर्व राजद विधायक कुंती देवी का निधन, जदयू कार्यकर्ता हत्याकांड में काट रहीं थी उम्रकैद

खिजरसराय (गया)। गया जिले के अतरी विधानसभा क्षेत्र से दो बार राजद विधायक रह चुकीं कुंती देवी का निधन गुरुवार देर रात पीएमसीएच में इलाज के दौरान हो गया। वे किडनी की बीमारी से जूझ रही थीं। उनके निधन की खबर मिलते ही शोक की लहर दौड़ गई है। राजद कार्यकर्ताओं के बीच मातम पसर गया है। जदयू कार्यकर्ता सुमरिक यादव हत्याकांड में वे उम्रकैद की सजा काट रही थीं। केंद्रीय कारा में तबीयत खराब होने के बाद उन्हें पीएमसीएच में भर्ती कराया गया था। कुंती देवी के पुत्र अजय यादव उर्फ रंजीत यादव राजद के वर्तमान विधायक हैं। कुंती देवी 2006 और 2016 में अतरी विधानसभा से राजद की विधायक चुनी गई थीं।

जदयू नेता हत्याकांड में काट रही थीं सजा- बथानी के जदयू प्रखंड अध्यक्ष सुमिरक यादव हत्याकांड में कोर्ट ने पूर्व विधायक कुंती देवी को दोषी माना था। उन्हें उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। जेल में रहने के दौरान तबियत खराब होने के बाद उन्हें पीएमसीएच में भर्ती कराया गया था। रोते हुए उनके पुत्र अतरी विधायक अजय यादव उर्फ रंजीत यादव ने बताया कि माता काफी दिनों से किडनी रोग से पीड़ित थी। उन्हें डायलिसिस पर रखा गया था। एक दिन बीच करके उनका डायलिसिस होता था। उनकी दो बहू तेलारी पंचायत की मुखिया अर्चना सिन्हा एवं बथानी पंचायत की मुखिया वैजयंती देवी बारी बारी से पीएमसीएच में अपनी सास की सेवा में रहती थीं। गुरुवार रात उनकी स्थिति खराब हो गई। देर रात उन्होंने दम तोड़ दिया। विधायक ने बताया कि शुक्रवार को मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में उनका पोस्टमार्टम कराया जाएगा।उसके बाद कागजी प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव को खिजरसराय लाया जाएगा। खिजरसराय से उनकी शव यात्रा अतरी होते हुए बथानी जाएगी। बथानी में श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार किया जाएगा। गौरतलब है कि पूर्व विधायक कुंती देवी के पति पूर्व विधायक राजेन्द्र यादव भी जेल में सजा काट रहे हैं। पत्नी की अंत्येष्टि और अन्य कार्यों में शामिल होने के लिए कोर्ट में आवेदन दिया गया है।

पूर्व विधायक की मौत के बाद पसर गया है मातम- अतरी के पूर्व विधायक कुंती देवी की मौत के बाद राजद के कार्यकर्ताओं में शोक की लहर दौड़ गयी। राजद नेता बैजू यादव, रामईश्वर यादव, प्रमोद सिंह समेत कई लोगो ने बताया कि कुंती देवी काफी सहृदय और धर्मपरायण महिला थीं। उनके निधन से क्षेत्र और पार्टी को अपूर्णीय क्षति हुई है। कार्यकर्ता उनका पार्थिव शरीर आने का इंतजार कर रहे हैं।

हरियाणा का उदाहरण देकर एनडीए सरकार पर बरसे तेजस्वी, कहा- बिहार के लिए बेहतर थी यूपीए सरकार

पटना । बिहार में तेजी से बढ़ते कोरोना वायरस संक्रमण के बीच सियासत भी अपने मिशन में लगी है। आरोप-प्रत्यारोप का बाजार गर्म है। कुछ वाजिब तो कुछ गैर वाजिब सवाल भी उठाए जा रहे हैं। इस बीच बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने केंद्र सरकार पर बिहार के साथ सौतेला व्यवहार करने का आरोप लगाया है। उन्होंने इसके लिए हरियाणा का उदाहरण देकर कहा है कि वहां कम आबादी और कम संक्रमण के बावजूद केंद्र सरकार दो-दो कोविड अस्पताल खोल रही है, लेकिन बिहार पर इनका ध्यान नहीं है। उन्होंने बिहार से एनडीए के 48 सांसदों और केंद्र सरकार में पांच मंत्रियों पर भी सवाल उठाए हैं। तेजस्वी ने कहा कि बिहार की तुलना में कम आबादी वाला राज्य होने के बावजूद हरियाणा में केंद्र सरकार रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के जरिए पांच सौ बेड वाले दो कोविड समर्पित अस्पताल चालू करवा रही है। उन्होंने पूछा कि क्या बिहारियों की जान इतनी सस्ती है जो राजग को 48 सांसद देने के बावजूद इस तरह के अस्पताल से बिहार को वंचित रखा जा रहा है। तेजस्वी ने कहा कि लोकसभा और राज्यसभा में राजग के बिहार से 48 सांसद हैं। पांच केंद्रीय मंत्री भी हैं। फिर भी बिहार के लिए डीआरडीओ से एक पांच सौ बेड का कोविड समर्पित अस्पताल सुनिश्चित नहीं करवा सके हैं। तेजस्वी ने कहा कि कोरोना संकट में भी बिहार की केंद्र द्वारा की जा रही अनदेखी पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार चुप हैं। बिहार के दो-दो भाजपाई उपमुख्यमंत्री भी नहीं बोल रहे हैं।

यूपीए की सरकार की सराहना की- तेजस्वी ने केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद, गिरीराज सिंह, अश्विनी चौबे, आरके सिंह, नित्यानंद राय समेत सभी राजग सांसदों को दूसरे प्रदेशों के सांसदों से सीख लेनी चाहिए। नेता प्रतिपक्ष ने लालू के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि केंद्र में जब यूपीए-1 की सरकार थी और लालू प्रसाद केंद्र में मंत्री थे तो बिहार में बाढ़-सुखाड़ जैसी किसी भी प्रकार की आपदा में केंद्र से तुरंत सहायता मिलती थी।

भाजपा को ललन सिंह की नसीहत...निर्णय लेने में सक्षम हैं सीएम नीतीश कुमार

पटना । भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. संजय जायसवाल द्वारा सीएम नीतीश कुमार के नाइट कर्फ्यू के निर्णया को समझ से परे- बताना , सहयोगी जदयू को कतई पसंद नहीं आया। दो दिनों से जदयू के कई नेता बगैर संजय जायसवाल का नाम लिए उन्हें नसीहत की घुट्टी पिला रहे हैं। बुधवार को जदयू संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने संक्षिप्त ट्वीट कर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष को नसीहत दी कि यह राजनीति का वक्त नहीं है। जदयू के मंत्री संजय झा ने भी इशारे में भाजपा को सलाह दे डाला था। अब आज गुरुवार को लोकसभा में जदयू संसदीय दल के नेता राजीव रंजन सिंह ऊर्फ ललन सिंह ने कहा-लॉकडाउन की मांग करने वाले नेता महज अखबारी हैं। सिर्फ बैठे-बैठे ज्ञान दे रहे हैं। उन्हें समझना चाहिए कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कोरोना संकट से निबटने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं।

मालूम हो कि डा. संजय जायसवाल ने कोरोना के खिलाफ रणनीति बनाने के लिए रायपाल की ओर से बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में सलाह दी थी कि सरकार शुक्रवार की शाम से सोमवार की सुबह तक लॉकडाउन घोषित करे। सर्वदलीय बैठक के अगले दिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उनकी मांग को दरकिनार करते हुए सिर्फ नाइट कर्फ्यू की घोषणा की। इसके बाद डॉ जायसवाल ने ट्वीट किया था कि नाइट कर्फ्यू कोविड संक्रमण के प्रसार को कैसे रोकेगा, यह समझ से परे है। बस, यही बात जदयू को नागवार गुजरी और जदयू के नेता डा. जायसवाल का विरोध कर रहे हैं।

ललन सिंह ने क्या कहा- लोकसभा में जदयू संसदीय दल के नेता राजीव रंजन सिंह ऊर्फ ललन सिंह ने गुरुवार को यहां कहा-लॉकडाउन की मांग करने वाले लोग अखबारी नेता हैं। सिर्फ बैठे-बैठे ज्ञान देते रहते हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कोरोना के मामलों की रोज समीक्षा करते हैं। अगर राय में लॉक डाउन की जरूरत होगी तो सीएम खुद फैसला ले लेंगे। बयानबाजी करनेवाले नेताओं को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के रुख को जान लेना चाहिए। ललन सिंह ने विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव की इस बात के लिए आलोचना की कि संकट के समय वे राय से बाहर चले जाते हैं। इसके कई उदाहरण हैं। राय में संकट के समय तेजस्वी दृश्य से ओझल हो जाते हैं।

प्रदेश के निजी अस्पतालों में सीएमओ की पर्ची बिना भर्ती होंगे कोरोना मरीज

लखनऊ । कोरोना मरीजों को भर्ती करने के लिए सरकार ने इंटीग्रेटेड कोविड कमांड सेंटर से बेड आवंटन और जिला प्रशासन या सीएमओ की पर्ची की बाध्यता को खत्म कर दिया है। संक्रमित मरीजों की अधिक संख्या को देखते हुए तय किया गया है कि निजी कोविड अस्पतालों में मरीजों को पॉजिटिव रिपोर्ट के आधार पर सीधे भर्ती किया जा सकेगा। यह अस्पताल मात्र दस फीसद बेड श्रेणीवार आरक्षित रखेंगे, जिन पर कंट्रोल एंड कमांड सेंटर के माध्यम से मरीजों को भर्ती कराया जाएगा।

गुरुवार को अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद द्वारा जारी किए गए आदेश में कहा गया है कि भर्ती मरीजों का ब्योरा निजी अस्पतालों द्वारा तत्काल उत्तर प्रदेश सरकार के पोर्टल पर अपडेट करना होगा। मरीज निजी अस्पताल में अपनी सुविधा से जाने के लिए स्वतंत्र होंगे। यदि वह इंटीग्रेटेड कोविड कमांड सेंटर से एंबुलेंस की मांग करेंगे तो संबंधित निजी अस्पताल में भर्ती करने के पत्र के आधार पर तुरंत एंबुलेंस उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए डेडिकेटेड व्हाट्सएप नंबर सार्वजनिक किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी नियमित रूप से निजी अस्पतालों का निरीक्षण कर शासन द्वारा निर्धारित व्यवस्था की निगरानी करेंगे।

वहीं, राजकीय अस्पताल, सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेजों के लिए व्यवस्था अलग रहेगी। स्वास्थ्य विभाग के अस्पताल, राजकीय और निजी मेडिकल कॉलेजों में कोविड मरीजों की भर्ती इंटीग्रेटेड कोविड कमांड सेंटर के माध्यम से की जाएगी। इस प्रक्रिया के लिए 70 फीसद बेड आरक्षित रहेंगे, जबकि बाकी तीस फीसद बेड पर आकस्मिकता के आधार पर अस्पतालों में मरीज भर्ती किए जा सकेंगे। साथ ही कमांड सेंटर के माध्यम से जिला प्रशासन द्वारा जारी किए गए एडमिशन स्लिप को संबंधित अस्पताल के लिए मानना बाध्यकारी होगा। इसका उल्लंघन करने पर कानूनी कार्रवाई होगी। आदेश किया गया है कि कोविड कमांड सेंटर पर चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा भी रोटेशन से एक अधिकारी को तैनात किया जाएगा, जो सभी मेडिकल कॉलेजों के साथ समन्वय करेंगे।

निश्शुल्क इलाज कमांड सेंटर से ही-जिन मरीजों द्वारा निश्शुल्क इलाज का अनुरोध किया जाएगा, उनकी अस्पताल में भर्ती कराने की प्रक्रिया कमांड सेंटर से ही होगी। सेंटर के डाक्टर मरीज की स्थिति के अनुसार अस्पताल आवंटित करेंगे। ऐसे मरीज सीधे कमांड सेंटर पर फोन भी कर सकेंगे, जिसके लिए नंबर सार्वजनिक किया जाएगा। निश्शुल्क इलाज के अनुरोध पत्र के लिए जिला प्रशासन कुछ स्थानों पर काउंटर भी बना सकता है।

मनमाना शुल्क नहीं ले सकेंगे निजी अस्पताल- शासनादेश में स्पष्ट कहा गया है कि निजी अस्पताल सरकार द्वारा निर्धारित दर पर ही मरीजों से शुल्क वसूलेंगे। इसका उल्लंघन करने पर उप्र महामारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन द्वारा निजी अस्पतालों की सूची, बेड की संख्या और निर्धारित दरें समाचार पत्रों में प्रकाशित कराएगा।

लखनऊ में मूक-बधिर महिला संग सामूहिक दुष्कर्म, घर छोड़ने का झांसा देकर की वारदात-दो गिरफ्तार

लखनऊ । गाजीपुर क्षेत्र में एक मूक-बधिर महिला को घर छोड़ने का झांसा देकर बाइक सवार युवक उसे अपने दोस्त के कमरे में ले गया। जहां दोनों ने उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। विरोध पर पीटा और फिर उसे बदहवाश हालात में 1090 चौराहे के पास छोड़कर भाग निकले। पीड़िता की मां की तहरीर पर पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है।

एडीसीपी उत्तरी प्राची सिंह ने बताया कि गाजीपुर क्षेत्र में रहने वाली एक मूक बधिर 35 वर्षीय महिला के पति की मौत हो चुकी है। वह मायके में रहती है। बुधवार शाम वह कुछ सामान लेकर बाजार से लौट रही थी। इस बीच पड़ोस में रहने वाला मोनू कश्यप उसे मिला। बाइक से घर छोड़ने का झांसा देकर उसे गौतमपल्ली में रहने वाले अपने दोस्त दीपू कश्यप के कमरे में पर ले गया। वहां दोनों ने उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। विरोध पर पीटा इसके बाद 1090 चौराहे के पास छोड़कर भाग निकलें। पीड़िता किसी तरह बदहवाश हालत में अपने घर पहुंची। वहां उसने मां से इशारों में सब जानकारी दी। मां ने गाजीपुर थाने पहुंचकर तहरीर देकर गुरुवार को रिपोर्ट दर्ज कराई। इंस्पेक्टर प्रशांत मिश्रा ने बताया कि दोनों आरोपितों को बस्तौली के पास से गिरफ्तार कर लिया गया है।

दो घरों में लाखों की चोरी - कृष्णानगर क्षेत्र के न्यू इंद्रपुरी भोला खेड़ा में सिपाही भीम सिंह के घर का ताला तोड़कर लाखों का माल उड़ा ले गए।

वर्चुअल पेशी में जज के सामने गिड़गिड़ाया मुख्तार अंसारी, बोला- भाजपा कर रही मेरी हत्या की साजिश

वाराणसी । बाहुबली मुख्तार अंसारी के पंजाब की रूपनगर जेल के बांदा जेल में आते ही हालात बदल गए हैं। बहुजन समाज पार्टी के विधायक बाहुबली के बांदा जेल की बैरक नम्बर 15 में जमीन पर लेटने के दौरान रातें करवटें बदल-बदल कर बीत रही हैं। इसी दौरान पांच-पांच दिन पर लगातार वर्चुअल पेशी भी चल रही है। हर बार मुख्तार अंसारी कोर्ट में गिड़गिड़ा रहा है।

मऊ से बसपा विधायक बाहुबली मुख्तार अंसारी की गुरुवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए आजमगढ़ व मऊ कोर्ट में पेशी हुई। आजमगढ़ में मजदूर की हत्या मामले में मुख्तार अंसारी ने बेगुनाही की दलीलें पेश कर उच्च स्तर की जांच की मांग उठाई तो मऊ कोर्ट से जेल मैनुअल के अनुसार सुविधा नहीं मिलने की शिकायत की।

आजमगढ़ में मजदूर की हत्या मामले में विधायक को सुबह पेश होना था, लेकिन कोरोना वायरस संक्रमण के कारण अपर जिला व सत्र न्यायाधीश जितेंद्र यादव के गैंगस्टर कोर्ट में दोपहर 1.10 बजे वर्चुअल सुनवाई हुई। इस 15 मिनट की सुनवाई में आरोपित ने कहा कि मुझे साजिशन फंसाने के लिए तरवां थाना क्षेत्र में हुई हत्या के छह वर्ष बाद गैंगस्टर का मुकदमा दर्ज किया गया है। जज ने सुनवाई की अगली तिथि 24 मई तय की।

इसके बाद आदेश दिया कि विवेचक प्रशांत श्रीवास्तव बांदा जेल जाकर आरोपित का बयान दर्ज कर सकेंगे। मुख्तार अंसारी ने अपने बचाव में कहा कि मजदूर की हत्या के समय वह आगरा जेल में बंद था। 16 वर्ष से गाजीपुर गया ही नहीं। इस केस में गाजीपुर की पेशी को आधार बनाया गया है। भाजपा मेरी हत्या की साजिश रच रही है। मुख्तार ने अपनी जमानत की मांग उठाई, जिस पर न्यायाधीश ने कहा कि प्रार्थनापत्र पड़ेगा तो विचार किया जाएगा। अधिवक्ता दारोगा सिंह, लल्लन सिंह व सीएल निगम ने

भी मुख्तार के पक्ष में दलीलें पेश की। विशेष लोक अभियोजक संजय द्विवेदी व विनय मिश्र भी उपस्थित थे।

आजमगढ़ के तरवां थाना क्षेत्र के ऐरा खुर्द गांव में 2014 में मजदूर की गोली मारकर हत्या की गई थी। इसमें मुख्तार अंसारी को हत्या का षड्यंत्र रचने का नामजद आरोपित बनाया गया। नौ अन्य लोगों के खिलाफ गैंगस्टर का मुकदमा दर्ज किया गया था। ऐसे में माना जा रहा है कि आजमगढ़ पुलिस जल्द ही मुख्तार अंसारी से पूछताछ के लिए बांदा जेल जा सकती है।

मऊ कोर्ट में मुख्तार ने लगाई सुविधा देने की गुहार- मऊ में लेटर पैड पर फर्जी पते से चार लोगों को असलहे देने की सिफारिश मामले में आरोपित मुख्तार की पेशी वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये बांदा जेल से हुई। अधिवक्ता दारोगा सिंह ने बताया कि पेशी की अगली तिथि अब 26 अप्रैल को निर्धारित की गई है। असुविधाओं की शिकायत पर अदालत ने जेल मैनुअल के अनुसार बंदी को सुविधा मुहैया कराने का जेल अधीक्षक को आदेश दिया। उसने जेल मैनुअल 432 की अनदेखी किए जाने की बात रखते हुए अपने लिए सुविधाएं मांगी। जमानत की भी मांग उठाई, जिसपर विद्वान जज ने कहाकि प्रार्थनापत्र पड़ेगा तो विचार किया जाएगा। बांदा जेल में सहमा सा है बाहुबली- बाहुबली विधायक और माफिया मुख्तार अंसारी पंजाब से बांदा जेल में शिफ्ट होने के बाद डरा सहमा है। वह गुरूवार को पेशी के दौरान जज के सामने गिडगिड़ाने लगा। मुख्तार के इस बर्ताव को देख हर कोई दंग रह गया। करीब 20 मिनट तक हुई सुनवाई के दौरान मुख्तार रोने लगा। मुख्तार ने गिड़गिड़ाते हुए जज के सामने खुद को निर्दोष बताया और योगी आदित्यनाथ सरकार पर द्वेष की भावना से कार्रवाई करने का आरोप लगाया। मैं पांच बार का विधायक हूं, मुझसे भाजपा तो लगातार हारी है। सत्ता में आने के बाद मेरी हत्या की साजिश रची जा रही है।

कोरोना प्रोटोकॉल ने बदल दिया विवाह का तरीका, बरात उठने के टाइम तक पूरी हो जा रही शादी की रश्में

गोरखपुर । कोविड प्रोटोकाल को देखते हुए इस समय शाम चार बजे बारात ही बारात निकल जा रही है। पांच बजे से ही पटाखे फूटने लग रहे हैं। छह बजते-बजते नाच गाना हो जा रहा है और रात आठ बजते-बजते वैवाहिक समारोह सम्पन्न हो जा रहा है। सब कुछ कोविड प्रोटोकाल के तहत हो रहा है, लेकिन इसमें किसी का ना मास्क पर ध्यान है और ना ही कोई शारीरिक दूरी मेंटेन कर रहा है। यहां तक कि कई शादियों में पुलिस कर्मियों ने भी खुद लोगों को चेतावनी दी है। बावजूद इसके अभी तक किसी ने ध्यान नहीं दिया है।

कोरोना संक्रमण को ध्यान में रखते हुए हर प्रकार के इंतजाम भी किए हुए हैं। वैवाहिक समारोह में जगह-जगह मास्क, सैनिटाइजर रखे मिल जा रहे हैं, लेकिन इनका उपयोग करता कोई नहीं दिख रहा है। मास्क लोगों की जेब में है और शादी में भी कई जगह काउंटर पर लोगों को लगाने के लिए मास्क रखे गए हैं, लेकिन कोई प्रयोग करता नहीं दिख रहा है। मास्क तो लोग भूले भटके लगा भी ले रहे हैं, लेकिन शारीरिक दूरी का पालन करते कोई नहीं देखा जा रहा है। जबकि कोरोना से बचाव के लिए सभी सरकारी नियम इसी लिए बनाए गए हैं। ताकि इन बेसिक नियमों का पालन हो सके। लोग आठ बजे के भीतर वैवाहिक समारोह संपन्न करा लें ताकि वैवाहिक कार्यक्रमों में अधिक भीड़ ना हो और लोग एक दूसरे से शारीरिक दूरी का पालन कर सकें।

लोग नहीं मान रहे नियम- मास्क लगाकार लोग कोरोना संक्रमण से बचाव कर सकें, लेकिन अनुपालन तो सिर्फ उतने का ही हो रहा है, कि जिस पर कार्रवाई न हो। यहां तक बीते सोमवार को तरंगरोड के पास एक वैवाहिक समारोह में पुलिस कर्मियों ने लोगों को टोका भी था। बावजूद इसके लोग इस पर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

शास्त्रीनगर में तीन दिन पूर्व एक मैरेज हाल मालिक को पुलिस कर्मियों ने हिदायत दी थी कि यदि लोग बिना मास्क के मिले तो उनका पुलिस चालान भी करेगी। लेकिन पुलिस कर्मियों के जाते ही फिर लोग सारे नियमों को दरकिनार कर एक साथ घूमते नजर आ रहे हैं।

मास्क को लेकर पुलिस शहर से लेकर गांव तक कार्रवाई कर रही है। वैवाहिक समारोहों में भी लोग मास्क का अवश्य प्रयोग करें। शारीरिक दूरी का पालन करें। लगातार हाथ को सैनिटाइज करें। अन्यथा पुलिस देखेगी तो कार्रवाई तो करेगी ही। वैवाहिक समारोहों में लोग अब टोके नहीं जाएंगे, बल्कि सीधे कार्रवाई होगी। लोगों की जिंदगियां बचाना है।

बिहार में कोरोना के नए स्ट्रेन को लेकर खतरनाक खुलासा, पटना एम्स की आइसीयू से लौट रहे महज 20फीसद मरीज

पटना । बिहार में कोरोनावायरस संक्रमण को लेकर यह खतरनाक खुलासा है। पटना के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान की सघन चिकित्सा इकाई में भर्ती होने वाले कोरोना संक्रमितों में महज 20 फीसद ही स्वस्थ होकर घर लौट पा रहे हैं। यह आंकड़ा 2021 में मिले कोरोनावायरस के नए स्ट्रेन को लेकर हुए अध्ययन में सामने आया है। जो 20 फीसद मरीज स्वस्थ हो रहे हैं, उन्हें भी अन्य परेशानियों की वजह से कुछ दिन और उपचार की जरूरत पड़ रही है।

कोरोना के नए स्ट्रेन से मल्टी ऑर्गेन डिसआर्डर- पटना एम्स पल्मोनरी मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. दीपेंद्र कुमार राय ने बताया कि जो मरीज आइसीयू में भर्ती हो रहे हैं, उन्हें किडनी, लंग्स और लिवर की परेशानियों से जूझना पड़ रहा है। 70 फीसद मरीजों में किडनी, सौ फीसद

मरीजों में लंग्स और 60 फीसद मरीजों में लिवर की परेशानी हो रही है। मेडिसीन विभागाध्यक्ष डॉ. रवि ने बताया कि नया स्ट्रेन मल्टी ऑर्गेन डिसआर्डर का कारण बन रहा है। इसके कारण मरीज की मौत हो जा रही है।

इस बार कम स्वस्थ हो रहे आइसीयू में भर्ती मरीज- एनेस्थीसिया विभागाध्यक्ष व एम्स के डीन डॉ. उमेश भदानी ने बताया कि पिछले साल भी आइसीयू में भर्ती होने वाले मरीजों की हालत ज्यादा गंभीर होती थी, लेकिन इस बार स्वस्थ होने वालों की संख्या कम है। बेड की कमी के कारण बाहर में ही मरीज कई दिनों तक रह जाते हैं और जब तक भर्ती होते हैं, स्थिति संभलने लायक नहीं रह जाती है। इसी वजह से अधिक लोगों की मौतें हो रही हैं।

100 फीसद ऑक्सीजन पर भी बेहतर स्थिति नहीं- विशेषज्ञ बताते है कि पिछले वर्ष मरीज छह-सात दिनों में ऑक्सीजन देने के बाद बेहतर रिस्पांस करते थे। वे स्वस्थ होकर घर लौट जा रहे थे। इस बार आइसीयू में जो मरीज जा रहे है, उन्हें दवाएं व प्लाज्मा देने के बाद भी स्वस्थ नहीं किया जा पा रहा है। सौ फीसद ऑक्सीजन व दवाएं भी बेहतर परिणाम नहीं दे पा रही हैं। डॉ. दीपेंद्र राय ने बताया कि बड़ी परेशानी यह भी है कि इलाजरत 20 फीसद मरीज मानसिक रूप से टूट जा रहे हैं।

पटना में बड़ा हादसा- पीपा पुल से गंगा में गिरी गाड़ी, नौ शव निकाले गए; आठ लोग अब भी लापता

पटना/दानापुर । बिहार की राजधानी पटना में शुक्रवार की अल सुबह बड़ा हादसा हो गया है। यहां एक सवारी गाड़ी गंगा में डूब गई। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और स्थानीय गोताखोरों की मदद से अब तक नौ लोगों के शव गंगा से नकिाले जा चुके हैं। अभी सात से आठ और लोगों के लापता होने की आशंका जताई जा रही है। यह हादसा दानापुर के समीप बने पीपा पुल पर हुआ। हादसे के करीब दो से ढाई घंटे देर से बचाव दल मौके पर पहुंचा। करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद गोताखोरों ने गाड़ी को ढूंढ निकाला। अब गाड़ी को क्रेन के जरिये नदी से बाहर निकाल लिया गया है। कुछ शवों के नदी में बहने की आशंका जाहिर की जा रही है।

सारण जिले का रहने वाला है पीड़ित परिवार- बताया जाता है कि सारण (छपरा) जिले के अकिलपुर निवासी मदन सिंह के पुत्र राकेश का 21 अप्रैल को

तिलक हुआ था। 26 अप्रैल को शादी होनी है। इनका परिवार दानापुर के चित्रकुटनगर में रहता है। पटना में गंभीर कोरोना संक्रमण को देखते हुए शादी का कार्यक्रम गांव से हो रहा था। तिलक के बाद मदन सिंह के रिश्तेदार व परिवार के लोग दानापुर आ रहे थे। सुबह वे लोग गांव से चले थे। स्वजनों के मुताबिक गाड़ी पर अरविंद सिंह, रमाकांत सिंह, गीता देवी, उमाकांत सिंह की पत्नी अनुरागो देवी, उनके पोता-पोती और सरोज देवी आदि सवार थे। उसी गाड़ी पर सुजीत सिंह मनोज व सिताब राय भी थे। ये दोनों किसी तरह जान बचा निकल पाये।

क्षेत्रीय सांसद रामकृपाल यादव और दानापुर के विधायक रीतलाल यादव, पूर्व विधायक आशा सिन्हा, मुखिया सुभाष राय, अपर अनुमंडलाधिकारी हर्ष प्रियदर्शी भी मौके पर पहुंच गए हैं। बताया जा रहा है कि गाड़ी में बच्चे और महिलाएं सहित करीब 10 लोग सवार थे। दो लोग गाड़ी की छत पर भी बैठे थे, जिन्होंने कूदकर अपनी जान बचा ली। बताया जा रहा है कि पुल से गुजरती पिकअप वैन अचानक गंगा में गिर गई। बताया जा रहा है कि गंगा की तेज धार में गाड़ी पुल के एक साइड से बहकर दूसरी साइड चली गई थी। इसकी वजह से उसे ढूंढने में काफी देरी हुई। क्रेन के सहारे गाड़ी को नदी से बाहर निकाल लिया गया है।

अकीलपुर से दानापुर की तरफ आ रही थी गाड़ी- गंगा में डूबने वाले वाहन पर सवार सभी लोग एक शादी समारोह से लौट रहे थे। यह हादसा अकीलपुर से दानापुर की तरफ लौटते वक्त शुक्रवार की सुबह हुआ। गाड़ी को गंगा में समाते देखकर पुल से गुजर रही दूसरी गाड़ियों पर सवार लोग भौंचक रह गए। तत्काल वहां काफी भीड़ लग गई। इसी बीच कुछ लोगों ने प्रशासन को सूचना दी।

तिलक चढ़ाकर लौट रहे थे सभी लोग- बताया जा रहा है कि गुरुवार की रात अकीलपुर के रहने वाले विक्रम सिंह के भतीजे राजेश का तिलक था। गंगा में डूबने वाली गाड़ी पर सवार इसी कार्यक्रम से लौट रहे थे। हादसे की खबर के बाद शादी वाले घर के लोग सन्न हैं तो पीड़ितों के घर हाहाकार मच गया है।

पुल की हालत काफी जर्जर, पहले भी हो चुका है हादसा- दानापुर के पीपा पुल की हालत काफी जर्जर है। यहां पहले भी हादसा हो चुका है। इससे पहले एक ट्रैक्टर पुल से गंगा में गिर गया था। दानापुर की साइड में पुल का अप्रोच रोड भी सही तरीके से नहीं बनाया गया है। दानापुर के साइड में काफी तेज ढलान होने के कारण यहां वाहनों के फिसलने का डर हमेशा बना रहता है। यह पुल स्टील प्लेट से बना है, जिसपर वाहनों के फिसलने की आशंका हमेशा रहती है। शुक्रवार को हुए हादसे की वजह भी यही बताई जा रही है।

जम्मू के सरकारी अस्पताल में कोविड -19 परीक्षण के लिए अपनी बारी के इंतजार में लोग लाइन में लगे हुए।

विरार में आग लगने के बाद एक कोविड -19 मरीज को अस्पताल से बाहर निकाला गया, आग में तेरह कोविड -19 रोगियों की मौत हो गई।

बेंगलुरु में कोरोना वायरस के मामलों में वृद्धि के बीच सुमनमनहल्ली श्मशानघाट के पास खड़ी एम्बुलेंस ।

एक नजर

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सभी चुनावी सभाओं को किया रद, अब ऑनलाइन करेंगी संबोधित

कोलकाता । कोरोना वायरस के बढ़ते मामले को देखते हुए निर्वाचन आयोग द्वारा बंगाल में बाकी बचे चरणों के चुनाव प्रचार में वाहन रैलियों एवं पदयात्रा आदि पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपनी पूर्व-निर्धारित सभी चुनावी सभाओं को रद कर दिया। बनर्जी ने कहा कि अब वह ऑनलाइन ही जनता को संबोधित करेंगी। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने ट्वीट कर कहा, देशभर में कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों और निर्वाचन आयोग के 22 अप्रैल 2021 के आदेश के मद्देनजर मैं अपनी पूर्व निर्धारित सभी चुनावी सभाओं को रद करती हूं और लोगों से ऑनलाइन माध्यम से संपर्क करूंगी। उन्होंने कहा कि उनकी ऑनलाइन सभाओं का विवरण जल्द ही साझा किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि हाई कोर्ट के फटकार के बाद बंगाल में चुनाव प्रचार के दौरान कोविड बचाव नियमों के उल्लंघन का संज्ञान लेते हुए निर्वाचन आयोग ने गुरुवार शाम को आदेश जारी कर राज्य में तत्काल प्रभाव से पदयात्रा, रोड शो और वाहन रैलियों के आयोजन पर रोक लगा दी। साथ ही कहा कि किसी भी जनसभा में 500 से अधिक लोगों को अनुमति प्रदान नहीं की जाएगी। आदेश में कहा गया कि आयोग ने पाया है कि कई राजनीतिक दल एवं उम्मीदवार अभी भी जनसभा के दौरान सुरक्षा नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं।यह आदेश गुरुवार शाम सात बजे से लागू किया गया है। अपनी संवैधानिक शक्तियों का उपयोग करते हुए निर्वाचन आयोग ने राज्य में भौतिक रूप से प्रचार पर ताजा प्रतिबंध लगा दिए हैं। बंगाल में अभी 26 और 29 अप्रैल को अंतिम दो चरणों का मतदान होना है।

केंद्रीय मंत्री शेखावत का मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला, कहा- दीदी के लिए खेल है बंगाल की दुर्दशा

कोलकाता। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला है। शेखावत ने कहा कि मैं कोई खिलाड़ी नहीं हूं, लेकिन मैं खेलना जानती हूं÷ कहने वाली ममता दीदी 10 साल से बंगाल के साथ खेल ही तो कर रही हैं। गुरुवार को केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बंगाल की दुर्दशा इनके लिए खेल है। बंगाल में फैला भय इनके लिए खेल है। बंगाल में पनपता अपराध इनके लिए खेल है, लेकिन अबकी बार इस खेल में बंगाल जीतेगा और दीदी हारेगी। शेखावत ने कहा कि ममता दीदी की भाषा कभी संयमित नहीं रही। प्रधानमंत्री और गृहमंत्री के लिए गुंडा शब्द प्रयोग में लाना देश के शीर्ष पदों का अपमान करना है। उन्होंने कहा कि यह बंगाल का अपमान है। यह देश का अपमान है। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने नसीहत देते हुए कहा कि ममता दीदी, आप जय श्रीराम का जाप कीजिए, आपके हिंसक विचारों को शांति मिलेगी। बताते चलें कि बंगाल में चुनाव के मद्देनजर केंद्रीय मंत्री शेखावत काफी समय से यहां डेरा डाले हुए हैं और लगातार भाजपा की जीत के लिए चुनाव प्रचार में जुटे हैं।

भुवनेश्वर में रेस्टोरेंट में खाने पर पाबंदी : बीएमसी ने बढ़ाई रैपिड रेस्पांस टीम की संख्या, प्रत्येक जोन के लिए 13 टीम का गठन

भुवनेश्वर । रेस्टोरेंट में बैठकर खाने के शौकीन हैं तो अब यह आपका शौक फिलहाल पूरा नहीं होने वाला है क्योंकि भुवनेश्वर नगर निमग (बीएमसी) ने राजधानी भुवनेश्वर में इस पर रोक लगा दी है। हालांकि आप चाहेंगे तो यही खाना आनलाइन अपने घर पर पार्सल मंगा सकते हैं। बढ़ते कोरोना संक्रमण को देखते हुए विशेष राहत आयुक्त ने इस संदर्भ में 19 अप्रैल को ही निर्देशनामा जारी किया था, जिसे अब बीएमसी ने सख्ती से लागू कर दिया है। वहीं दूसरी तरफ बीएमसी क्षेत्र में रैपिड रेस्पांस टीम (आरआरटी) की संख्या को बढ़ा दिया गया है। बीएमसी के 67 वार्ड के लिए 39 टीम का गठन किया गया है। तीन जोन में विभक्त बीएमसी के प्रत्येक जोन के लिए 13 टीम बनायी गई है। प्रत्येक टीम में एक डाक्टर, एक कोरोना के बारे में जानकार व्यक्ति तथा एएनएम को शामिल किया गया है। यह टीम घर घर जाएगी और लोगों के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी हासिल करेगी, तथ्य संग्रह करेगी तथा दवा बांटने के कार्य में भी इस टीम को नियोजित किया जाएगा। इंटरनेट मीडिया एवं व्हाटसएप ग्रुप के जरिए यह टीम व्यवस्था को नियंत्रित करेगी। पहले प्रत्येक जोन में 8 के हिसाब से 24 रैपिड रेस्पांस टीम थी। वर्तमान यह संख्या बढ़ाकर 39 कर दी गई है। उसी तरह से कंट्राक्ट ट्रेसिंग टीम की संख्या को भी बढ़ा दिया गया है। विशेष कोविड एम्बुलेंस संख्या को भी 18 से बढ़ाकर 28 कर दिया गया है।

कोरोना महामारी के बीच बढ़ी नारियल पानी की मांग : फिर भी किसानों को नहीं मिल रहा है फायदा

भुवनेश्वर । सरकारें एवं परिस्थितियां बदलती रहती हैं, मगर नहीं बदलता है तो देश के किसानों का भाग्य। समय के साथ किसानों द्वारा उत्पादित सामग्री की कीमत तो बढ़ती है मगर इस बढ़ी हुई कीमत का सही मायने में लाभ जिसे मिलना चाहिए उसे नहीं मिलता है और आज ऐसा ही कुछ ओडिशा के नारियल किसानों के साथ भी होता दिख रहा है।

फायदेमंद है नारियल पानी -कोरोना महामारी के बीच नारियल की मांग भी बढ़ी है क्योंकि नारियल के एंटीऑक्सीडेंट्स और पोषक तत्व आपके शरीर के लिए फायदेमंद तो होते ही हैं, नारियल पानी में कम कैलोरी होने की वजह से ये वजन घटाने में भी मदद करता है। सामान्यतः एक नारियल में लगभग 200 से 250 मिलीलीटर पानी होता है। इस पानी में पोटैशियम, मैग्नीज, सोडियम, कैल्शियम के अलावा प्रोटीन और फाइबर भी होता है, ऐसे में कोरोना महामारी के बीच नारियल पानी की मांग तेजी से बढ़ गई है। हालांकि इस बढ़ी हुई मांग का फायदा होल सेलर एवं रिटेलर तो उठा रहे हैं, इसका लाभ किसानों को नहीं मिल रहा है।

तीन गुणा बढ़ जाती है नारियल की कीमत -जानकारी के मुताबिक ओडिशा में एक नारियल के बदले इसकी बागवानी करने वाले किसान को 10 से 12 रुपये मिलता है, जो यहीं पर खुले बाजार में 30 से 35 रुपये में बेचा जा रहा है। अर्थात किसान से उपभोक्ता तक पहुंचने में नारियल की कीमत तीन गुणा बढ़ जाती है। परास्नातक, कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, आईआईटी, खड़गपुर एवं सह संस्थापक ग्राम समृद्धि ट्रस्ट विशाल सिंह ने दैनिक जागरण से बात करते हुए बताया कि नारियल का व्यापार एक दो नहीं बल्कि चारण चरण में होता है। पहला है कि किसान से संग्रहकर्ता एक नारियल 10 से 12 रुपये में खरीदता है और फिर दुसरा वही संग्रहकर्ता होलसेलर को प्रति नारियल 12 से 15 रुपये के हिसाब से बेचता है। इसके बाद तीसरा होलसेलर प्रदेश के साथ अन्य राज्यों में ले जाता है और उसे रिटेलर को 18 से 20 रुपये या फिर बाजार के हिसाब से और अधिक दर में बेचता है। इसके बाद चौथा फिर रिटेलर उसी नारियल को 30 से 35 या फिर इससे भी अधिक दर में बेचता हैं।

वैश्विक निवेश शिखर सम्मेलन तीसरे साल भी स्थगित, 2019 में आयोजन का था प्रस्ताव

जम्मू । केंद्र शासित जम्मू कश्मीर प्रदेश के औद्योगिक व आर्थिक विकास के लिए प्रस्तावित वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन को प्रदेश प्रशासन ने एक बार फिर अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया है। कारण, कोरोना महामारी का संकट। परिस्थितियों के सामान्य रहने पर प्रदेश सरकार इसे मई-जून में आयोजित करने पर गंभीरता से विचार कर रही थी। अलबत्ता, निवेशक सम्मेलन को स्थगित किए जाने पर जम्मू कश्मीर ट्रेड प्रोमोशन आर्गेनाईजेशन(जेकेटीपीओ) ने कोई अधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। जेकेटीपीओ और उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के अधिकारी भी इस मुद्दे पर बातचीत से कतराते हैं।

अपको बता दें कि जम्मू-कश्मीर के आर्थिक व औद्योगिक विकास को सुनिश्चित बनाने के लिए देश-विदेश के पूंजी निवेशकों को आकर्षित करने के लिए जम्मू-कश्मीर में वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन की एक योजना 2018 के अंत मे तैयार की गई थी। इसके मुताबिक यह सम्मेलन सितंबर-अक्तूबर 2019 में आयोजित करने का प्रस्ताव था, लेकिन पांच अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम लागू किए जाने से उपजे हालात को देखते हुए इसे स्थगित किया गया। इसके बाद फरवरी 2020 में केंद्र शासित जम्मू कश्मीर प्रदेश सरकार ने इसके आयोजन की तैयारियों को फिर गति दी और देश-विदेश में निवेशकों को आकर्षित करने के लिए रोड शो और सम्मेलन आयोजित किए गए।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक समिति भी बनाई गई। इसके आयोजन के लिए श्रीनगर में होटलों की बुकिंग भी शुरु कर दी गई और अप्रैल 2020 में इसके आयोजन का फैसला हो गया, सिर्फ तिथि का एलान करना शेष था। लेकिन कोविड-19 संक्रमण से निपटने के लिए लागू लॉकड़ाउन के कारण सम्मेलन स्थगित कर दिया गया।

जेकेटीपीओ से जुड़े सूत्रों ने बताया कि प्रदेश प्रशासन ने एक बार फिर वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन की तैयारियां शुरु कर दी थी। बीते दो माह से इसके लिए लगातार कवायद हो रही थी। इसे मई के दूसरे पखवाड़े में या फिर जून के पहले सप्ताह में आयोजित किए जाने संभावनाओं पर मंथन भी हो रहा था। इसके अलावा प्रदेश सरकार ने उन सभी निवेशकों व कंपनियों के साथ दोबारा संपर्क बनाना शुरु कर दिया था जिन्होंने बीते साल जम्मू-कश्मीर वैश्विक निवेशक सम्मेलन में हिस्सा लेने और जम्मू-कश्मीर में निवेश की इच्छा जताई थी।

उन्होंने बताया कि बीते एक 10 दिनों के दौरान निवेशक शिखर सम्मेलन के मुद्दे पर लगभग सभी प्रकार की चर्चा और कवायद एक तरह से बंद हो चुकी है। कोविड-19 संक्रमण की दूसरी लहर के बढ़ते प्रकोप के मद्देनजर प्रदेश सरकार अब प्रस्तावित सम्मेलन को इस महामारी के संकट के पूरी तरह दूर होने के बाद ही आयोजित करना चाहती है। कोरोना संकट के बीच न कोई निवेशक और उद्योगपति जम्मू-कश्मीर में आना चाहेगा और न प्रशासन इस तरह के आयोजन पर अपना ध्यान लगाना चाहता है। उन्होंने बताया कि बीते साल जब देश-विदेश में शिखर सम्मेलन को लेकर एक अभियान चलाया गया था तो विभिन्न कंपनियों के साथ 23152 करोड़ रूपये के निवेश से संबधित 456 एमओयू तय किए गए थे।

सीमा पर बीएसएफ अलर्ट : बड़ी संख्या में अपराधियों के पकड़े जाने से तस्करी में आई भारी गिरावट

कोलकाता । बंगाल में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सीमा पार से या सीमावर्ती क्षेत्र में सक्रिय अराजक तत्व चुनाव में किसी प्रकार की गड़बड़ी ना फैला सके इसके लिए भारत-बांग्लादेश सीमा पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) पूरी तरह अलर्ट है। दक्षिण बंगाल के जिलों से लगती 913 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे संवेदनशील क्षेत्रों में मतदान से पहले बीएसएफ के दक्षिण बंगाल फ्रंटियर के अलर्ट पर बड़ी संख्या में यानी 80 से ज्यादा अपराधियों की धरपकड़ की गई।

साथ ही बीएसएफ की ओर से चलाए जा रहे शून्य तस्करी अभियान के तहत जवानों ने इस साल अब तक जनवरी से लेकर मध्य अप्रैल के बीच महज चार माह से भी कम समय में इस बॉर्डर इलाके से 189 तस्करों को गिरफ्तार किया है। इसके फलस्वरूप इस बॉर्डर क्षेत्र में चुनाव के दरम्यान तस्करी की घटनाओं में भारी गिरावट आई है।

गौरतलब है कि बंगाल के पांच जिले-उत्तर व दक्षिण 24 परगना, नदिया, मालदा व मुर्शिदाबाद जिले की सीमाएं यहां से लगती है। यह सीमावर्ती क्षेत्र बेहद ही संवेदनशील हैं और राजनीतिक हिंसा व आपराधिक क्रियाकलापों के लिए कुख्यात है। साथ ही यह बॉर्डर इलाका दशकों से तस्करी वह घुसपैठ के लिए कुख्यात रहा है। इनमें मालदा व मुर्शिदाबाद जिले में सातवें चरण में 26 अप्रैल को मतदान होना है। एक वरिष्ठ बीएसएफ अधिकारी ने बताया कि इनमें सबसे ज्यादा अपराधियों की धरपकड़ मालदा व मुर्शिदाबाद जिले से ही हुई है। दरअसल इन जिलों के सीमावर्ती क्षेत्रों व इससे लगती सीमा के उस पार बड़ी संख्या में कट्टरपंथी तत्व सक्रिय है, जो हर बार चुनाव में गड़बड़ी फैलाते रहे हैं। हालांकि इस बार बीएसएफ ने पहले ही उन पर नकेल कस कर रख दिया।

दक्षिण बंगाल फ्रंटियर के प्रवक्ता व डीआइजी सुरजीत सिंह गुलेरिया ने बताया कि चुनाव प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही सीमावर्ती क्षेत्र में सक्रिय अपराधियों की सूची बीएसएफ द्वारा पुलिस को सौंप दी गई थी। इसके बाद पुलिस ने अब तक कम से कम 80 अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इसमें कई कुख्यात अपराधी है। साथ ही पकड़े गए अपराधियों में से कई तस्करी व अन्य प्रकार के सीमा अपराधों में भी शामिल रहे है।बीएसएफ डीआइजी ने बताया कि चुनाव के मद्देनजर सीमा पर हम अतिरिक्त सतर्कता बरत रहे हैं और हमारे जवान दिन-रात कड़ी निगरानी रख रहे हैं।

वहीं, चुनाव के बीच बड़ी संख्या में अपराधियों व तस्करों के पकड़े जाने से हाल के दिनों में इस सीमा के जरिए तस्करी में भारी गिरावट दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि इस बॉर्डर क्षेत्र में पहले जहां हर दिन तस्करी की कई कोशिशें की जाती थी, जो इस समय इक्का-दुक्का हो रही है।

बेहद ही चुनौतीपूर्ण कार्य है इस बॉर्डर की सुरक्षा - बताते चलें कि इस बॉर्डर इलाके के कम से कम 45 फीसद क्षेत्र में अब तक फेंसिंग (बाड़) भी नहीं लगी है। फेंसिंग नहीं होने के चलते अपराधियों व घुसपैठियों के लिए आवाजाही व तस्करों को अपनी गतिविधियों को अंजाम देने में आसानी होती है, ऐसे में इस बॉर्डर इलाके की सुरक्षा बीएसएफ के लिए बेहद ही चुनौतीपूर्ण कार्य है। लेकिन तमाम चुनौतियों के बावजूद दक्षिण बंगाल फ्रंटियर के बीएसएफ जवानों ने उन पर शिकंजा कस दिया है।

वर्ष 2014 की विनाशकारी बाढ़ से नष्ट बुनियादी ढांचे की पुनर्बहाली के लिए निर्धारित राशि पर रोक

जम्मू । वर्ष 2014 की विनाशकारी बाढ़ से नष्ट हुई बुनियादी ढांचागत सुविधाओं की पुनर्बहाली के लिए प्रधानमत्री विकास पैकेज के तहत घोषित नीधि पर केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने फिलहाल तथाकथित तौर पर रोक लगा दी है। जम्मू-कश्मीर प्रदेश प्रशासन ने इस पर एतराज जताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री के संज्ञान में यह मामला लाया है। उच्च पदस्थ सूत्रों ने बताया कि 2014 की बाढ़ से प्रभावित व नष्ट हुए बुनियादी ढांचे की बहाली के लिए जम्मू-कश्मीर प्रशासन को दी जाने वाली 800 करोड़ की राशि जारी नहीं की है। यह राशि पेयजल आपूर्ति, बिजली आपूर्ति, स्वास्थ्य सेवा और सड़कों के निर्माण और मुरम्मत पर खर्च की जानी है।

प्रधानमंत्री विकास कार्यक्रम के तहत जम्मू कश्मीर में कार्यान्वित किए जा रहे कार्यों की स्टेटस रिपार्ट के मुताबिक पैकेज के तहत संबधित परियोजना के लिए दो हजार करोड़ की राशि आबंटित की गई है। इसमें से केंद्र सरकार ने सिर्फ 1178.34 करोड़ रूपये ही जम्मू कश्मीर प्रदान किए हैं।

शेष 811.64 करोड़ रुपये की राशि को अभी तक जारी नहीं किया गया है। नीति आयोग ने केंद्रीय वित्त मंत्रालय को बार बार आग्रह किया हैकि वह यह राशि जारी करे। इसके बावजूद यह पैसा जारी नहीं किया जा रहा है। हालांकि जम्मू कश्मीर प्रदेश प्रशासन ने नीति आयोग को 2019 में 560 करोड़ रूपये को इस्तेमाल किए जाने के संदर्भ में एक उपयोगिता प्रमाणपत्र भी सौंपा है।

नीति आयोग ही वर्ष2014में जम्मू कश्मीर में आई विनाशकारी बाढ़से हुए नुक्सान की भरपाई और नष्ट अथवा क्षतिग्रसत बुनियादी ढांचे की मुरम्मत, जीर्णोद्धार और पुनर्बहाली के लिए प्रधानमंत्री विकास कार्यक्रम के तहत जारी कार्यों की निगरानी कर रहा है। नीति आयोग की सिफारिशों के आधार पर ही केंद्रीय वित्तमंत्राल उपरोक्त परियोजना के तहत कार्यों को पूरा करने के लिए धनराशि जारी करता है। वर्ष 2017 में नीति आयोग के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने जम्मू कश्मीर दौरा कर श्रीनगर व जम्मू में प्रधानमंत्री विकास कार्यक्रम के तहत जारी कार्यों का मौके पर जायजा लिया था।सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री विकास पैकेज के तहत जम्मू कश्मीर को बाढ़ से क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे की मुरम्मत के लिए आबंटित राशि का एक बड़ा हिस्सा रोके जाने का नोटिस लेते हुए उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने गृहमंत्री और वित्त मंत्री के साथ 12 दिसंबर 2020 को भी चर्चा की थी।

महानगरों में घरेलू सहायिकाओं पर पड़ रही दोहरी मार, मेड को सुरक्षित किए बगैर महामारी पर काबू मुश्किल

मुंबई । मुंबई और दिल्ली जैसे देश के महानगरों में कोरोना संक्रमण के तेजी से विकराल रूप लेने में घरों में काम करने वाली घरेलू सहायिकाओं (मेड) पर दोहरी मार पड़ रही है। एक तरफ तो उनका काम छिनता जा रहा है और दूसरी ओर उन्हें काम पर बुलाने की स्थिति में भी लोग इन मेड को अपने खर्च पर कोरोना की जांच और वैक्सीन लगवाने को कहते हैं। देश की पांच करोड़ घरेलू सहायिकाओं के कारण इस महामारी पर काबू करना कठिन और जटिल होता जा रहा है।

एक साथ कई परिवार हो जाते हैं संक्रमण के शिकार - दूसरों के घरों में खाना बनाने वाली, साफ-सफाई करने वाली इन मेड के कोरोना से संक्रमित होने की स्थिति में एक साथ कई परिवार संक्रमण का शिकार हो जाते हैं। इसलिए इन घरेलू सहायिकाओं को कोरोना परीक्षण में निगेटिव आना जरूरी है। अपनी रोजी-रोटी चलाने के लिए वरीयता के आधार पर उन्हें कोविड-रोधी वैक्सीन लगवाना जरूरी है।

शहरों में हालात- कई शहरों की बहुमंजिला इमारतों और सोसाइटियों

के बाहर घरेलू सहायिकाओं की जांच के लिए कैम्प लगा रहे हैं लेकिन वहां के कई निवासी ऐसे भी हैं जो चाहते हैं कि यह घरेलू सहायिकाएं अपने खर्च पर टेस्ट और इलाज कराएं।

अब दिए जा रहे यह फरमान- अब कहा जा रहा है कि जो महिलाएं अपने घरों में लाकडाउन के दौरान घरेलू सहायिकाओं से कामकाज कराना जारी रखना चाहती हैं, उन्हें हर हालत में यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके घर और बिल्डिंग में आने वाली मेड कोरोना से संक्रमित नहीं हैं और उसे संबंधित सभी प्रोटोकाल का अक्षरशः पालन करना होगा।

छिनती जा रही आजीविका- दिल्ली की एक मेड अनुपमा दास ने फोन पर बताया कि वैश्विक महामारी के दौरान मेरा पहले ही बहुत सारा काम जा चुका है। महीने की कमाई कम हो गई है। कोरोना काल से पहले दास लोगों के घरों में खाना बनाती थी। उनके घर और कपड़े साफ करती थी। चार घरों में काम करके आराम से महीने के बारह हजार रुपये कमा लेती थी। अब उसकी कमाई घटकर तीन हजार रुपये महीना ही रह गई है। अब वह केवल एक घर में काम कर रही है।

कैसे उठाएं अतिरिक्त खर्च

अनुपमा ने कहा कि जिन लोगों ने पिछले साल लाकडाउन के दौरान उसे एक पैसा नहीं दिया, वह अब उसे टेस्ट कराने को कह रहे हैं। लेकिन एक साल तक कोई काम नहीं होने के बाद मैं यह अतिरिक्त खर्चे कैसे उठा सकती हूं ध्यान रहे कि अब वैक्सीन की कीमत भी छह सौ रुपये हो गई है। मुंबई और दिल्ली-एनसीआर के पॉश इलाकों की हाईराइज बिल्डिंगों में सौ-सौ तक फ्लैट होते हैं। इन सभी घरों में मेड के अलावा मेंटेनेंस वालों से लेकर अन्य कई मेहमान तक आते जाते रहते हैं और यहां के रहने वालों को संक्रमित कर सकते हैं।

सेना की सतर्कता से बड़ा हादसा टला, पुलवामा सर्कुलर रोड मिली आइईडी निष्क्रिय की

श्रीनगर । कश्मीर घाटी में आतंकवादियों पर कसते सुरक्षाबलों के शिकंजे से आतंकवादी संगठन तिलमिला रहे हैं। ये आतंकवादी किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं, जिससे सुरक्षाबलों व लोगों में यह संदेश जाए कि वे अभी भी जब चाहें कहीं भी हमला कर सकते हैं। वहीं सेना के सतर्क जवान अपनी जांबाजी व चौकसी से हर आतंकवादी मंसूबों पर पानी फेर रहे हैं। आज सुबह दक्षिण कश्मीर के जिला पुलवामा में आतंकवादियों ने सेना की कानवाई को निशाना बनाने के इरादे से सर्कुलर रोड पर आइईडी का समय रहते पता लगाकर जवानों ने बड़े हादसे को टाल दिया।

पुलिस ने बताया कि जिला पुलवामा में सर्कुलर रोड के साथ ही आतंकवादियों ने एक शक्तिशाली आइईडी लगाई हुई थी। अकसर इस मार्ग पर सुबह सेना की मूवमेंट रहती है। आतंकवादी इस बारे में जानते थे। सेना की कानवाई को निशाना बनाने के इरादे से लगाई गई इस आइईडी का समय रहते पता लगा दिया गया। कानवाई के गुजरने से पहले सेना की रोड ओपनिंग पार्टी जब गश्त लगाते हुए यहां से गुजरी तो उन्होंने एक संदिग्ध वस्तु सड़क किनारे देखी। उन्हें शक हुआ कि यह विस्फोटक हो सकता है।

उन्होंने तुरंत इस बारे में बम निष्क्रिय दस्ते को सूचित किया। सर्कुलर रोड पर वाहनों की आवाजाही को बंद कर दिया गया। सेना ने इस बीच आसपास के इराके की घेराबंदी कर आइईडी स्थापित करने वाले आतंकियों की तलाश भी शुरू कर दी। वहीं मौके पर पहुंचे सेना के निष्क्रिय दस्ते ने बड़ी ही सावधानी के साथ आइईडी को अपने कब्जे में लिया और उसे सुरक्षित जगह पर ले जाकर निष्क्रिय बना दिया। सैन्य अधिकारी ने बताया कि यह आइईडी बड़ी शक्तिशाली थी।

यदि आतंकी अपने मंसूबे में कामयाब हो जाते तो इससे काफी नुकसान होने की संभावना थी। आइईडी के निष्क्रिय होते ही सर्कुलर रोड पर वाहनों की आवाजाही को बहाल कर दिया गया।

राजस्थान में कोरोना के 14468 नए मामले और 59 मौतें, जानें-किस जिले में कितने मामले

जयपुर । राजस्थान में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस के 14468 संक्रमित मिलने के साथ ही 59 लोगों की मौत हुई है। इसी के साथ प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या चार लाख 67 हजार 875 हो गई। वहीं, मृतकों की संख्या 3389 हो गई। प्रदेश में एक्टिव केसों की संख्या एक लाख सात हजार 157 है। अस्पतालों में उपचार के बाद वीरवार को 3618 मरीजों को घर भेज दिया गया। 24 घंटे में सबसे ज्यादा 2317 कोरोना संक्रमित जयपुर, 1921 जोधपुर, 1126 कोटा, 1215 उदयपुर जिले में मिले हैं। शेष सभी 29 जिलों में तीन अंकों में मरीज मिले हैं। मृतकों में जयपुर में 11, जोधपुर में 10, कोटा में छह, उदयपुर में पांच, नागौर, सवाई माधोपुर, सिरोही, झालावाड़, झुंझुनूं जिलों में दो-दो, अजमेर, अलवर, बारां, बाड़मेर, डूंगरपुर, जालौर व सीकर में एक-एक की मौत हुई है।

इसी बीच, कोरोना महामारी में रेमडेसिविर इंजेक्शन की भारी मांग होने से कालाबाजारी बढ़ गई है। महंगे दामों में इंजेक्शन बेचे जा रहे हैं। इसी बीच, जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की क्राइम ब्रांच ने वीरवार को कार्रवाई करते हुए तीन युवकों को इंजेक्शन की कालाबाजारी के मामले में गिरफ्तार किया है। इनमें से एक तो कोरोना पॉजिटिव होने के बावजूद इंजेक्शन बेच रहा था। वह निजी अस्पताल में फार्मासिस्ट की नौकरी करता है। पुलिस की टीम ने बोगस ग्राहक बनकर मेडिकल की दुकानों व अस्पतालों में ऑपरेशन कर इसका खुलासा किया है। ये इंजेक्शन 15 हजार रुपये में जरूरतमंदों को बेचे जा रहे थे।

इससे पहले इसी तरह के मामले में शहर के मुरलीपुरा इलाके में एक मेडिकल स्टोर के संचालक सहित सात लोगों को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस उप अधीक्षक दिगंत आनंद ने बताया कि वीरवार को पकड़े गए तीन लोगों में राजपाल मीणा, शाहरूख खान व रामवतार यादव शामिल हैं। इधर, नाइट कर्फ्यू व सख्ती के बाद भी कोरोना पर काबू नहीं मिल रहा है। कई जिलों में नित नए मामले सामने आ रहे हैं।

जयपुर में कोरोना वैक्सीनेशन के मामले में एक बड़ी चूक सामने आई है। यहां एक सेवानिवृत फौजी को वैक्सीन की दो अलग-अलग कंपनी की डोज लगा दी गई। शहर के मानसरोवर स्थित एक सरकारी अस्पताल में यह चूक हुई।

पत्नी ने आशिक के साथ मिलकर की थी पति की हत्या, दोनों गिरफ्तार

श्रीनगर । बारामुला पुलिस ने वीरवार का पट्टन में एक हत्या की गुत्थी सुलझाते हुए मृतक की पत्नी को उसके आशिक संग गिरफ्तार कर लिया है। वारदात में इस्तेमाल हथियार भी बरामद कर लिया गया है। एसएसपी बारामुला ने रईम बट ने बताया रेंगी पट्टन में आठ मार्च की रात को 34 वर्षीय मोहम्मद अल्ताफ मलिक का शव उसके घर से कुछ ही दूरी पर मिला था। उसे उसके परिजनों ने गांव के कब्रीस्तान में दफना दिया था। 22 मार्च को अल्ताफ के भाई ने हत्या की आशंका जताते हुए पूरे मामले की जांच का आग्रह करते हुए एक लिखित आवेदन किया था। उसने जो संदेह व्यक्त किए थे, उन्हें आधार बनाते हुए जिला मैजिस्ट्रेट बारामुला की अनुमति से शव को कब्र से निकलवाया गया । शव का पोस्टमार्टम कराया गया और जांच शुरु की गई। दिवंगत और उसकी पत्नी के मोबाइल फोन के डाटा की भी जांच की गई। कुछ लोगों से पूछताछ की गई। एसएसपी ने बताया कि अल्ताफ अहमद को अंतिम बार उसकी पत्नी तसलीमा बेगम के साथ देखा गया था।उससे भी पूछताछ की गई। वह अपने बचान को बार बार बदल रही थी जब लगातार पूछताछ की गई तो वह टूट गई और उसने सारा सच उगल दिया। उसने बताया कि उसका अपने पड़ौसी गुलाम मोहम्मद डार के साथ प्रेम प्रसंग था। इसीलिए उसने अल्ताफ को रास्ते से हटाने के लिए उसकी हत्या की साजिश रची। आठ मार्च की रात को उसने गुलाम मोहम्मद डार के साथ मिलकर अल्ताफ को घर से बाहर एक जगह बुलाया। वहां अल्ताफ को उन्होंने मौत के घाट उतार दिया। इसके बाद उन्होंने उसके शव को माल मवेशियों को बांधने के स्थान के पास फेंक दिया ताकि लोगों को लगे कि अल्ताफ की मौत फिसलने से हुई है।

पानी संग खेलती दिखीं दिव्यांका त्रिपाठी तो पति विवेक दहिया

ने पूल में लगा दी छलांग, फोटो वायरल

टेलीविजन की लोकप्रिय जोड़ी दिव्यांका त्रिपाठी और विवेक दहिया उन सेलिब्रिटीज में से एक हैं जो अक्सर एक-दूसरे के संग मस्ती करते हुए नजर आते हैं। इनकी जोड़ी को फैंस खूब पसंद करते हैं। इसी बीच इस कपल की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में जहां दिव्यांका पानी में लहरें बनाती हुई दिख रही हैं तो वहीं उनके पति पानी में डाइव लेते हुए दिख रहे हैं। इस पावर कपल की तस्वीरें फैंस को खूब पसंद आ रही है।

इन दोनों की वायरल फोटो देखकर लग रहा है कि किसी वेकेशन पर हैं जहां अपने-अपने अंदाज में मस्ती कर रहे हैं।

दिव्यांका का पोस्ट

अपनी फोटो को इंस्टाग्राम पोस्ट करते हुए दिव्यांका ने कैप्शन में लिखा, " लाइफ अभी भी है! रफ़ल क्या आपके पास है...अपनी खुद की लहरें बनाएं। फोटो में दिव्यांका पूल के बीच में नजर आ रही हैं। वह पानी के संग खेलती हुई दिख रही हैं।

विवेक दहिया का पोस्ट

अब बात करें विवेक की फोटो की आप देख सकते हैं कि विवेक पूल के बीचो-बीच डाइव लेते हुए देख रहे हैं। एक और फोटो में विवेक शर्ट और शॉट्स पहने हुए शिशे की बालकनी में नजर आ रहे हैं। इस पावर कपल की फोटो में फैंस कॉमेंट करते हुए उनकी तारीफ कर रहे हैं।

दिव्यांका त्रिपाठी-विवेक दहिया की लवस्टोरी

दिव्यांका त्रिपाठी और विवेक दहिया टीवी सीरियल ये है मोहब्बतें के सेट पर मिले थे। को-स्टार से लेकर एक फेमस कपल के रूप में दिव्यांका और विवेक दुनिया के सामने आए। एक लंबे डेट के बाद इन दोनों ने 8 जुलाई 2016 को शादी के बंधन में बंधे। शादी के बाद से लगातार दोनों की मेड ऑफ ईच अदर वाली केमेस्ट्री देखने को मिलती रहती है।

एक्ट्रेस आरती सिंह समुंदर में बिकिनी पहन कर उतरीं, Photos देख लोग बोले- ये ओवर हो गया

टीवी की जानी-मानी एक्ट्रेस आरती सिंह इन दिनों सोशल मीडिया पर जबरदस्त चर्चाओं में बनी हुई हैं। आरती का बोल्ड अवतार देखकर उनके फैंस हैरान हैं, आरती का ये अंदाज उनकी वैकेशन के दौरान देखने को मिला है। आरती ने हाल ही में एक बार फिर से वैकेशन की बोल्ड तस्वीरें शेयर करते बताया है कि उनकी गेटअवे तो ओवर हो गया है लेकिन उनके पास इस वैकेशन की ढेर सारी तस्वीरें शेयर करनी बाकी हैं। वहीं आरती के फॉलोवर्स जहां एक तरफ उनकी तारीफें करते दिख रहे हैं, वहीं कुछ लोग उनकी बिकिनी फोटोज कुछ ज्यादा ही हो गई हैं।

बिकिनी पहने समुंदर में उतरीं

आरती ने हाल ही में इंस्टाग्राम एकाउंट पर फैंस के साथ अपनी मालदीव्स वैकेशन की कुछ और फोटोज साझा की हैं। इन फोटोज में वो ग्रीन बिकिनी पहने समुंदर में उतरी हैं और कोई वॉटर स्पोर्ट करने की तैयारी करती दिख रही हैं। इन फोटोज में वो एक बोट पर लाइफ जैकेट पहने नजर आ रही हैं। इस दौरान आरती के चेहरे पर खुशी देखने लायक है।

फैंस ने दी ऐसी प्रतिक्रियाएं

वहीं इस पोस्ट पर आरती को फैंस और सेलेब्स की ताबड़तोड़ प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। हर कोई उनके ग्लैमरस अंदाज पर फिदा होता दिखाई दे रहा है। वहीं कुछ लोगों ने कोरोना के दौरान आरती को सुरक्षित रहने की सलाह दी है तो कईयों ने ये भी कह दिया है कि अब उनकी बिकिनी फोटोज कुछ ओवर ही हो गई हैं। इससे पहले आरती अपनी पूरी वैकेशन के दौरान अलग-अलग डिजाइन की बिकिनी में बेहद बोल्ड तस्वीरें साझा करती दिखाई दे चुकी हैं।

लिखा दिलचस्प कैप्शन

बता दें कि लेटेस्ट फोटोज को शेयर करते हुए आरती ने लिखा- जब आपका गेट खत्म हो गया है लेकिन ग्राम (इंस्टाग्राम) के लिए तस्वीरें नहीं। मैंने पहले kayaking नहीं करने के बारे में सोचा था लेकिन शुक्र है कि मैंने नहीं स्किप किया।

सारा अली खान और जाह्नवी कपूर के बीच है जबरदस्त बॉन्डिंग, साथ में करती दिखीं वर्कआउट

सारा अली खान और जाह्नवी कपूर की तुलना हमेशा उनकी फिल्मों की वजह से होती रही है लेकिन असल जिंदगी में दोनों के बीच काफी अच्छी बॉन्डिंग है। सारा अली खान ने एक वीडियो पोस्ट किया है जिसमें दोनों साथ में वर्कआउट करती नजर आ रही हैं।

वीडियो में दिखी जबरदस्त बॉन्डिंग

सारा अली खान और जाह्नवी कपूर अपनी फिटनेस को लेकर काफी सजग हैं। दोनों को अक्सर मुंबई में जिम के बाहर पैपराजी द्वारा स्पॉट किया जाता है। सारा के इस वीडियो में दोनों स्विमिंग पूल के किनारे हैं और वर्कआउट कर रही हैं। उनके साथ उनकी ट्रेनर नम्रता पुरोहित भी हैं। जो दोनों पर निगरानी रखे हुए हैं।

सारा और जान्हवी साथ में कई तरह की एक्सरसाइज करती दिख रही हैं। इस दौरान दोनों एक दूसरे की ओर देखकर मुस्कुराती भी हैं। सारा ने वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा- 'इसी तरह आपको गोल्डन ग्लो मिलेगा।' ये वीडियो कहां बनाया गया है उन्होंने ये नहीं बताया है।

मालदीव में छुट्टियां मना रहीं सारा

सारा पिछले कुछ समय से लगातार छुट्टियां मना रही हैं। गोवा, गुलमर्ग के बाद अभी वो मालदीव में छुट्टियां मना रही हैं। मुंबई में लॉकडाउन के एलान के साथ सारा अपनी मां अमृता सिंह और भाई इब्राहिम अली खान के साथ मालदीव रवाना हो गई हैं।

सारा की आने वाली फिल्में

सारा अली खान जल्द ही फिल्म 'अतरंगी रे' में नजर आएंगी। निर्देशक आनंद एल राय की इस फिल्म में उनके साथ अक्षय कुमार और धनुष की मुख्य भूमिका है। सारा पिछली बार वरुण धवन के साथ 'कुली नंबर 1' में दिखी थीं। फिल्म को कुछ खास पसंद नहीं किया गया।

जाह्नवी की आने वाली फिल्में

जाह्नवी की बात करें तो उनकी फिल्म 'रूही' कुछ समय पहले रिलीज हुई थी। फिल्म में उनके साथ राजकुमार राव और वरुण शर्मा थे। इसके अलावा जाह्नवी फिल्म 'गुड लक जेरी' और 'दोस्ताना 2' में काम कर रही हैं।

निक जोनस को याद करते हुए प्रियंका चोपड़ा

ने शेयर की बेहद रोमांटिक फोटो, बोलीं- आपको बहुत ज्यादा मिस कर रही हूं

प्रियंका चोपड़ा को अपने पति सिंगर निक जोनास की याद आ रही है। इस बात को प्रियंका चोपड़ा ने खुले आम स्वीकार करते हुए अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से निक के साथ एक तस्वीर साझा की है। तस्वीर में, प्रियंका और निक एक दूसरे की आंखों में आखें डाल कर हंसते हुए दिख रहे हैं।फोटो में दोनों काफी रोमांटिक पोज दे रहे हैं। सोशल मीडिया पर प्रियंका-निक की ये तस्वीर खूब वायरल हो रहा है। लोग दोनों की तारीफ करते हुए लाइक्स और कॉमेंट कर रहे हैं।

पति को याद कर रही हैं देसी गर्ल

पति निक साथ अपनी फोटो शेयर करते हुए देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा ने लिखा, आपकी बहुत याद आ रही है ।इसके साथ ही उन्होंने हार्ट इमोजी भी शेयर किया है।

एक टक देखते दिखे निक-प्रियंका

फोटो में प्रियंका निक किसी गार्डन में आमने-सामने खड़े दिख रहे हैं। दोनों एक दूसरे को एक टक देखते हुए दिख रहे हैं। फोटो में दोनों की स्माइल फैंस को लुभा रही है।

शानदार दोनों का आउटफिट

अब फोटो में दोनों की आउटफिट की बात करें तो प्रियंका ऑफ ह्वाइट ओवर कोट में दिख रही हैं। उन्होंने अफने बालों में बन बनाए हुए नजर आ रही हैं। अपने लुक को पूरा करने के लिए पेंसिल हिल बुट कैरी किया हुआ है। अपने लुक में प्रियंका कहर बरपा रही हैं। वहीं निक जोनस ब्लू जैकेट और जींस में नजर आ रहे हैं।

टीम इंडिया को एक अच्छा ऑलराउंडर मिलना क्यों मुश्किल है, वीवीएल लक्ष्मण ने बताई वजह

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण ने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि, भारतीय टीम अब कपिल देव जैसा आलराउंडर तैयार नहीं कर पा रही है। उन्होंने इसके पीछे की वजह बताई और कहा कि, खिलाडियों पर अत्यधिक कार्यभार की वजह से ऐसा हो रहा है। लक्ष्मण ने यूट्यूब पर कहा कि, एक ऑलराउंडर की भूमिका निभाना आसान नहीं होता, लेकिन कपिल पाजी ऐसे थे जो रन भी बना सकते थे और विकेट लेने की क्षमता भी उनमें थी। वो टीम इंडिया के रियल मैच विजेता खिलाड़ी थे, लेकिन मौजूदा समय में ज्यादा कार्यभार होने की वजह से एक बेहतरीन ऑलराउंडर तैयार करना काफी मुश्किल है।

वीवीएस लक्ष्मण ने कहा कि, कुछ खिलाड़ी अपनी ऑलराउंड क्षमता दिखाते हैं क्योंकि वो गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों पर ध्यान देते हैं, लेकिन कुछ समय के बाद ज्यादा कार्यभार और तीनों प्रारूपों में अत्यधिक खेलने की वजह से वो अपने दोनों कौशल पर ध्यान नहीं दे पाते। उन्होंने कहा कि, वो खिलाड़ी जिसके पास एक बेहतरीन ऑलराउंडर बनने की पूरी क्षमता है वो इंजर्ड हो जाता है और फिर उसे गेंदबाजी या फिर बल्लेबाजी दोनों में से किसी एक को चुनना पड़ता है। उन्होंने कहा कि, भारत में किसी भी खिलाड़ी की तुलना कपिल देव के साथ करना सही नहीं है। मेरा ऐसा मानना है कि, कपिल देव सिर्फ एक ही हो सकते हैं और उनके साथ किसी खिलाड़ी की तुलना करना उस पर दवाब बनाने जैसा ही है। महेंद्र सिंह धौनी और सुनील गावस्कर भी सिर्फ एक ही हो सकते हैं ऐसा शायद ही दूसरा कोई हो। इसके अलावा उन्होंने भारत में इस साल होने वाले टी20 विश्व कप को लेकर कहा कि, विकेटकीपर के तौर पर मेरी पहली पसंद इस टीम के लिए रिषभ पंत ही हैं। हालांकि इसके लिए भारत के पास ईशान किशन, संजू सैमसन जैसे विकल्प हैं, लेकिन रिषभ पंत मेरी पहली पसंद हैं।

धौनी के माता-पिता की हालत पर CSK के कोच फ्लेमिंग ने दी जानकारी, कहा-मुश्किल वक्त चल रहा है

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 14वें सीजन में खेल रहे चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धौनी के माता पिता कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। दोनों को रिपोर्ट आने के बाद अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। चेन्नई की टीम मैनेजमेंट की तरफ से यह बयान आया है कि वह धौनी के माता-पिता के स्वास्थ्य पर नजर बनाए हुए हैं और हर तरह की मदद पहुंचाने की कोशिश करेंगे। टीम के कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कोलकाता के खिलाफ चेन्नई की टीम को मिली जीत के बाद कप्तान के महेंद्र सिंह धौनी के माता-पिता के बारे में बात की। उनके स्वास्थ्य के बारे में अपडेट देते हुए कहा, मैनेजमेंट के लिहाज से हम उनके परिवार की स्थिति से अच्छी तरह से वाकिफ हैं और एमएस के परिवार के लिए हर तरह के मदद का इंतजाम किया जा रहा है। स्थिति इस वक्त नियंत्रण में है, लेकिन हम हर एक चीज पर अगले कुछ दिनों तक नजर बनाए रखेंगे।

यह वक्त हर किसी के लिए मुश्किल है और जिस तरह से इसने भारत में असर डाला है उसी तरह से इसका प्रभाव आइपीएल में खेल रहे साथियों और उनके परिवार जनों पर भी आया है। उम्मीद यही है कि इसका असर बबल के अंदर रह रहे लोगों पर इतना ना हो। हम काफी वक्त इस बात की चर्चा में बिताते हैं कि कैसे अपने परिवार और दोस्तों का ध्यान रख सकें। उन सभी को इस महामारी के वक्त में सुरक्षित कैसे रखना है बात इसकी होती है। धौनी के परिवार में बीमार हुए लोगों के जल्दी स्वस्थ होने की कामना करते हुए फ्लेमिंग ने कहा, हमारी जिम्मेदारी बनती है कि इस बात को पक्का करें कि उनको जिस तरह की भी सहायता की जरूरत है, वह उन तक पहुंचे और उनके परिवार को लोग जल्दी से जल्दी स्वस्थ होकर वापस लौटें।

केकेआर के ऑलराउंडर ने 6 छक्के जड़ते हुए रचा इतिहास, बना डाला ये रिकॉर्ड

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 14वें सीजन के मुकाबले में भले ही कोलकाता नाइटराइडर्स की टीम को हार मिली हो लेकिन एक खिलाड़ी ने मैच पलट दिया था। चेन्नई सुपर किंग्स की टीम के कप्तान महेंद्र सिंह धौनी आखिरी ओवर तक परेशान थे इसकी वजह पैट कमिंस रहे। उन्होंने महज 33 गेंद पर 66 रन की पारी खेल मैच को एक दम से रोमांचक बना दिया। खेले गए मैच में कोलकाता के कप्तान ने टॉस जीतकर पहले गेदंबाजी चुनी। चेन्नई ने ओपनर फाफ डु प्लेसिस के नाबाद 95 रन की बदौलत 3 विकेट पर 220 रन का स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी कोलकाता के 31 रन पर 5 विकेट गिर गए थे। इसके बाद रसेल ने 54 रन की तूफानी पारी खेल टीम के वापसी कराई और फिर कमिंस ने ऐसा बल्लेबाजी की जिसने एकतरफा मैच में रोमांच भर दिया।

आठवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए कमिंस ने महज 33 गेंद पर 6 छक्के और 4 चौके की मदद से 66 रन की पारी खेली। यह आइपीएल इतिहास में इस नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए किसी भी खिलाड़ी की सबसे बड़ी पारी रही। इससे पहले हरभजन सिंह ने 64 रन की पारी खेली थी। सैम कुर्रन के एक ओवर में कमिंस ने 4 छक्के और एक चौके की मदद से कुल 30 रन जमाए। यह इस सीजन में किसी भी गेंदबाज का सबसे महंगा ओवर साबित हुआ। 16वां ओवर करने आए सैम की पहली गेंद पर 2 रन बने थे। इसके बाद कमिंस ने लगातार तीन छक्के जमाए फिर चौका लगाया और आखिरी गेंद पर एक और छक्का जमाया। कमिंस ने 23 गेंद पर अर्धशतक बनाया जो सीजन में बनाया किसी भी बल्लेबाज का तीसरा सबसे तेज अर्धशतक है।

शादी मुबारकः बैडमिंटन खिलाड़ी ज्वाला गुट्टा ने शुरू की नई पारी, अभिनेता विष्णु के साथ लिए सात फेरे

नई दिल्ली। भारत की अनुभवी और स्टार महिला बैडमिंटन खिलाड़ी ज्वाला गुट्टा लंबे इंतजार के बाद शादी के बंधन में बंध गईं। उन्होंने साउथ के मशहूर अभिनेता और अपने मंगेतर विष्णु विशाल के साथ हैदराबाद में सात फेरे लिए।

पिछले कुछ दिनों से दोनों की मेहंदी और हल्दी की तस्वीरें वायरल हो रही थीं और अब शादी शादी की तस्वीरें भी सामने आ गई हैं। विष्णु और ज्वाला ने इसी महीने की शुरुआत में सोशल मीडिया पर शादी की तारीख की घोषणा की थी।बता दें कि ज्वाला और विष्णु कई सालों से एक दूसरे के साथ रिलेशनशिप में थे। ज्वाला ने 2020 में अपने रिश्ते को लेकर परोक्ष रूप से इशारा किया था। तब ज्वाला ने सोशल मीडिया पर विष्णु के साथ अपनी रोमांटिक तस्वीर शेयर करते हुए

लिखा था, आप सभी को हम दोनों की तरफ से नया साल मुबारक हो।' इसके बाद खुद विष्णु ने सितंबर 2020 में अपने ट्विटर अकाउंट पर अपनी ज्वाला के साथ तस्वीरें साझा कर अपने रिश्ते पर मुहर लगा दी। विष्णु ने ज्वाला गुट्टा को पहनाई अंगूठी की तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की। इसमें अभिनेता ने लिखा, 'हैपी बर्थडे ज्वाला गुट्टा। जिंदगी की नई शुरुआत, पॉजिटिव रहें और अच्छे भविष्य के लिए काम करें। आर्यन, हमारे परिवार, दोस्त और जो लोग इर्द गिर्द हैं, आप सभी का प्यार और आशीर्वाद चाहिए।'गौरतलब है कि विष्णु विशाल तमिल एक्टर हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत साल 2009 में की थी।

विष्णु की शादी साल 2011 में रजनी नटराजन से हुई थी, लेकिन बाद में दोनों एक दूसरे से अलग हो गए थे। वहीं, ज्वाला गुट्टा की भी शादी बैडमिंटन खिलाड़ी चेतन आनंद के साथ हुई थी, लेकिन आपसी मतभेद के कारण वे दोनों एक दूसरे से अलग हो गए थे।

विश्व कप चरण-1

अतानु दास और दीपिका कुमारी एकल वर्ग के सेमीफाइनल में

नई दिल्ली। तीरंदाज अतानु दास और दीपिका कुमारी ने तेज हवाओं के चुनौती के बीच यहां विश्व कप चरण-1 में रिकर्व वर्ग की अपनी एकल स्पर्धाओं के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। रैंकिंग दौर में दूसरे स्थान पर रहने के बाद सीधे राउंड 32 के लिए क्वालिफाई अतानु ने कनाडा के इरिक पीटर्स को 6-4 से हराया। उनका सेमीफाइनल में मेक्सिको के एंजेल अल्वार्डो से मुकाबला होगा। तीसरी वरीय दीपिका ने जर्मनी की तीरंदाज मिशेल क्रोपेन को हराया। उनका सेमीफाइनल में मेक्सिको की एलेक्जेंडा वेलेंसिया से मुकाबला होगा। दीपिका ने इससे पहले अमेरिकी की केलेसी को 6-0 से और लंदन ओलंपिक की रजत पदक विजेता ऐदा रोमन को शूट आफ में 6-5(10-9) से मात दी।

नाबालिग एथलीट से यौन उत्पीड़न

साई ने आरोपों के बाद कोच को निलंबित किया

नई दिल्ली। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने नाबालिग लड़की से यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार किए गए अपने एक कोच को तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिया और घटना की जांच का आदेश दिया। यह कोच परियोजना अधिकारी से कोच बना था। उसकी उम्र 50 साल से अधिक है और वह एथलेटिक्स कोच है। इस समय वह पोक्सो (बच्चों को लैंगिक अपराधों से बचाव) अधिनियम के तहत तिहाड़ जेल में बंद हैं। साई ने कहा कि उसे पता चला कि उससे भुगतान हासिल करने वाला एक कोच 13 साल की बालिका से छेड़छाड़ की कथित घटना के बाद गिरफ्तार किया जा चुका है और यह घटना सिरी फोर्ट खेल परिसर में हुई जहां वह उसे निजी ट्रेनिंग दे रहा था।

साई ने बयान में कहा, 'कथित घटना साइ के अधिकार

क्षेत्र के बाहर के परिसर में हुई जहां कोच इस नाबालिग को ट्रेनिंग दे रहा था। कोच अधिकारी से मंजूरी बिना ही खुद ही ट्रेनिंग दे रहा था। कोच को निलंबित कर दिया गया है और जांच का आदेश दिया गया है। पुलिस भी अलग से इस घटना की जांच कर रही है।'अगर कोच को पोक्सो अधिनियम के अंतर्गत दोषी पाया गया तो उसे अधिकतम सात साल जेल की सजा हो सकती है।

दिल्ली कैपिटल्स के लिए खुशखबरीः कोरोना को मात देकर लौटे अक्षर पटेल

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स और भारत के ऑलराउंडर अक्षर पटेल कोविड-19 के लिए पॉजिटिव पाए जाने के कारण मुंबई के एक अस्पताल में लगभग तीन सप्ताह बिताने के बाद अब इंडियन प्रीमयर लीग (आईपीएल) की अपनी टीम से जुड़ गए हैं।

यह 27 वर्षीय खिलाड़ी इससे पहले 28 मार्च को मुंबई में दिल्ली की टीम से जुड़ा था।अक्षर निगेटिव रिपोर्ट के साथ जैव सुरक्षित वातावरण में आए थे, लेकिन तीन अप्रैल को उनका परीक्षण पॉजिटिव पाया गया था, उनमें हल्के लक्षण दिखाई दिए थे, जिसके बाद उन्हें भारतीय क्रिकेट बोर्ड की चिकित्सा सुविधा में भेज दिया गया था।दिल्ली कैपिटल्स ने पटेल के टीम से जुड़ने का वीडियो पोस्ट करते हुए ट्वीट किया, 'बापू (अक्षर पटेल) के दिल्ली कैपिटल्स शिविर में वापसी पर सभी के चेहरों पर मुस्कान तैर गई।' पटेल ने वीडियो में कहा, 'आदमी देख के ही तो मुझे मजा आ रहा है।' पटेल आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के देवदत्त पडीक्कल के बाद इस घातक वायरस से संक्रमित होने वाले दूसरे खिलाड़ी थे। अक्षर की अनुपस्थिति में दिल्ली ने मुंबई के शम्स

मुलानी को अपनी टीम से जोड़ा था। सबसे पहले केकेआर के नीतिश राणा इससे संक्रमित हुए थे।

आईपीएल : देवदत्त का शतक, आरसीबी ने लगाया जीत का चौका, आरआर को 10 विकेट से हराया

मुंबई। पिछले सत्र में शानदार प्रदर्शन करने वाले देवदत्त पडिक्कल (101*) का बल्ला इससे पहले इस सीजन में खामोश था। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ बाएं हाथ के इस युवा बल्लेबाज ने कप्तान विराट कोहली (नाबाद 72) के साथ 181 रन की अटूट साझेदारी कर रॉयल्स चैलेंजर्स बैंगलोर को आईपीएल मैच में दस विकेट से जीत दिला दी।

देवदत्त का शतक इस सीजन में दूसरा शतक है। इससे पहले राजस्थान रॉयल्स के संजू सैमसन ने पंजाब के खिलाफ शतक लगाया था।

इससे पहले मैच में राजस्थान ने शिवम दुबे (46) और राहुल तेवतिया (40) की शानदार पारी की मदद से 9 विकेट पर 177 रन बनाए। जवाब में बैंगलोर ने 21 गेंदें शेष रहते 16.3 ओवरों में 181 रन बनाकर जीत हासिल कर ली। देवदत्त ने 52 गेंदों की पारी में 11 चौके और छह छक्के लगाए। विराट ने 47 गेंदों पर छह चौके और तीन छक्के जड़े। रॉयल

चैलेंजर्स बैंगलोर की यह लगातार चौथी जीत है।

इससे पहले बल्लेबाजी का निमंत्रण पाकर उतरी राजस्थान की टीम ने दोनों सलामी बल्लेबाज जोस बटलर (08) और मनन वोहरा (07) के अलावा डेविड मिलर (00) के विकेट जल्द ही गंवा दिए थे। बटलर और मिलर के विकेट मोहम्मद सिराज (3/27) के खाते में गए थे। उसके बाद कप्तान संजू सैमसन (21) को वाशिंगटन सुंदर ने मैक्सवेल के हाथों कैच करा दिया। पांचवें विकेट पर शिवम को रियान पराग (25) के रूप में अच्छा साझीदार मिला। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए 66 रन की साझेदारी की। रियान ने पटेल का शिकार बनने से पहले 16 गेंदों की पारी में चार चौके लगाए। दुबे ने 32 गेंदों की पारी में पांच चौके और दो छक्के जड़े। उन्हें रिचर्ड्सन ने मैक्सवेल के हाथों कैच कराया। सिराज को तीसरा विकेट राहुल तेवतिया का मिला जिन्होंने 23 गेंदों पर चार चौके और दो छक्के जड़े। हर्षल पटेल ने अंतिम ओवर में क्रिस मौरिस (10) और चेतन सकारिया (00) के विकेट लगातार दो गेंदों पर लिए। श्रेयस गोपाल (07*) ने छक्का जड़कर स्कोर 175 के पार पहुंचाया।

आईपीएल 2021: सनराइजर्स को लगा बड़ा झटका, पूरे सीजन से बाहर हुए यॉर्कर स्पेशलिस्ट नटराजन

मुंबई। आईपीएल के 14वें सीजन में खिलाड़ियों के चोटिल होने का सिलसिला जारी है। अब सनराइजर्स हैदराबाद के लिए एक बुरी खबर आई है। टीम के स्टार तेज गेंदबाज और यॉर्कर स्पेशलिस्ट टी नटराजन घुटने की चोट की वजह से पूरे सीजन से बाहर हो गए हैं।समाचार एजेंसी ने सनराइजर्स के सूत्रों के हवाले से बताया कि नटराजन घुटने की चोट की वजह से इस सीजन में नहीं खेल पाएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया में लगी नटराजन की चोट फिर से बढ़ गई है। चोट की गंभीरता को देखते हुए बीसीसीआई उन्हें राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में रिहैब के लिए भेज सकती है और इसके लिए फ्रैंचाइजी से उन्हें रिलीज़ करने को कह सकती है। फिलहाल नटराजन सनराइजर्स की टीम बबल में है।

बता दें कि नटराजन ने इस सीजन में शुरुआती दो मुकाबले खेले थे लेकिन इसके बाद चोट की वजह से उन्हें बाहर बैठना पड़ा। हालांकि नटराजन की चोट और उनके बाहर होने के संबंध में अभी फ्रैंचाइजी की तरफ से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

भुवनेश्वर की गैरमौजूदगी में नटराजन ने पिछले सीजन में सनराइजर्स के लिए जबरदस्त प्रदर्शन किया था। इसके बाद उन्हें भारतीय टीम में चुना गया और फिर उन्होंने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर तीनों प्रारूप में डेब्यू किया और अपनी छाप छोड़ी।

कीर्तिमानः विराट कोहली ने रचा इतिहास, आईपीएल में ऐसा करने वाले पहले और इकलौते खिलाड़ी

मुंबई। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के कप्तान विराट कोहली ने आईपीएल में एक नया कीर्तिमान बना दिया है। वह इस चर्चित टी-20 लीग में 6000 रन बनाने वाले पहले और इकलौते खिलाड़ी बन गए हैं। विराट ने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अर्धशतकीय पारी के दौरान यह उपलब्धि अपने नाम की। विराट ने यह मुकाम 196 मैचों की 188वीं पारी में हासिल किया। कोहली अब तक आईपीएल में 40 अर्धशतक और पांच शतक लगा चुके हैं। इस दौरान उनकी औसत 38 की तो स्ट्राइक रेट 130 की रही है। उनके नाम पर 518 चौके और 204 छक्के भी दर्ज हैं।

बात करें मैच की तो राजस्थान के खिलाफ मैच में उन्होंने 47 गेंदों में 72 रनों की नाबाद पारी खेली। इस दौरान उन्होंने छह चौके और तीन छक्के लगाए। यह विराट का इस सीजन का पहला अर्धशतक रहा। राजस्थान के 177 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए विराट ने देवदत्त पडीक्कल के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 181 रनों की अटूट साझेदारी भी की।

विराट और पडीक्कल की शानदार पारियों के दम पर रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की टीम ने सीजन की लगातार चौथी जीत हासिल की और अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई। आरसीबी अभी तक इकलौती ऐसी टीम है जो एक भी मैच नहीं हारी है।

धमाकेदार शतक के बाद अब इस बल्लेबाज को मिलेगी टीम इंडिया में जगह, पूर्व दिग्गज की भविष्यवाणी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 14वें सीजन में खेले गए 16वें मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के ओपनर देवदत्त पडीक्कल ने शतक जमाया। यह इस सीजन में किसी भी बल्लेबाजी द्वारा बनाया गया दूसरा ही शतक रहा। पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर देवदत्त की बल्लेबाज के काफी प्रभावित हुए हैं। उनका मानना है कि यह बल्लेबाज जल्दी ही भारत की तरफ से भी खेलता नजर आएगा।

गावस्कर ने कहा, मैं इस बात से बिल्कुल भी हैरान नहीं होगा अगर यह भारत के लिए निकट भविष्य में किसी भी फॉर्मेट में खेलते नजर आएं। इस खिलाड़ी के अंदर क्लास और वो क्षमता है जिसकी वजह से टीम इंडिया में जगह मिल सकती है। इनके नाम फर्स्ट क्लास और रणजी ट्रॉफी में काफी सारे रन हैं साथ ही कई

शतकीय पारी भी खेली है।

50 ओवर के मैच में इस बल्लेबाज ने काफी सारी शतकीय पारियां खेली है। घरेलू टी20 टूर्नामेंट में भी काफी सारे रन बनाए हैं। तो इसी वजह से मुझे इस बात पर बिल्कुल भी हैरानी नहीं होगी अगर जो इनको टीम इंडिया में जल्दी या फिर देर से मौका मिलता है।

कर्नाटक की तरफ से हमेशा ही शानदार बल्लेबाज आते रहे हैं। गुंडप्पा विश्वनाथ, राहुल द्रविड़ और अब केएल राहुल। अगर जो केएल राहुल जो जानते हैं तो वो कुछ ऐसे स्टार हैं जिन्हें अपने आप ज्यादा से ज्यादा भरोसा रखने की जरुरत है। कभी कभी आपको यह लगेगा कि वह खुदपर भरोसा नहीं करते, वह बहुत ही ज्यादा प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। मयंक अग्रवाल और करुण नायर भी हैं जिन्होंने टेस्ट में तिहरा शतक बनाया। कर्नाटक के पास बहुत ही शानदार बल्लेबाजी क्रम है।

गावस्कर ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ शतकीय पारी खेलने वाले देवदत्त की जमकर तारीफ की। उनको भविष्य का सितारा बताते हुए कहा, देवदत्त पडीक्कल भी एक ऐसे ही बल्लेबाज हैं जो लंबी रेस के घोड़े लगते हैं और भारतीय क्रिकेट प्रेमियों को काफी ज्यादा खुशी दी है।

धोनी आइपीएल में ऐसा कमाल करने वाले पहले विकेटकीपर बने

नई दिल्ली। आईपीएल 2021 में भी चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धौनी का जलवा विकेट के पीछे जारी है। बुधवार को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले में सीएसके को 18 रन से जीत मिली और इस मैच में धौनी की विकेट के पीछे चपलता देखते ही बनी।

उन्होंने दूसरी पारी में केकेआर के तीन बल्लेबाजों का कैच विकेट के पीछे लिया जिसमें नीतिश राणा, राहुल त्रिपाठी और इयोन मोर्गन थे। ये सभी बल्लेबाज कोलकाता के मुख्य बल्लेबाज थे और इनका कैच लपककर धौनी ने इस टीम को पूरी तरह से बैकफुट पर धकेल दिया।

विकेट के पीछे धौनी के 150 विकेट पूरे

केकेआर के खिलाफ हुए मैच में तीन कैच पकड़कर धौनी ने आइपीएल में एक बेहतरीन माइलस्टोन अपने नाम कर लिया। वो इस लीग में बतौर विकेटकीपर विकेटके पीछे 150 शिकार करने वाले पहले खिलाड़ी बने। एम एस धौनी ने इस लीग में अब तक 208 मैचों की 201 पारियों में कुल 151 विकेट लिए हैं। इनमें से उन्होंने 112 कैच पकड़े हैं जबकि 39 खिलाड़ियों को स्टंप आउट किया है। वहीं आइपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में दूसरे नंबर पर बतौर विकेटकीपर दिनेश कार्तिक हैं जिन्होंने 200 मैचों में 143 विकेट लिए हैं। तीसरे स्थान पर 90 विकेट के साथ रॉबिन उथप्पा मौजूद हैं।

आइपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले विकेटकीपर–

एमएस धोनी- 151
दिनेश कार्तिक - 143
रॉबिन उथप्पा- 90

आपको बता दें कि, केकेआर को सीएसके ने लीग मैच में 18 रन से हराया और जीत दर्ज की। इस मैच में केकेआर को सीएसके ने जीत के लिए 221 रन का टारगेट दिया था, लेकिन ये टीम 202 रन ही बना पाई।

हालांकि पैट कमिंस ने 34 गेंदों पर 6 छक्के और 4 चौकों की मदद से नाबाद 66 रन बनाकर सीएसके की धड़कनें तेज कर दी थी, लेकिन वो टीम को जीत के आंकड़े तक नहीं पहुंचा पाए। केकेआर के लिए आंद्रे रसेल ने भी 54 रन की शानदार पारी खेली। वहीं सीएसके की तरफ से रितुराज गायकवाड़ ने 64 रन तो फॉफ डुप्लेसिस ने नाबाद 95 रन की पारी खेली।